डाक पंजीयन क्र. MP/Bhopal/186/2021/2023
लाइसेंस क्र. WPP/Tech/23-04/08/2021-2023
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या 38506/84

रोज़गार और निर्माण

टेलीग्राम चैनल से जुड़ने के लिए यहां क्लिक करें

प्रति नवम्बर को प्रकाशित मासिक पत्र 01.11.2023 से 12.11.2023 | वर्ष-40 | अंक-15 | मूल्य ₹ 10.00

संक्षिप्त खबर

संवीक्षा में 2916 अभ्यर्थी विधिमान्य पाए गए

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन-2023 के अंतर्गत प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों से प्राप्त नाम निर्देशन-पत्रों की 31 अक्टूबर को संवीक्षा की गई है। संवीक्षा के दौरान 2916 अभ्यर्थी विधिमान्य पाए गए। कुछ विधानसभा क्षेत्रों में जानकारी अपूर्ण है और कुछ विधानसभा क्षेत्रों में आपत्ति लगी है। यह जानकारी अंतिम है। 17 नवंबर को एक चरण में मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगी। 3 दिसंबर को मतगणना होगी।

अंतिम दिन 2489 अभ्यर्थियों ने 2811 निर्देशन पत्र किए जमा

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए 21 अक्टूबर से शुरू हुई नाम निर्देशन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तक प्रदेश के सभी 230 विधानसभा क्षेत्रों में 2489 अभ्यर्थियों द्वारा 2811 नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए हैं। इस तरह कुल 3832 अभ्यर्थियों द्वारा 4359 नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए हैं। 31 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की गई।

350 से अधिक अभ्यर्थियों ने नामांकन लिये वापस

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन के लिये दाखिल नामांकन में से अंतिम दिन 350 से अधिक अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र वापस लिये। लगभग 2500 से अधिक अभ्यर्थी निर्वाचन के लिए शेष बचे हैं। यह अनंतिम जानकारी है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए 21 अक्टूबर से नाम निर्देशन पत्र जमा करने की प्रक्रिया शुरू हुई थी। 30 अक्टूबर तक नाम निर्देशन पत्र जमा किए गए थे। 31 अक्टूबर को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की गई थी। 2 नवंबर को नाम वापस लेने की अंतिम तिथि थी। 17 नंवबर को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी तथा 3 दिसंबर को मतगणना होगी।

भीतर के पृष्ठों पर

- **पिछला सप्ताह** - देश-विदेश की साप्ताहिक खबरों का संक्षिप्त विवरण
- **चर्चा में** - चर्चित व्यक्तियों और ध्यान आकर्षित करने वाली खबरों की चर्चा
- **खेल चर्चा** - प्रमुख खेल गतिविधियों का विवरण
- **सामयिकी** - देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

(स्रोत : समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

उपलब्धि

यूनेस्को के क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क की सूची जारी, 55 शहरों को किया शामिल

ग्वालियर को 'सिटी ऑफ म्यूजिक' के रूप में मिली पहचान

भोपाल, यूनेस्को ने क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (यूसीसीएन) की नवीनतम सूची की घोषणा की है। यूनेस्को के क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क द्वारा घोषित इस सूची में दुनियाभर के 55 नए शहरों में मध्यप्रदेश के ग्वालियर को सिटी ऑफ म्यूजिक के रूप में पहचान दी गई है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश अपने सांस्कृतिक ऐतिहासिक धरोहरों के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

अपनी सदियों पुरानी संगीत परंपरा के चलते दुनियाभर में प्रख्यात ग्वालियर घराना अब प्रतिष्ठित यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में शामिल हो गया है।

इस परियोजना का नेतृत्व मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने ग्वालियर नगर निगम, ग्वालियर स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन, राजा मानसिंह तोमर संगीत और कला विश्वविद्यालय, संगीत कलाकारों और अन्य हितधारकों के सहयोग से किया था।

इसलिये हुआ ग्वालियर का चयन

ग्वालियर शहर को संगीत के क्षेत्र में सांस्कृतिक और रचनात्मक उपयोग करने, नवीन प्रथाओं को प्रदर्शित करने की उनकी मजबूत प्रतिबद्धता के लिए चुना गया है। ग्वालियर ने जिस प्रतिबद्धता के साथ संगीत की विरासत को संजोया और समृद्ध किया है, उसकी गूंज अब दुनियाभर में सुनाई दे रही है। यह उपलब्धि भारत की समृद्ध सांगीतिक विरासत का उदाहरण है।

प्रदेश के लिये बड़ी उपलब्धि है

प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन विभाग श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि यूनेस्को द्वारा ग्वालियर को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क कार्यक्रम में शामिल करना प्रदेश के लिये बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि तानसेन और बैजू बावरा जैसे महान संगीतज्ञों के शहर ग्वालियर में ही ध्रुपद संगीत परंपरा का जन्म हुआ है, जो आज भी जीवित है और बहुत दृढ़ता से संरक्षित है।

मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ा अवसर

संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव श्री शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि मुझे यकीन है कि उपलब्धि की मदद से पूरी दुनिया प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता की समृद्धि और गहराई की तरफ आकर्षित होगी। इससे ग्वालियर शहर में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यह मध्यप्रदेश के लिए एक बड़ा अवसर है।

पुर्तगाल में होगा वार्षिक सम्मेलन

विश्व शहर दिवस पर यूनेस्को द्वारा 55 शहरों को यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क में शामिल किया गया है। नए नामित रचनात्मक शहरों को ब्रिंगिंग यूथ टू द टेबल फॉर द नेक्स्ट डिकेड विषय के लिए पुर्तगाल के ब्रागा में 1-5 जुलाई, 2024 को होने वाले यूसीसीएन वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है।

मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन

मध्यप्रदेश में 17 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदाता कर सकेंगे मतदान

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में 17 नवंबर को सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान प्रक्रिया चलेगी। इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है।

श्री राजन ने बताया कि मतदान शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले सुबह 5.30 बजे से मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ होगी। यह प्रक्रिया अभ्यर्थी या उसके अधिकृत एजेन्ट की उपस्थिति में होगी। यदि कोई अभ्यर्थी या उसका एजेन्ट 5.30 बजे मतदान केन्द्र पर उपस्थित नहीं होता है, तो 15 मिनट तक उसका इंतजार किया जाएगा। इसके बाद मतदान दलों और अन्य सदस्यों की उपस्थिति में मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ की जायेगी।

50 वोट से मॉकपोल का प्रावधान

श्री राजन ने बताया कि न्यूनतम 50 वोट से मॉकपोल किये जाने का प्रावधान है, जिसमें नोटा भी शामिल होगा। मॉकपोल की प्रक्रिया प्रारंभ करने से पूर्व बैलेट यूनिट एवं वीवीपीएटी को वीवीपीएटी कम्पार्टमेंट में रखा जाएगा। कंट्रोल यूनिट को पीठासीन अधिकारी की टेबल या मतदान अधिकारी के टेबल पर रखना होगा।

श्री राजन ने बताया कि बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जिलों के कुछ विधानसभा क्षेत्रों में सुबह 7 से दोपहर 3 बजे तक मतदान प्रक्रिया चलेगी। इसमें बालाघाट जिले के तीन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 108- बैहर (अजजा), 109-लांजी और 110- परसवाड़ा के सभी मतदान केंद्र, मंडला जिले के 105- बिछिया विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के-47 मतदान केंद्रों पर, 107-मंडला विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले 8 मतदान केंद्रों तथा डिण्डोरी जिले के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक- 104 डिण्डोरी के 40 मतदान केंद्र शामिल हैं।

भारत निर्वाचन आयोग ने दिए निर्देश

मतदान के 48 घंटे पहले विज्ञापनों को कराना होगा पूर्व प्रमाणित

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश में मतदान के 48 घंटे पहले प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणित कराना होगा। इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देश भी जारी किए गए हैं। मध्यप्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिए एक ही चरण में 17 नवंबर को मतदान प्रक्रिया संपन्न होगी।

राजनैतिक विज्ञापनों की समय-सीमा तय

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रिंट मीडिया में मतदान की तिथि व मतदान से पूर्व दिवस पर प्रकाशित होने वाले राजनैतिक विज्ञापनों के पूर्व प्रमाणन के लिए समय सीमा तय कर दी है।

प्रिंट मीडिया में प्रकाशन के लिए विज्ञापनों को पूर्व प्रमाणन के लिए आवेदकों को मतदान के दिन और मतदान से पूर्व दिवस पर विज्ञापन के प्रकाशित होने की प्रस्तावित तिथि से दो दिन पहले मीडिया सर्टिफिकेशन एंड मॉनीटरिंग कमेटी (एमसीएमसी) को आवेदन देकर प्रकाशित होने वाले विज्ञापन का पूर्व प्रमाणन कराना होगा।

एग्जिट पोल और इसके परिणाम का प्रचार 7 से 30 नवम्बर तक प्रतिबंधित

भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना जारी

भोपाल, मध्यप्रदेश विधानसभा निर्वाचन 2023 की आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता के दौरान 7 नवम्बर की सुबह 7 बजे से 30 नवम्बर की शाम 6:30 बजे तक निर्वाचन के संबंध में किसी भी प्रकार के एग्जिट पोल का आयोजन तथा प्रिंट या इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में इसके परिणाम का प्रकाशन या प्रचार अथवा किसी भी अन्य तरीके से इसका प्रचार-प्रसार करने पर प्रतिबंध रहेगा।

48 घंटों के दौरान मीडिया में जारी नहीं हो सकेंगे ओपिनियन पोल

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 31 अक्टूबर, 2023 को इस आशय की अधिसूचना जारी कर दी गई है। जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निर्वाचन के दौरान सभी मतदान क्षेत्रों में मतदान की समाप्ति के लिये नियत समय पर समाप्त होने वाले 48 घंटों के दौरान किसी भी इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट या सोशल मीडिया में किसी भी ओपिनियन पोल या किसी अन्य मतदान सर्वेक्षण के परिणामों सहित किसी भी प्रकार के निर्वाचन संबंधी मामलों के प्रदर्शन पर प्रतिबंध रहेगा।

अन्य रीति से प्रसार नहीं करेगा

लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 126क में यह प्रावधान किया गया है कि कोई भी व्यक्ति कोई निर्गम मत सर्वेक्षण नहीं करेगा और किसी निर्गम मत सर्वेक्षण के परिणाम का ऐसी अवधि के दौरान जो निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में अधिसूचित की जाए, प्रिंट, सोशल तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से प्रकाशन या प्रचार या किसी भी प्रकार की अन्य रीति से प्रसार नहीं किया जा सकेगा।

दण्ड का है प्रावधान

यदि किसी व्यक्ति द्वारा भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी की गई अधिसूचना के इस प्रावधान का उल्लंघन किया जाएगा, तो आदर्श आचरण संहिता अवधि के दौरान कारावास से जो दो वर्ष तक की हो सकेगी या जुर्माने से या दोनों से दण्डनीय होगा।

28 अक्टूबर

खाद्यान्न उत्पादन 1,485 लाख मीट्रिक टन से अधिक रहने का अनुमान

● कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय ने 2023-24 के लिए मुख्य खरीफ फसलों के

उत्पादन का पहला अग्रिम अनुमान जारी किया है। इस अवधि के दौरान मंत्रालय देश में खाद्यान्न उत्पादन 1,485 लाख मीट्रिक टन से अधिक रहने की आशा कर रहा है। इस अनुमान के अनुसार चावल उत्पादन 1,063 लाख मीट्रिक टन से अधिक रहने का अनुमान है। मक्का उत्पादन 224 लाख मीट्रिक टन से अधिक और दाल उत्पादन 63.31 लाख मीट्रिक टन रहने का अनुमान है। मंत्रालय का कहना है कि गन्ना उत्पादन 4,347 लाख मीट्रिक टन रह सकता है। मंत्रालय ने बताया कि पिछले वर्ष अंतिम अनुमान की तुलना में चावल उत्पादन करने वाले क्षेत्र लगभग दो लाख हेक्टेयर से अधिक रहने का अनुमान है। इस अवधि में औसत से अधिक लगभग 4.5 लाख हेक्टेयर चावल उत्पादन करने वाले क्षेत्र रहने का अनुमान है। औसत खरीफ चावल उत्पादन की तुलना में चावल उत्पादन लगभग एक लाख टन से भी अधिक रहने का अनुमान है।

● भारत ने चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में आम के निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है और 4 करोड़ 70 लाख डॉलर मूल्य से अधिक का आम निर्यात किया है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने कहा है कि भारत ने इस दौरान करीब 27 हजार मीट्रिक टन आम का निर्यात किया है। भारत ने पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है।

● अमेरिका ने पूर्वी सीरिया में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड से जुड़े दो ठिकानों पर हवाई हमले किए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हवाई हमले इराक की सीमा से लगे सीरियाई शहर अबू कमाल के पास हुए। अमेरिकी एफ-16 लड़ाकू विमानों ने हथियार और गोला-बारूद के ठिकानों पर हमला किया। हालांकि, अमेरिका का कहना है कि यह हमला उसके सैनिकों पर हुए हमलों के जवाब में हैं, इसका इजरायल और हमास के बीच युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है।

29 अक्टूबर

मेरा होउ चोंगबा उत्सव

● मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने कहा कि राज्य के मूल निवासियों को हमारी भूमि और संस्कृति, परंपरा की रक्षा और संरक्षण करने की आवश्यकता है। इंफाल में राज्य स्तरीय मेरा होउ चोंगबा उत्सव को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह त्योहार पहाड़ियों और घाटी के लोगों के बीच मजबूत बंधन को दर्शाता है। राज्य सरकार ने 2017 में इस त्योहार को राज्य स्तरीय उत्सव का दर्जा दिया था। उन्होंने कहा कि सरकार ने पहाड़ियों और घाटी के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं और राज्य के अंदरूनी हिस्सों के लोगों की आवश्यकताओं को समझने और उन पर कार्रवाई करने के लिए गो टू हिल्स और गो टू विलेज जैसी योजनाएं शुरू की गई।

● जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने श्रीनगर में इंडियन माईनोरिटीज फाऊंडेशन द्वारा आयोजित सद्भावना कार्यक्रम में भाग लिया। उप-राज्यपाल ने इस अवसर पर अल्पसंख्यकों को सशक्त बनाने के लिए फाऊंडेशन की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोगों को सामाजिक समानता पर जोर देना चाहिए और वोट की राजनीति को निरूत्साहित करना चाहिए।

30 अक्टूबर

पराली जलाने की घटनाओं में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कमी

● हरियाणा, पंजाब, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-उत्तरप्रदेश, राजस्थान और दिल्ली में इस

वर्ष पराली जलाने की घटना में 50 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। पर्यावरण मंत्रालय ने कहा है कि पिछले 45 दिन के दौरान पराली जलाने की घटनाएं घटकर 6,300 रह गईं, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में लगभग 14 हजार ऐसी घटनाएं हुई थी। मंत्रालय ने बताया कि पराली जलाने की घटना को रोकने के लिए विभिन्न हितधारकों द्वारा हस्तक्षेप किए जा रहे हैं। इनमें स्थिति की बारम्बार समीक्षा और प्रतिदिन की निगरानी शामिल हैं।

● कोल इंडिया की सहायक कंपनी साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 100 मिलियन टन (एमटी) कोयला डिस्पैच के लक्ष्य को हासिल किया है। पिछले साल, एसईसीएल ने इसी अवधि में लगभग 85 मिलियन टन कोयले का डिस्पैच किया था और इस प्रकार इस वित्तीय वर्ष के दौरान कंपनी ने 17.65 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। कुल कोयले के डिस्पैच में से बिजली क्षेत्र को 80 प्रतिशत से अधिक डिस्पैच किया गया क्योंकि कंपनी ने देश के बिजली संयंत्रों को लगभग 81 मिलियन टन कोयला डिस्पैच किया। कोरबा जिले में स्थित एसईसीएल की मेगा परियोजनाओं गेवरा, दीपका, और कुसमुंडा ने 100 मिलियन टन कोयले के कुल डिस्पैच में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। देश की सबसे बड़ी कोयला खदान गेवरा ने 30.3 मिलियन टन कोयले का योगदान किया है जबकि दीपका और कुसमुंडा ने क्रमश: 19.1 मिलियन टन और 25.1 मिलियन टन कोयले का योगदान किया है।

31 अक्टूबर

हिंद महासागर क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय सहयोगात्मक शमन ढांचे की स्थापना का आह्वान

● रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने हिंद महासागर क्षेत्र में बहुराष्ट्रीय सहयोगात्मक शमन ढांचे की स्थापना का आह्वान किया है। चौथे गोवा मैरीटाइम कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बात कही। रक्षा मंत्री ने कहा कि क्षेत्र की सुरक्षा और समृद्धि को नुकसान पहुंचाने वाले स्वार्थी हितों से बचते हुए साझा समुद्री प्राथमिकताओं पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कानूनों का सम्मान करने के महत्व पर बल देते हुए कहा कि एक स्वतंत्र, खुली और नियम-आधारित समुद्री व्यवस्था सभी के लिए महत्वपूर्ण है। विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी ने भी सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने क्षेत्र में शांति और समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए हिन्द महासागर देशों के बीच सहयोग का आह्वान किया। यह सम्मेलन जलवायु परिवर्तन, समुद्री डकैती, आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी, अत्यधिक मछली पकड़ने और खुले समुद्र में स्वतंत्र वाणिज्यिक गतिविधियां जैसी चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटने में मदद करेगा।

● 54वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म समारोह (इफ्फी) के लिए 'अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता'

और 'सर्वश्रेष्ठ निर्देशक डेब्यू फीचर फिल्म' पुरस्कार का मूल्यांकन करने के लिए दुनिया भर के प्रसिद्ध फिल्म निर्माताओं और छायाकारों को जूरी के रूप में आमंत्रित किया गया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि इस वर्ष समारोह में 105 देशों से रिकॉर्ड दो हजार 926 प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। अंतर्राष्ट्रीय जूरी के सदस्यों में अध्यक्ष फिल्म निर्माता शेखर कपूर, छायाकार जोस लुइस अल्काइन, फिल्म निर्माता जेरोम पैलार्ड, कैथरीन डसार्ट और हेलेन लीक शामिल हैं। अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में महत्वपूर्ण शैलियों की 15 फीचर फिल्मों का चयन किया गया है। भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 20 से 28 नवंबर तक गोवा में होगा।

1 नवंबर

बोलिविया ने इजराइल से राजनयिक संबंध तोड़े

● बोलिविया की सरकार ने गाजा में मानवता के खिलाफ अपराधों का आरोप लगाते हुए

इजराइल के साथ राजनयिक संबंध तोड़ दिए, जबकि चिली और कोलंबिया ने इजराइल से अपने राजदूतों को वापस बुला लिया है। बोलिविया के उप विदेश मंत्री फ्रेडी ममानी ने इस फैसले की जानकारी दी। चिली के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि उन्होंने यह फैसला इजराइल द्वारा गाजा पट्टी में किए गए अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून के उल्लंघन के मद्देनजर लिया है। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने भी इजराइल से अपने राजदूत को वापस बुलाए जाने की घोषणा की है।

● अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) ने घोषणा की कि सौर ऊर्जा फैसिलिटी (जीएसएफ) को 35 मिलियन डॉलर का पूंजीगत योगदान प्राप्त होने वाला है। जीएसएफ एक भुगतान गारंटी कोष है जिसे सौर ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार किया गया है। वैश्विक सौर सुविधा (जीएसएफ) को अफ्रीका के वंचित एवं भौगोलिक क्षेत्रों में सौर निवेश को बढ़ाने के लिए डिजाइन किया गया है। इस प्रक्रिया में वाणिज्यिक पूंजी के लिए भी रास्ते खोले गए हैं। पिछले साल आईएसए असेंबली ने ग्लोबल सोलर फैसिलिटी (वैश्विक सौर सुविधा) को मंजूरी दी थी, जिसके ऑफ-ग्रिड सौर परियोजनाओं, रूफटॉप सौर परियोजनाओं और उत्पादक उपयोग वाली सौर परियोजनाओं में निजी पूंजी के प्रवाह को आकर्षित करने की उम्मीद है। भुगतान गारंटी, बीमा और निवेश फंडों से सशक्त इस वित्तपोषण पहल का उद्देश्य परियोजना के जोखिम को कम करना, नियामकीय अंतर को दूर करने के लिए तकनीकी सहायता, मुद्रा जोखिम को कम करना और सौर ऊर्जा क्षेत्र में अनुबंधात्मक एवं वित्तीय अनिश्चितताओं को दूर करना है। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन सभा के अध्यक्ष श्री आरके सिंह ने कहा कि जीएसएफ का लक्ष्य 100 मिलियन डॉलर जुटाना है और आगे चलते हुए जीएसएफ का वैश्वीकरण करना होगा। उन्होंने कहा, 'वैश्विक सौर सुविधा का लक्ष्य सौर ऊर्जा की तरफ संक्रमण तेज करने के लिए निवेश का लाभ उठाना है।

2 नवंबर

भारत और फिनलैंड के बीच 12वां विदेश कार्यालय संवाद आयोजित

● भारत और फिनलैंड ने नई दिल्ली में 12वां विदेश कार्यालय संवाद आयोजित किया। भारतीय पक्ष का नेतृत्व विदेश मंत्रालय में पश्चिम मामलों के सचिव संजय वर्मा ने किया जबकि फिनलैंड की ओर से विदेश मंत्रालय में स्थायी सचिव जुक्का सलोवारा संवाद में शामिल थे। विदेश कार्यालय संवाद के दौरान राजनीतिक और सांस्कृतिक संबंध, व्यापार और निवेश, शिक्षा, डिजिटल साझेदारी, सतत भागीदारी, और दोनों देशों के लोगों में आपसी संपर्क सहित द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा की गई। आर्कटिक और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार सहित बहुपक्षीय सहयोग पर भी चर्चा हुई। संवाद में भारत और फिनलैंड में विकास, आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों सहित यूक्रेन संघर्ष पर विचारों का आदान-प्रदान हुआ। दोनों पक्ष विदेश कार्यालय संवाद का अगला दौर हेलसिंकी में आयोजित करने पर सहमत हुए। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और फिनलैंड के बीच घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। वर्ष 2024 दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना का 75वां वर्ष होगा और दोनों पक्षों ने इसे शानदार तरीके से मनाने का फैसला किया।

● दिल्ली मेट्रो रेल निगम के प्रबंध निदेशक विकास कुमार ने शिवाजी स्टेडियम मेट्रो

स्टेशन पर मोमेंटम 2.0 ऐप की शुरुआत की। दिल्ली मेट्रो ने बताया कि यह एक ई-कॉमर्स ऐप है। इसके माध्यम से यात्री वर्चुअल खरीददारी कर सकेंगे। यात्री मेट्रो में सफर करने के दौरान घर के लिए जरूरी सामान खरीद सकते हैं। मोमेंटम 2.0 में स्मार्ट बॉक्स नाम से एक डिजिटल लॉकर की सुविधा भी उपलब्ध होगी, जिसके माध्यम से यात्री खरीदे गए सामान सुरक्षित करवा सकेंगे। इस ऐप से मेट्रो का स्मार्ट कार्ड भी रिचार्ज और क्यूआर टिकट भी लिया जा सकेगा। इसके अलावा यात्री बीमा, बिजली बिल, गैस बुकिंग, डीटीएच और फास्ट टैग कार्ड का भुगतान कर सकेंगे।

3 नवंबर

शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच हुआ समझौता

● भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने शिक्षा के क्षेत्र में परस्पर सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसका उदेश्य छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान, संयुक्त अनुसंधान पहल, पाठ्यक्रम की रूप रेखा तैयार करने और शैक्षिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी जैसे सहयोग के विभिन्न रूपों को बढ़ावा देना है। नए करार के तहत भारत और संयुक्त अरब अमीरात की सामान्य और उच्च शिक्षा प्रणालियों के दायरे में नियमों, कानूनी संरचनाओं और सर्वोत्तम प्रथाओं के बारे में ज्ञान साझा करना शामिल है। इसके जरिए दोनों देश अपने उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच अकादमिक साझेदारी की सुविधा प्रदान करेंगे, जिसके परिणामस्वरूप संयुक्त डिग्री और दोहरी डिग्री कार्यक्रम शुरू किए जा सकेंगे। समझौता ज्ञापन के दायरे का विस्तार उच्च शिक्षा क्षेत्र से आगे तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में क्षमता विकास तक भी होगा। इस समझौता ज्ञापन के सफल कार्यान्वयन की निगरानी के लिए, एक संयुक्त कार्य समूह की स्थापना की जाएगी, जिसकी अध्यक्षता बारी-बारी से भारत और संयुक्त अरब अमीरात के शिक्षा मंत्रालयों के प्रतिनिधि करेंगे।

● उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में स्थित तृतीय केदार तुंगनाथ मंदिर के कपाट

वैदिक मंत्रोच्चार और विधि विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गये हैं। इस वर्ष एक लाख पैंतीस हजार से अधिक तीर्थयात्रियों ने तुंगनाथ के दर्शन किये। गौरतलब है कि कपाट बंद होने से पहले बाबा तुंगनाथ के स्वयंभू लिंग को स्थानीय फूलों और भस्म से ढक कर समाधि रूप दिया गया। कपाट बंद होने के बाद तुंगनाथ की देव डोली ने मंदिर परिक्रमा के बाद चोपता के लिए प्रस्थान किया। श्री बदरी-केदारनाथ मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी डॉक्टर हरीश गौड़ ने बताया कि तुंगनाथ की देव डोली भनकुन प्रवास के बाद भूतनाथ मंदिर होते हुए शीतकालीन गद्दीस्थल मार्कंडेय मंदिर मक्कूमठ पहुंचेगी। इसके साथ ही मक्कूमठ में बाबातुंगनाथ की शीतकालीन पूजाएं शुरू हो जायेंगी।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित
फोटो : गूगल से साभार)

वर्ष 40, अंक 45 06.11.2023 से 12.11.2023
रोज़गार और निर्माण
www rojgaraurnirman.in

● प्रबंध संचालक - मनीष सिंह
● सम्पादक - रंजना चितले
● प्रबंधक - वंदना चतुर्वेदी (विज्ञापन एवं प्रसार)
● प्रबंधक - सुभाष चन्द्र जोशी (मुद्रण)
● आकल्पन - अरविन्द टोप्पो
● वेबसाइट - आत्माराम शर्मा

वार्षिक सदस्य बनने के लिये रुपये 500/- (पाँच सौ) का डी.डी., मनीऑर्डर अथवा पोस्टल ऑर्डर रोज़गार और निर्माण, भोपाल के नाम बनवाकर नीचे लिखे पते पर भेजें :-
रोज़गार और निर्माण, मध्यप्रदेश माध्यम, 40 प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल (म.प्र.) पिन-462011
फोन- 2760006, 2551330, 4281330, फैक्स - 4228409, e-mail : madhyam.rojgar@gmail.com
रोज़गार और निर्माण कार्यालय में नगद राशि जमा कर भी इसकी वार्षिक सदस्यता प्राप्त की जा सकती है। रोज़गार और निर्माण में प्रकाशित लेखों में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं। इनसे सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी प्रकार के विवाद के लिये न्यायालयीन अधिकार क्षेत्र भोपाल रहेगा। रोज़गार और निर्माण में निजी संस्थाओं के विज्ञापन भी प्रकाशित किये जाते हैं, इन विज्ञापनों में किए गए दावे और तथ्य निजी संस्थाओं के अपने होते हैं। इसका समाचार पत्र के प्रबंधन से कोई संबंध नहीं है।

सम्पादकीय

लोकतंत्र के उत्सव में चुनाव प्रबंधन की महत्ता

मध्यप्रदेश में आगामी 17 नवंबर को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान होना है। प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर निष्पक्ष और निर्विघ्न मतदान की संपूर्ण जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है। विगत 9 अक्टूबर से प्रदेश में आदर्श आचरण संहिता लागू हुई। प्रदेश में चुनाव आयोग पूरी सक्रियता के साथ कार्य कर रहा है और बेहतर चुनाव प्रबंधन ही आयोग का एकमात्र लक्ष्य है। मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन स्वयं चुनाव प्रबंधन से जुड़ी तमाम तैयारियों को अंतिम रूप देने का कार्य कर रहे हैं। इसके लिये उन्होंने विगत दिनों अलग-अलग जिलों में संभागस्तरीय बैठकें कीं और जिम्मेदार अधिकारियों को चुनावी प्रक्रिया को सरल और निष्पक्ष बनाने की दिशा में निर्देश दिये हैं। प्रदेश में आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन न हो और यदि ऐसा होता है तो जिम्मेदार व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही हो इसके लिये चुनाव आयोग ने सी-विजिल ऐप लांच किया। इस ऐप के माध्यम से नागरिक आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले प्रत्याशी के विरुद्ध फोटो, वीडियो के माध्यम से शिकायत संभव है। चुनाव को प्रभावित करने वाली सामग्री की रोकथाम के लिए जिले और राज्य की सीमाओं में नाकाबंदी कर वाहनों की सख्ती से जांच की जा रही है। मदिरा के अवैध निर्माण और परिवहन पर सख्त कार्यवाही हो रही है। इसके लिये चुनाव आयोग ने फ्लाइंग स्कॉड और एसएसटी टीम को तैनात किया है। कोई भी चुनाव तभी सफल माना जाता है जब वहां पर मतदान का प्रतिशित अधिक से अधिक हो। ऐसे में प्रदेश में मतदान का प्रतिशत बढ़ाने पर अत्यधिक जोर दिया जा रहा है। चुनाव आयोग द्वारा लोगों को उनके मत का महत्व प्रचार-प्रसार के माध्यम से बताया जा रहा है। मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए संभागों में स्वीप गतिविधियां चलाई जा रही हैं। विशेषकर उन क्षेत्रों में अधिक फोकस किया जा रहा है जहां पिछली बार अपेक्षाकृत कम मतदान हुए थे। लोकतंत्र के इस उत्सव को सफल बनाने में चुनाव आयोग के अलावा चुनाव ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की मुख्य भूमिका होती है। यही कारण है कि चुनाव आयोग द्वारा मतदान के लगभग एक माह पूर्व ही अधिकारियों-कर्मचारियों को मतदान से जुड़े महत्वपूर्ण कार्यों का प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जाता है। इसमें ईवीएम मशीन और वीवीपेट का प्रशिक्षण शामिल है। मध्यप्रदेश में 5 करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 मतदाता फोटो निर्वाचक नामावली में नामांकित हैं। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 है जबकि महिला मतदाताओं की संख्या 2 करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 है। थर्ड जेंडर मतदाता एक हजार 373 हैं। प्रदेश में 64 हजार 523 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा। शहरी क्षेत्र में 16 हजार 763 और ग्रामीण क्षेत्र में 47 हजार 760 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। प्रत्येक मतदान केंद्र पर शौचालय, रेंप, व्हीलचेयर, पानी, हेल्पडेस्क, बिजली आदि की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। वरिष्ठ नागरिक एवं (पीडब्ल्यूडी) दिव्यांग मतदाताओं के लिए मतदान केंद्र भूतल पर बनाए गए हैं। इन्हें घर से भी मतदान करने की सुविधा (पोस्टल बैलेट) दी गई है।

मतदाताओं की इतनी बड़ी संख्या के लिए मतदान की व्यवस्था करना और स्वच्छ व निष्पक्ष चुनाव करवाना एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसे निर्वाचन आयोग की सुचारू प्रबंधन व्यवस्था द्वारा निर्बाध रूप से सम्पन्न किया जाता है।

भूटान की पहाड़ियों पर उगता है काले रंग का सेब

हम जब भी एप्पल का नाम लेते हैं तो हमारे जहन में एक ही तस्वीर बनती है कि एप्पल मतलब लाल रंग का फल। यह सुनकर बड़ा अजीब लगता है कि पृथ्वी पर काले रंग का भी सेब होता है। हमने काले रंग के अंगूर तो जरूर देखे हैं। लेकिन काले रंग का सेब एक ऐसी वैरायटी है जिसका स्वाद बिल्कुल अलग होता है। इस काले रंग के एक सेब की कीमत लगभग 500 रुपये है। समय-समय पर इसकी कीमत बदलती रहती है। यह सेब ब्लैक डायमंड एप्पल के नाम से जाना जाता है। ब्लैक डायमंड एप्पल काफी दुर्लभ होता है। इसे दुनिया के हर हिस्से में आसानी से नहीं लगाया जा सकता है। इस फल को उगाने के लिए विशेष मौसम की आवश्यकता होती है। ब्लैक डायमंड एप्पल भूटान की पहाड़ियों पर उगाया जाता है। सेब की इस किस्म को 'हुआ नियू' भी कहा जाता है। इस सेब के स्वाद की बात करें तो इसका स्वाद कुरकुरा और रसदार होता है। ब्लैक डायमंड एप्पल स्वास्थ्य के लिये फायदेमंद होता है। इसमें हाई सॉल्युबल फाइबर होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल कम करने और हार्ट डिजीज की रोकथाम में फायदेमंद होते हैं। इसमें इंसॉल्यूबल फाइबर भी होता है, जो पाचन क्रिया सुधारने में मदद करता है। ब्लैक डायमंड एप्पल में विटामिन सी और ए के साथ-साथ पोटेशियम और आयरन भी होता है। इसके साथ ही इसमें एंटीऑक्सिडेंट होने से शरीर का फ्री रेडिकल्स से बचाव रहता है। चूंकि ब्लैक डायमंड एप्पल को उगाने में बेहद सावधानी रखनी पड़ती है इसके लिए विशेष तरह के कौशल की आवश्यकता होती है। इसके अलावा ब्लैक डायमंड एप्पल की दूसरे सेब की तुलना में कम उपज होती है, इसीलिए यह इतने महंगे होते हैं। काले सेब के इस पेड़ को फलदार बनने में लगभग 8 वर्ष का समय लगता है।

- विकास तिवारी

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं से जुड़े विषयों पर लेखन करते हैं)

रंगोली और गीतों से शुरू हुआ महिलाओं में मतदान जागरूकता अभियान

मध्यप्रदेश के 29 विधानसभा क्षेत्रों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक

मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में पिछली बार की तुलना में इस बार न केवल महिला मतदाताओं के अनुपात में वृद्धि हुई है अपितु 29 विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक है। अब महिलाएं मतदान में भी उत्साहपूर्वक भाग लें इसके लिये पूरे प्रदेश में जागरूकता अभियान आरंभ हो गया है जिसमें गीत और रंगोली अपेक्षाकृत अधिक लोकप्रिय हो रही हैं।

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के लिये मतदान की तिथि 17 नवम्बर है। जैसे-जैसे यह तिथि समीप आ रही है वैसे-वैसे मतदान के लिये मतदाताओं की उत्सुकता बढ़ रही है। इस बार मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में महिलाओं की भूमिका अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण रहने वाली है। इसका कारण यह है कि एक तो महिला मतदाताओं में मतदान के प्रति निरंतर रुचि बढ़ रही है और दूसरी इस वर्ष हो रहे निर्वाचन के लिये तैयार मतदाता सूची में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के अनुपात में सुधार हुआ है। महिला मतदाताओं का वृद्धि अनुपात पुरुषों की तुलना में अधिक रहा।

मध्यप्रदेश में 17 नवम्बर को होने वाले मतदान के लिये मतदाताओं की कुल संख्या पांच करोड़ 60 लाख 60 हजार 925 हैं। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या दो करोड़ 88 लाख 25 हजार 607 है और महिला मतदाताओं की संख्या दो करोड़ 72 लाख 33 हजार 945 है। जबकि वर्ष 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में कुल मतदाता करीब पांच करोड़, चार लाख थे इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या दो करोड़ 63 लाख से अधिक तथा महिला मतदाता दो करोड़ 41 लाख से अधिक थीं। इन दोनों आंकड़ों में पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या महिला मतदाताओं की कुल संख्या से अधिक है। लेकिन हम पिछले चुनाव की तुलना में इस बार होने वाले चुनाव के लिये तैयार मतदाता सूची में पुरुष और महिला मतदाताओं में हुई वृद्धि के तुलनात्मक आंकड़े देखें तो महिला मतदाताओं की वृद्धि पुरुषों की तुलना में अधिक हुई हैं। पुरुष मतदाताओं में यह वृद्धि लगभग 25 लाख की हुई है तो महिला मतदाताओं की कुल संख्या में यह वृद्धि करीब 31 लाख की है। इस प्रकार पिछले चुनाव की तुलना में महिला मतदाताओं में वृद्धि का अनुपात पुरुषों की तुलना में अधिक है।

महिला मतदाताओं के इस उत्साहजनक अनुपात वृद्धि के दो कारण माने गए। एक तो राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए गये जागरूकता अभियान से महिलाओं में जागरूकता आई और दूसरा मध्यप्रदेश में लड़कों और लड़कियों के जन्म का अनुपात भी सुधरा है। वर्ष 2015 में जन्मदर का यह अनुपात एक हजार लड़कों की तुलना में 927 लड़कियों का था जो वर्ष 2020-21 में थोड़ा सुधरा। अब यह एक हजार लड़कों की तुलना में 956 लड़कियों का हो गया। इसलिए यह माना जा रहा है कि महिला मतदाताओं के अनुपात में हुई यह वृद्धि जागरूकता अभियान के साथ जन्मदर के लिंगानुपात में हुए कुछ सुधार के कारण भी आई है। फिर भी जिस प्रकार महिलाओं

की निर्वाचन कार्य में जो सक्रियता बढ़ रही है उसके लिये चलाये गये जागरूकता अभियान को ही कारण माना जा रहा है। चूँकि यह जागरूकता अभियान की सार्थकता ही है कि मध्यप्रदेश में पिछले तीन विधानसभा चुनावों से महिलाओं के मतदान के प्रतिशत में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वर्ष 2008 के मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव में महिला मतदाताओं के मतदान का प्रतिशत 65 था जो वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में बढ़कर 70 प्रतिशत हुआ और वर्ष 2018 में 74 प्रतिशत महिलाओं ने मतदान किया। अतीत के इन तीन निर्वाचनों के आंकड़ों का आकलन इस संभावना को प्रबल कर रहा है कि इस बार भी मतदान के प्रति महिला मतदाताओं में उत्साह रहेगा।

महिला मतदाता पुरुषों से अधिक

मध्यप्रदेश में निर्वाचन के प्रति महिलाओं में चलाये गये जागरूकता की सफलता पिछले चुनावों में महिला मतदाताओं के मतदान प्रतिशत में लगातार वृद्धि से तो प्रमाणित है ही लेकिन इस बार मतदाता सूचियों के स्वरूप में भी इस जागरूकता अभियान की झलक देखी जा सकती है।

इस वर्ष हो रहे विधानसभा निर्वाचन के लिये तैयार मतदाता सूचियों के अनुसार कई जिले तो ऐसे हैं जहाँ महिला मतदाताओं की कुल संख्या पुरुष मतदाताओं से अधिक है। जबकि अन्य जिले ऐसे हैं जहां भले महिला मतदाताओं की कुल संख्या पुरुषों की तुलना में कम हो पर इन जिलों में महिला मतदाताओं की संख्या में वृद्धि दर पुरुष मतदाताओं से अधिक रही। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में प्रति हजार पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या कम थी जो अब बढ़कर 945 हो गई है। जिलों में मतदाता अनुपात में सुधार तो हुआ है पर यह वृद्धि जनसंख्या के लिंगानुपात में हुए सुधार की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। यह तो सराहनीय है ही कि निरंतर चले जागरूकता अभियान से आंकड़ों में सुधार हुआ है पर इसमें और सुधार की गुंजाइश है। इसलिये इस वर्ष मतदाता सूची को अंतिम रूप देने के पहले मध्यप्रदेश चुनाव आयोग ने महिलाओं में जाग्रति का विशेष अभियान चलाया था जिसमें महिला और बाल विकास विभाग तथा विभिन्न सामाजिक संस्थाओं का भी सहयोग रहा। इसी के चलते महिला मतदाताओं के अनुपात में सुधार हुआ। जिलों में आई इस जाग्रति के साथ कुछ जिलों में महिला मतदाताओं की कुल संख्या पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या से अधिक हुई इनमें छह जिले जनजातीय बाहुल्य हैं और इन जिलों की अधिकांश जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। इनमें झाबुआ, अलीराजपुर और बड़वानी तीन जिले तो ऐसे हैं जिनमें साक्षरता का प्रतिशत भी कम है। जो यह संकेत भी देता है कि महिलाओं की जाग्रति के लिये आर्थिक स्थिति या शिक्षा प्रतिशत में वृद्धि मायने नहीं रखती। कम शिक्षित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग भी सजग रह सकता है और महिला अधिकार सुरक्षित रह सकते हैं। आदिवासी बाहुल्य समाज और शिक्षा की दृष्टि से पिछड़े इन जिलों में महिला मतदाताओं की संख्या की वृद्धि पूरे शिक्षित और नगरीय समाज को आत्म चिंतन के लिये भी विवश करता है।

जिन जिलों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुषों से अधिक है उनमें अठारह विधानसभा क्षेत्र ऐसे हैं जहाँ महिला मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह सदैव रहा है पिछले तीन चुनावों में मतदान प्रतिशत में लगातार वृद्धि रही और अब तो इनमें महिला मतदाताओं की कुल संख्या भी पुरुष मतदाताओं से अधिक हो गई। ये विधानसभा क्षेत्र डिंडोरी, मंडला, बैहर, परसवाड़ा, बालाघाट, वारासिवनी, बरघाट, पानसेमल, अलीराजपुर, जोबट, झाबुआ, सरदारपुर धांदला, पेटलावद, कुक्षी और सैलाना आदि हैं। जबकि पुष्पराजगढ़, अलीराजपुर, बदनावर, रतलाम सिटी, जावरा, सेंधवा आदि अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी महिला मतदाता अधिक हैं। पर इन क्षेत्रों की महिला मतदाताओं में मतदान के प्रति उत्साह अपेक्षाकृत कम रहता है।

मतदान के लिये महिलाओं में जागरूकता अभियान

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची को अंतिम रूप देने के लिये जो जागरूकता अभियान चलाया गया था और इसमें महिला बाल विकास विभाग और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने जो सक्रियता दिखाई थी यह उसी का परिणाम है कि महिला मतदाताओं की संख्या में आशाजनक सुधार हुआ। अब राज्य निर्वाचन आयोग ने महिलाओं में मतदान के प्रति भी जागरूकता अभियान चलाया हुआ है। इसके लिये प्रदेश भर में रंगोली और गीत अभियान चल रहे हैं। समाज सेवी महिलाओं की टोलियां भी गांवों में जागरूक कर रही हैं। कहीं कहीं तो रैली भी निकाली जा रही है। कहीं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हाथों पर मेहंदी रचाकर भी मतदान करने का संदेश दे रही हैं। इसके साथ नगरीय क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की बस्तियों में जाकर भी ये टोलियां महिलाओं को एकत्र कर मतदान के प्रति जागरूक कर रही हैं।

यह जागरूकता अभियान की सफलता है कि महिलाओं में यह भाव जाग्रत होने लगा कि उनका जितना दायित्व घर-संसार का संचालन करने में है उनकी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका राज्य की शासन व्यवस्था संचालन करने में भी है। महिलाओं के भीतर यह बोध भी जाग्रत हो रहा है कि मतदान करना उनका अधिकार भी है और दायित्व भी इसलिये महिलाओं में मतदान की तिथि की प्रतीक्षा उत्सुकता से की जा रही है।

रमेश शर्मा

(लेखक : वरिष्ठ पत्रकार और स्तम्भकार हैं।)

राजनीतिक दलों का महत्व

राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय दल बनने के लिए नियम

भारत विविधता से परिपूर्ण देश है। इसका प्रमुख पहलू देश की राजनीति में भी दिखता है। भारतीय राजनीति में विभिन्न राजनीतिक दल हैं, जो विभिन्न विचारधाराओं, योजनाओं और विचारों को प्रस्तुत करते हैं। राजनीतिक दलों की यही भिन्नता भारतीय राजनीति को गहराई से परिभाषित करती है। इन दलों में पहली विभिन्नता विचारधाराओं, दूसरी आर्थिक तथा सामाजिक मुद्दों और तीसरी अपने संगठन एवं देश में स्थिति के बीच दिखती है। भले ही राजनीतिक दलों के विचार कितने ही अलग हों, लेकिन सभी का साझा उद्देश्य देश और राज्य का विकास करना है। सरकार में रहते हुए सभी दल अपने-अपने तरीके से देश के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास को गति देने का काम करते हैं। अगले वर्ष देश में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं और नवंबर माह में 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों के लिए वोटिंग की जाएगी। ऐसे में हमें राजनीतिक दलों के महत्व, विशेषता और उनके प्रकार के बारे में जान लेना चाहिए।

राजनीतिक दलों का महत्व

भारतीय राजनीति की सफल और सुदृढ़ संरचना के लिए विभिन्न राजनीतिक दलों का होना बहुत जरूरी है। भारत एक विशाल और विविधतापूर्ण देश है, जिसमें विभिन्न धर्म, भाषा, और सांस्कृतिक परंपराएं मिलती हैं। इस विविधता को समर्थन देने वाले और विकास के माध्यम के रूप में कार्य करने वाले राजनीतिक दल हमारे देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। राजनीतिक दलों का महत्व उनके रोल और कार्यों के माध्यम से स्पष्ट होता है। ये दल चुनावों में भाग लेते हैं और सरकार बनाने के लिए प्रतिस्पर्धी होते हैं। यदि हम राजनीतिक दलों के महत्व को समझना चाहते हैं, तो हमें उनके कार्यों की ओर ध्यान देना होगा।

सरकार का गठन

राजनीतिक दल नई सरकार का गठन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। चुनावों के परिणामों के आधार पर, एक या एक से अधिक दल मिलकर सरकार का गठन करते हैं और देश के निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार का प्रबंध करते हैं। इनके बिना स्थायी सरकार नहीं बन सकती।

साक्षरता और जागरूकता

राजनीतिक दल जनता को साक्षरता और जागरूकता की दिशा में भी मदद करते हैं। वे सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर बातचीत करते हैं और जनता को जागरूक करते हैं। इसके परिणामस्वरूप जनता अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक होती है और सही फैसलों के लिए दबाव डाल सकती हैं।

समाज में परिवर्तन

राजनीतिक दल विभिन्न सामाजिक और आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के माध्यम से समाज में परिवर्तन लाते हैं। वे विभिन्न मुद्दों पर बातचीत करते हैं और समाज को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाते हैं।

राजनीतिक दल विकास के माध्यम के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्हें सरकार के माध्यम से विकास कार्यों की योजना बनाने और क्रियान्वित करने का जिम्मा होता है। इसके परिणामस्वरूप वे समृद्धि और सुधार की दिशा में कदम उठाते हैं और देश के विकास को समर्थन देते हैं।

लोकतंत्र का स्थायित्व

राजनीतिक दलों का मौजूद होना लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए महत्वपूर्ण है। वे चुनावों में जनता के विचारों का प्रतिनिधित्व करते हैं और सरकार की क्रियाओं की निगरानी करते हैं। इसके माध्यम से वे सुनिश्चित करते हैं कि सरकार जनता की आवश्यकताओं और आकांक्षाओं का समर्थन करती है।

राजनीतिक दलों के प्रकार

आमतौर पर भारत में दो प्रकार के राजनीतिक दल होते हैं पहला, राष्ट्रीय और दूसरा क्षेत्रीय। हालांकि, यदि कोई व्यक्ति चाहे तो चुनावों में अपनी स्वतंत्र उम्मीदवारी भी घोषित कर सकता है और बिना किसी दल से जुड़े हुए चुनाव लड़ सकता है।

राष्ट्रीय दल

वह दल जिसकी राष्ट्रव्यापी उपस्थिति होती है, जो केवल एक विशेष राज्य या क्षेत्र तक ही सीमित नहीं होता, राष्ट्रीय दल कहलाता है। एक निश्चित कद राष्ट्रीय दल के साथ जुड़ा होता है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि उसका बहुत अधिक राष्ट्रीय राजनीतिक प्रभाव हो।

किसी पार्टी को कब घोषित किया जाता है राष्ट्रीय दल

भारत निर्वाचन आयोग की राजनीतिक दल और चुनाव चिह्न 2019 पुस्तिका के अनुसार, एक राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल माना जाएगा यदि यह चार या अधिक राज्यों में राज्य स्तरीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त हो या लोकसभा या राज्यों के विधानसभा चुनावों में 4 अलग-अलग राज्यों से कुल वैध मतों के 6 प्रतिशत मत प्राप्त करे तथा इसके अतिरिक्त 4 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करे या यदि उसने कम से कम 3 राज्यों से लोकसभा में कुल सीटों की कम से कम 2 प्रतिशत सीटें जीती हों।

राज्य स्तरीय दल

ऐसे दल जिनका प्रभाव देशव्यापी न होते हुए सिर्फ किसी या किन्हीं राज्यों तक ही सीमित होता है।

किसी पार्टी को कब घोषित किया जाता है राज्य स्तरीय दल

किसी दल को किसी राज्य में राज्य स्तरीय दल के रूप में मान्यता दी जाती है यदि वह संबंधित राज्य विधानसभा के आम चुनाव में राज्य में डाले गए वैध मतों का 6 प्रतिशत मत प्राप्त करता है और साथ ही वह उसी राज्य विधानसभा में 2 सीटें जीतता है। यदि वह दल लोकसभा के आम चुनाव में राज्य में कुल वैध मतों का 6 प्रतिशत प्राप्त करता है और साथ ही वह उसी राज्य से लोकसभा में 1 सीट जीतता है। यदि वह संबंधित राज्य की विधानसभा के आम चुनाव में विधानसभा में 3 प्रतिशत सीटें जीतता है या विधानसभा में 3 सीटें, जो भी अधिक हो, जीतता है। यदि वह संबंधित राज्य से लोकसभा के आम चुनाव में राज्य को आवंटित प्रत्येक 25 सीटों या उसके किसी खंड के लिये लोकसभा में 1 सीट जीतता है। यदि वह राज्य या राज्य विधानसभा के लिये लोकसभा के आम चुनाव में राज्य में डाले गए कुल वैध मतों का 8% मत प्राप्त करता है, तो ऐसी किसी भी स्थिति में उसे राज्य स्तरीय दल घोषित किया जाता है।

राजनीतिक दलों को मिलने वाली सुविधाएं

चुनाव आयोग द्वारा दलों को प्रदान की गई मान्यता उनके लिए कुछ विशेषाधिकारों के अधिकार का निर्धारण करती है, जैसे चुनाव चिह्न का आवंटन, राज्य नियंत्रण, टेलीविजन और रेडियो स्टेशनों पर राजनीतिक प्रसारण हेतु समय का उपबंध एवं निर्वाचन सूचियों को प्राप्त करने की सुविधा। इन दलों को चुनाव के समय 40 स्टार प्रचारक रखने की अनुमति होती है, जबकि पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को 20 स्टार प्रचारक रखने की अनुमति है। वहीं प्रत्येक राष्ट्रीय दल को एक चुनाव चिह्न प्रदान किया जाता है, जो पूरे देश में विशेषतः उसी के लिए आरक्षित होता है। यहां तक कि उन राज्यों में भी जहां वह चुनाव नहीं लड़ रहा है। जबकि राज्य स्तरीय दल के लिये आवंटित चुनाव चिह्न विशेष रूप से उस राज्य या राज्यों में इसके उपयोग के लिये आरक्षित होता है, जिसमें उसे मान्यता प्राप्त है।

लोकतंत्र के लिए जरूरी हैं राजनीतिक दल

राजनीतिक दल सशक्त लोकतंत्र के लिए अत्यधिक जरूरी हैं। भारत विस्तृत और विविध देश है। इसमें विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विचारों के साथ अनेक जातियां और समुदाय हैं। इस विविधता को समझते हुए, राजनीतिक दल विभिन्न समुदायों और वर्गों के प्रतिनिधि के रूप में काम करते हैं। ये दल लोगों के मुद्दों और आवश्यकताओं को सरकार के सामने रखने का काम करते हैं और उनके हित के लिए कानून और नीतियों की रचना में भाग लेते हैं। राजनीतिक दलों के माध्यम से नागरिकों की आवाज को सरकार द्वारा सुना जाता है। राजनीतिक दल अपनी चुनावी घोषणाओं में नागरिकों की मांगों को और स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करते हैं और उनके प्रति नीतियों के संशोधन की मांग करते हैं। सरकार को इन मांगों को सुनना और उनकी आवश्यकताओं को पूरा करना होता है। वहीं राजनीतिक दलों के माध्यम से ही सरकार का गठन होता है। भारतीय संविधान के अनुसार, सरकार चुनावी प्रक्रिया के माध्यम से बनती है, और जिस दल को बहुमत मिलता है वही सरकार का गठन करता है।

- निशा त्यागी

(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं और समसामयिक मुद्दों पर लेखन करती हैं)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये सामान्य ज्ञान - खेल

1. भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियन गेम्स में कितनी बार स्वर्ण पदक जीते हैं?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार (द) चार बार

2. आईसीसी ने वर्ष 2022 के लिए किस खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर अवॉर्ड दिया है?
(अ) बेन स्टोक्स
(ब) बाबर आजम
(स) डेरिल मिशेल
(द) रोहित शर्मा

3. वर्ष 2028 में किस शहर में ओलिंपिक खेलों का आयोजन किया जाएगा?
(अ) ब्रिस्बेन (ब) पेरिस
(स) लंदन (द) लॉस एंजेलिस

4. आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ चुने जाने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर हैं?
(अ) शुभमन गिल
(ब) विराट कोहली
(स) ऋषभ पंत
(द) रविचंद्रन अश्विन

5. टोक्यो ओलिंपिक में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ के चैम्पियन बने थे?
(अ) नोआह लायल्स
(ब) आंद्रे डि ग्रासी
(स) स्टीवन गार्डिनर
(द) इनमें से कोई नहीं

6. सिमोन बाइल्स किस खेल में अमेरिका की स्टार खिलाड़ी हैं?
(अ) एथेलेटिक्स
(ब) निशानेबाजी
(स) जिम्नास्टिक
(द) मार्शल आर्ट

7. इनमें से किस टीम के नाम सबसे ज्यादा बार रणजी ट्रॉफी जीतने का रिकॉर्ड है?
(अ) वड़ोदरा (ब) मुंबई
(स) दिल्ली (द) बंगाल

8. इनमें से किस क्लब ने सबसे ज्यादा बार यूएफा चैम्पियंस लीग का खिताब जीता है?
(अ) रियल मैड्रिड (ब) चेल्सी
(स) इंटर मिलान (द) लिवरपूल

9. मोटोजीपी रेसर मार्को बेजेकी किस देश के लिए रेसिंग करते हैं?
(अ) जर्मनी (ब) इटली
(स) स्पेन (द) मैक्सिको

10. इनमें से किस खिलाड़ी ने आईसीसी वन-डे विश्वकप-2023 में सबसे तेज शतक बनाया है?
(अ) क्विंटन डिकॉक
(ब) एडेन मार्करम
(स) डेवॉन कॉन्वे
(द) ग्लेन मैक्सवेल

11. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने चाइना ओपन में पुरुष एकल खिताब जीता है?
(अ) जेनिक सिनर (ब) एंडी मरे
(स) एलेक्स डि मिनॉर
(द) कैस्पर रूड

12. 5ए्स फॉर्मेट किस खेल का एक नवीनतम प्रारूप है?
(अ) क्रिकेट (ब) हॉकी
(स) बैडमिंटन (द) स्क्वॉश

13. इस वर्ष किस रेसर ने सिंगापुर ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस जीती है?
(अ) मैक्स वर्स्टापेन
(ब) लुईस हैमिल्टन
(स) कार्लोस सेंज
(द) सर्जियो पेरेज

14. ईस्टबर्न इंटरनेशनल टूर्नामेंट किस खेल से संबंधित एक प्रतियोगिता है?
(अ) रग्बी (ब) टेनिस
(स) शतरंज (द) गोल्फ

15. तेजिंदरपाल सिंह तूर ने एशियन गेम्स-2023 में कौन-सा पदक जीता है?
(अ) स्वर्ण पदक
(ब) रजत पदक
(स) कांस्य पदक
(द) इनमें से कोई नहीं

16. वर्ल्ड एथेलेटिक्स चैम्पियनशिप-2023 में महिलाओं की 100 मीटर दौड़ की विजेता बनी है?
(अ) शेरिका जैक्सन
(ब) शैली फ्रेजर प्राइस
(स) सिफान हसन
(द) शाकेरी रिचर्डसन

17. ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास किस खेल के दिग्गज खिलाड़ी हैं?
(अ) टेनिस (ब) एथेलेटिक्स
(स) मुक्केबाजी (द) बास्केटबॉल

18. इस वर्ष डूरंड कप का खिताब किस टीम ने जीता है?
(अ) ईस्ट बंगाल
(ब) मोहन बागान
(स) नॉर्थ ईस्ट यूनाइटेड
(द) मुंबई सिटी एफसी

19. इनमें से किस खिलाड़ी ने विश्व बैडमिंटन चैम्पियनशिप-2023 में कांस्य पदक जीता है?
(अ) लक्ष्य सेन
(ब) किदांबी श्रीकांत
(स) एच.एस. प्रणय
(द) समीर वर्मा

20. भारतीय क्रिकेटर शुभमन गिल आईपीएल में किस टीम के लिए खेलते हैं?
(अ) गुजरात टाइटंस
(ब) मुंबई इंडियंस
(स) दिल्ली कैपिटल्स
(द) पंजाब किंग्स

21. इस वर्ष किस खिलाड़ी ने फिडे शतरंज विश्वकप जीता है?
(अ) आर. प्रागनानंदा
(ब) फैबियानो कैरूआना
(स) अर्जुन एरिगेसी
(द) मैग्नस कार्लसन

22. वर्ष 2022 में किस टीम ने फीफा क्लब वर्ल्डकप जीता है?
(अ) रियल मेड्रिड
(ब) लिवरपूल
(स) बायर्न म्युनिख
(द) फ्लेमिंगो

23. एलेक्सिया पुटेलस किस देश की दिग्गज महिला फुटबॉलर हैं?
(अ) फ्रांस (ब) स्पेन
(स) जर्मनी (द) इटली

24. वर्ष 2024 में किस देश में आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्डकप का आयोजन होगा?
(अ) भारत (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) श्रीलंका (द) वेस्टइंडीज

25. अंतर्राष्ट्रीय ओलिंपिक समिति के वर्तमान अध्यक्ष हैं?
(अ) जैक्स रोगे
(ब) पियरे डि कुबर्तिन
(स) जॉन कोट्स
(द) थॉमस बाक

उत्तर

1. (द), 2. (अ), 3. (द), 4. (स), 5. (ब), 6. (स), 7. (ब), 8. (अ), 9. (ब), 10. (द), 11. (अ), 12. (ब), 13. (स), 14. (ब), 15. (अ), 16. (द), 17. (अ), 18. (ब), 19. (स), 20. (अ), 21. (द), 22. (अ), 23. (ब), 24. (स), 25. (द)

- पुष्पेंद्र कुमार सविता

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

एम.पी. पी.एस.सी. परीक्षा में पूछे जाने वाले महत्वपूर्ण प्रश्न

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

परिचय

- 10 दिसम्बर 1948 को संयुक्त राष्ट्र ने मानवाधिकारों के सार्वभौम घोषणा पत्र को अपनाया। भारत में 28 सितम्बर, 1993 को मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम पारित किया गया।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना 12 अक्टूबर, 1993 में मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम,1993 के तहत की गई।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक सांविधिक या गैर संवैधानिक निकाय है।

संरचना

- यह एक बहुसदस्यीय निकाय है।
- इसमें एक अध्यक्ष एवं 4 सदस्य तथा सात पदेन सदस्य होते हैं।
- **अध्यक्ष** - सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश
- **एक सदस्य** - उच्चतम न्यायालय का सेवानिवृत्त या कार्यरत मुख्य न्यायाधीश।
- **दो सदस्य** - मानवाधिकारों से संबंधित जानकारी अथवा कार्यानुभव वाले।

आयोग के पदेन सदस्य-

1. राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष
2. राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष
3. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष
4. राष्ट्रीय महिला आयोग अध्यक्ष
5. राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष
6. राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष
7. राष्ट्रीय दिव्यांगजन आयोग के अध्यक्ष

- मुख्यालय-दिल्ली- (लेकिन केन्द्र सरकार की पूर्व अनुमति से भारत के किसी भी क्षेत्र में मुख्यालय को स्थापित किया जा सकता है।

नियुक्ति

- आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 6 सदस्यीय समिति की सिफारिश पर

समिति में निम्न सदस्य होते हैं -

1. अध्यक्ष- प्रधानमंत्री
2. लोकसभा अध्यक्ष
3. लोकसभा विपक्ष का नेता
4. राज्यसभा के उपसभापति
5. राज्यसभा के विपक्ष के नेता
6. केन्द्रीय गृहमंत्री

- इसके अतिरिक्त भारत के मुख्य न्यायाधीश की सलाह पर उच्चतम न्यायालय के किसी न्यायाधीश, उच्च न्यायालय के किसी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति हो सकती है।

कार्यकाल

- आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष या 70 वर्ष उम्र (जो भी पहले हो) हो सकता है।
- पुन: नियुक्ति के लिए पात्र होते हैं।
- अपने कार्यकाल के पश्चात् आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य केन्द्र सरकार अथवा राज्य सरकारों में किसी भी पद के योग्य नहीं होते हैं।
- कार्यकाल के दौरान कोई अलाभकारी परिवर्तन नहीं होगा।

अध्यक्ष और सदस्यों को हटाना

- राष्ट्रपति अध्यक्ष व सदस्यों को उनके पद से किसी भी समय निम्नलिखित परिस्थितियों में हटा सकता है।
  1. यदि वह दिवालिया हो जाये, या
  2. यदि वह अपने कार्यकाल के दौरान अपने कार्यक्षेत्र से बाहर से किसी प्रदत्त रोजगार में संलिप्त होता है,
  3. यदि वह मानसिक व शारीरिक कारणों से कार्य करने में असमर्थ हो,
  4. यदि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ हो तथा सक्षम न्यायालय ऐसी घोषणा करे,
  5. यदि वह न्यायालय द्वारा किसी अपराध का दोषी व सजायाफता हो
- उसके अतिरिक्त राष्ट्रपति, अध्यक्ष तथा किसी भी सदस्य को उसके दुराचरण या अक्षमता के कारण भी पद से हटा सकता है।
- हालांकि इस स्थिति में राष्ट्रपति इस विषय को उच्चतम न्यायालय में जांच के लिए सौपेगा।
- यदि जांच के उपरांत उच्चतम न्यायालय इन आरोपों को सही पाता है तो उसकी सलाह पर राष्ट्रपति इन सदस्यों व अध्यक्ष को उसके पद से हटा सकता है।

आयोग की शक्तियां

- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, लोक प्रक्रिया संहिता, 1908 के अन्तर्गत सिविल न्यायालय की समस्त शक्तियां धारण करता है।
- वह पुलिस से समस्त कार्यवाहियों के रिकॉर्ड को भी मांग सकता है और किसी भी व्यक्ति को समन जारी कर सकता है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग स्वयं एक सिविल न्यायालय की भूमिका में कार्य करता है जिसके द्वारा मानवाधिकारों की रक्षा करता है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग द्वारा कारागार निरीक्षण, बालश्रम उन्मूलन हेतु कारखानों का निरीक्षण करना जिनमें मानवाधिकारों के हनन की संभावना होती है, का कार्य भी किया जाता है।
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग उच्चतम न्यायालय में मानवाधिकारों से संबंधित विचाराधीन मामलों में भी सहायता प्रदान करता है।
- आयोग का कार्यालय दिल्ली में स्थित है तथा वह भारत में अन्य स्थानों पर भी अपने कार्यालय खोल सकता है।

प्र.1 भारतीय दण्ड संहिता की धारा 175, धारा 178, धारा 179, धारा 288, में वर्णित अपराध के संदर्भ में मानव अधिकार आयोग को समझा जाता है।
(अ) आपराधिक न्यायालय
(ब) सिविल न्यायालय
(स) रेवेन्यू न्यायालय
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (ब)

प्र.2 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे?
(अ) न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्र
(ब) न्यायमूर्ति फातिमा बीबी
(स) न्यायमूर्ति एस.एस. काग
(द) न्यायमूर्ति वेंकटचलैया

उत्तर- (अ)

प्र.3 मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 की किन धाराओं में मानवाधिकार आयोग (राष्ट्रीय) की कार्य शक्ति उल्लिखित है?
(अ) धाराएं 12, 17
(ब) धाराएं 12, 13
(स) धाराएं 11, 12
(द) धाराएं 11, 12

उत्तर- (ब)

प्र.4 मानव अधिकार किसी भी सुसंस्कृत समाज की उन्नति के लिए होते हैं?
(अ) प्रेरक तत्व
(ब) प्रेरणा आधार
(स) मूल आधार
(द) केन्द्र बिन्दु

उत्तर- (स)

प्र.5 मानवाधिकार आयोग की वह कौन सी धारा है जिसके अन्तर्गत राज्य आयोग के अध्यक्ष अथवा किसी सदस्य को पद से मुक्त किया जा सकता है?
(अ) धारा 25 (ब) धारा 23
(स) धारा 30 (द) धारा 12

उत्तर- (ब)

प्र.6 मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1939 के तहत राज्य मानव अधिकार आयोग के लिए निम्न में से कौन अध्यक्ष नियुक्त करता है?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) राज्यपाल
(स) राज्य का मुख्यमंत्री
(द) उपरोक्त तीनों

उत्तर- (ब)

प्र.7 किस धारा के तहत मानवाधिकार आयोग के सदस्य लोक सेवक माने गए हैं-
(अ) धारा 58 के तहत
(ब) धारा 68 के तहत
(स) धारा 39 के तहत
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (स)

प्र.8 ''स्वतंत्रता महिला एवं पुरुष के हृदय में निवास करती है'' यह कथन है -
(अ) महात्मा गांधी का
(ब) चार्ल्स डेविड का
(स) लर्न्ड हैंड जज
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (स)

प्र.9 क्या आपके विचारों के अनुसार सामाजिक निर्योग्यताएं लागू करना मानवाधिकार का अतिलंघन है?
(अ) हां
(ब) नहीं
(स) इनमें से कुछ भी नहीं
(द) स्पष्ट नहीं

उत्तर - (अ)

प्र.10 क्या लोक हितवाद के माध्यम से मानवाधिकारों का संरक्षण संभव है?
(अ) संभव है
(ब) संभव नहीं है
(स) इनमें से कोई नहीं
(द) अस्पष्ट

उत्तर - (अ)

प्र.11 निम्न में से कौन सा कथन उचित नहीं है?
(अ) मानवाधिकार शोषण के विरुद्ध प्रदत्त अधिकार हैं
(ब) संगठन बनाना मानवाधिकार है
(स) अस्पृश्यता का अन्त करना मानवाधिकार के अन्तर्गत निहित हैं
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (ब)

प्र.12 भारतीय संविधान के अन्तर्गत मानवाधिकारों को निम्न में से किस रूप में सम्मिलित किया गया है?
(अ) महत्वपूर्ण अधिकार
(ब) मूलभूत अधिकार
(स) शासन प्रदत्त अधिकार
(द) संवैधानिक अधिकार

उत्तर- (ब)

प्र.13 विश्व मानवाधिकार दिवस मनाया जाता है?
(अ) 10 अगस्त को
(ब) 10 दिसम्बर को
(स) 19 अक्टुबर को
(द) 24 नवम्बर को

उत्तर- (ब)

प्र.14 अमेरिका में मूल अधिकारों को जाना जाता है?
(अ) बिल ऑफ जस्टिस के नाम से
(ब) बिल ऑफ टार्ट के नाम से
(स) राईट ऑफ पर्सन के नाम से
(द) बिल ऑफ राइट्स के नाम से

उत्तर- (द)

प्र.15 राष्ट्रपति द्वारा 1993 में मानवाधिकार संरक्षण अध्यादेश संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत जारी किया गया था?
(अ) अनुच्छेद 123
(ब) अनुच्छेद 124
(स) अनुच्छेद 125
(द) अनुच्छेद 127

उत्तर- (अ)

प्र.16 हमारे देश में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग निम्न में से किस वर्ष स्थापित किया गया था?
(अ) 6 नवम्बर 1993 में
(ब) 4 अगस्त 1995 में
(स) 12 अक्टूबर 1993 में
(द) इनमें से कोई नहीं

उत्तर- (स)

प्र.17 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का मुख्यालय किस शहर में अवस्थित है?
(अ) नई दिल्ली (ब) देहरादुन
(स) गुरूग्राम (द) हैदराबाद

उत्तर- (अ)

प्र.18 भारत के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?
(1) इसका अध्यक्ष अनिवार्य रूप से भारत का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायमूर्ति होना चाहिए।
(2) इसकी प्रत्येक राज्य में मानवाधिकार आयोग के नाम से संस्थापनाएं हैं।
(3) इसकी शक्तियां केवल सिफारिशी प्रकृति की हैं।
(4) आयोग के एक सदस्य के रूप में एक महिला को नियुक्त करना आज्ञापरक है।
निम्न कथनों में कौन-कौन से सही हैं।
(अ) 1, 2, 3 और 4
(ब) 2 तथा 4
(स) 2 तथा 3
(द) 1, 3 तथा 4

उत्तर- (द)

प्र.19 निम्न में से कौन-सी एक संवैधानिक संस्था नहीं है?
(अ) मानवाधिकार आयोग
(ब) राज्य वित्त आयोग
(स) लोकसभा का सचिवालय
(द) केन्द्र का वित्त आयोग

उत्तर- (अ)

प्र.20 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति समिति में निम्न में से कौन सदस्य नहीं होता है ?
(अ) लोकसभा का अध्यक्ष
(ब) राज्यसभा का सभापति
(स) लोकसभा में विपक्ष का नेता
(द) राज्य सभा में विपक्ष का नेता

उत्तर- (ब)

प्र.21 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का पदेन सदस्य नहीं है?
(अ) राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष
(ब) भारतीय विधि आयोग का अध्यक्ष
(स) राष्ट्रीय अनुसूचित एवं जनजाति आयोग का अध्यक्ष
(द) राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष

उत्तर- (ब)

प्र.22 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल होता है?
(अ) 3 वर्ष (ब) 4 वर्ष
(स) 5 वर्ष (द) 6 वर्ष

उत्तर- (अ)

प्र.23 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्यों की पदावधि पदग्रहण की तारीख से होती है।
(अ) 5 वर्ष तक या 65 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक
(ब) 3 वर्ष तक या 70 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक
(स) 6 वर्ष तक या 65 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक
(द) 6 वर्ष तक या 70 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक

उत्तर- (ब)

प्र.24 निम्न पर विचार कीजिए और नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए-
कथन-(अ) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष वह व्यक्ति होता है, जो भारत का मुख्य न्यायाधीश रह चुका हो।
कारण-(ब) उक्त आयोग के अध्यक्ष का कार्यकाल 5 वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु पर्यंत जो भी पहले हो धारित करता है।
कूट- (अ) (अ) सही है किन्तु (ब) गलत हैं।
(ब) (अ) गलत है किन्तु (ब) सही हैं।
(स) (अ) तथा (ब) दोनों सहीं हैं।
(द) (अ) तथा (ब) दोनों गलत है।

उत्तर- (अ)

(शेष अगले पृष्ठ पर)

ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिकल व्हीकल सेक्टर में कॅरियर के बढ़ रहे हैं अवसर

'रोज़गार और निर्माण' के पाठकों के लिये 'कॅरियर की राहें' नाम से उपयोगी स्तंभ लगातार प्रकाशित किया जा रहा है। अच्छे कॅरियर के लिये जरूरी है कि युवा कॅरियर की विभिन्न विधाओं से परिचित हों और अपनी रुचि, योग्यता और क्षमताओं के अनुरूप अपने लिये उपयुक्त कॅरियर का निर्धारण करें। पिछले 40 वर्षों से नई पीढ़ी के लिये कॅरियर संबंधी विषयों पर नियमित लेखन कर रहे, डॉ. जयंतीलाल भंडारी युवाओं को कॅरियर के विभिन्न अवसरों से परिचित कराते हुए आगे बढ़ने का मार्गदर्शन दे रहे हैं।

देश में तेजी से बढ़ते ऑटोमोबाइल और इलेक्ट्रिकल व्हीकल (ईव्ही) सेक्टर में अच्छे कॅरियर के अवसर तेजी से निर्मित होते हुए दिखाई दे रहे हैं। अक्टूबर 2023 में प्रकाशित आर्थर डी. लिटिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के ऑटोमोटिव उद्योग में डिजाइन, विकास और उत्पादन के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने की क्षमता है, जो वैश्विक बाजारों को आकर्षित करेगा। ऑटोमोटिव सॉफ्टवेयर और ई आर एंड डी (इंजीनियरिंग अनुसंधान और विकास) में भारत की ताकत जोनल आर्किटेक्चर और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (एडीएएस) जैसे उभरते रुझानों के अनुरूप समाधान पेश करते हुए तेजी से बढ़ सकती है। इसके अलावा देश में एक समृद्ध, अच्छी तरह से वित्त पोषित स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के साथ ऑटोमोटिव इनोवेशन लीडर बनने की भी क्षमता है।

ऑटो इंडस्ट्री में बढ़ेंगे अवसर

निश्चित रूप से भारत ऑटो इंडस्ट्री से सम्बद्ध डिजाइन, डेवलपमेंट, उत्पादन के मामले में ग्लोबल हब बन सकता है आर्थर डी लिटिल की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के ऑटोमोबाइल उद्योग में 2035 तक एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का बाजार बनने की क्षमता है। रिपोर्ट के अनुसार, ऑटोमोबाइल उद्योग विनिर्माण, नवाचार द्वारा सक्षम आकार तक बढ़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया के सॉफ्टवेयर हब और ऐसी गतिविधियों के लिए शीर्ष अपतटीय गंतव्य के रूप में अपनी स्थिति का लाभ उठा सकता है क्योंकि ऑटोमोटिव आर एंड डी और सॉफ्टवेयर का बाजार 2030 तक तीन गुना बढ़कर 400 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। ऐसे में इस सेक्टर में रोज़गार के लाखों मौके होंगे।

ईवी सेक्टर में 2030 तक होंगी एक करोड़ नौकरियां

उल्लेखनीय है कि आगामी वर्षों में देश के ईवी सेक्टर में सबसे ज्यादा

नौकरियां मिलेंगी। इस इंडस्ट्री में मैकेनिकल, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरों के साथ-साथ डेटा साइंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोफेशनल्स के लिए भी अच्छे अवसर होंगे। रैंडस्टैंड इंडिया और लिंक्डइन की अलग-अलग रिपोर्ट्स में ये अनुमान लगाए गए हैं कि 2030 तक भारतीय ईवी मार्केट 45-50 प्रतिशत की शानदार ग्रोथ देखेगा। तब इसके चलते इस सेक्टर में 80 लाख से लेकर 1 करोड़ तक सीधी नौकरियां पैदा होंगी। हीरो इलेक्ट्रिक के मुताबिक वर्तमान दौर में मेन्युफैक्चरिंग के लिए ईवी इंडस्ट्री को 50 लाख से ज्यादा लोगों की जरूरत है। कर्मचारियों की ये जरूरत सिर्फ ईवी कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि पुर्जा बनाने वाली कंपनियों और सर्विस प्रोवाइडर्स भी इसमें शामिल हैं। भारत में बीते 5 वर्ष में ऐसे कर्मियों की संख्या सालाना 40 लाख बढ़ी है। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी की अक्टूबर 2023 की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2030 तक दुनिया में इलेक्ट्रिक कारों की संख्या लगभग 10 गुना बढ़ जाएगी।

कॅरियर के तेजी से बढ़ते बहुआयामी अवसर

बढ़ते हुए ऑटोमोबाइल और ईवी सेक्टर के साथ-साथ मेक इन इंडिया व मेक फॉर द वर्ल्ड के कारण ऑटोमोबाइल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स, डेटा साइंस, एआई और टेलीकॉम इंजीनियरिंग की अहमियत बढ़ गई है। यह भी महत्वपूर्ण है कि इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग एक ऐसी फील्ड है, जो प्रतिवर्ष लाखों युवाओं को जॉब देती है। फील्ड इलेक्ट्रिसिटी, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रोमैगनेटिज्म के एप्लीकेशन, इलेक्ट्रॉनिक इक्विपमेंट्स के डिजाइन, डेवलपिंग और टेस्टिंग, कंट्रोल सिस्टम, सिग्नल प्रोसेसिंग, रेडियो फ्रीक्वेंसी डिजाइन, माइक्रोप्रोसेसर, पावर जेनरेशन आदि जैसे कोर इंजीनियरिंग विषयों में भी कॅरियर के मौके बढ़ रहे हैं।

गौरतलब है कि ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग की एक महत्वपूर्ण ब्रांच है। इसमें वाहनों और उनके तरह-तरह के इंजन जैसे ऑटोमोटिव के डिजाइन और उसका निर्माण किया जाता है। ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग के लिए प्रमुख कोर्स में ऑटोमोबाइल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा/सर्टिफिकेट डिप्लोमा, मोटिव पावर टेकिनिशियन में डिप्लोमा-ऑटोमोटिव, मेकाट्रोनिक्स और एडवांस्ड मेन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी में डिप्लोमा, ग्रेजुएट सर्टिफिकेट इन इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन प्रमुख हैं।

कॅरियर के लिए शैक्षणिक जरूरतें

मेन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर के तहत कॅरियर के लिए 12वीं में पीसीएम स्ट्रीम लाभप्रद होती है। इंजीनियरिंग, और टेक्नोलॉजी की इन विभिन्न ब्रांचों में से रुचि, क्षमता व योग्यता के अनुरूप किसी उपयुक्त ब्रांच को लेकर अच्छा कॅरियर बनाया जा सकता है। खासतौर से डेटा साइंस, रोबोटिक्स और इंजीनियरिंग के विभिन्न सेक्टरों में भी डिग्री के बाद कॅरियर की संभावनाओं के द्वार पर पहुंच सकते हैं।

रोज़गार के अवसर

मेन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर के तहत विभिन्न सरकारी और निजी क्षेत्र के उद्योगों में रोज़गार और स्वरोज़गार के मौके तेजी से बढ़ते जा रहे हैं। खासतौर से मोबाइल विनिर्माण और विशेषीकृत इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे, फार्मा ड्रग्स एवं एपीआई तथा चिकित्सा उपकरण, टेक्सटाइल इंडस्ट्री, फूड प्रोसेस इंडस्ट्री, सीमेंट इंडस्ट्री, आईटी इंडस्ट्री एडवांस केमिकल सेल बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक एंड टेक्नोलॉजी प्रोडक्ट्स, ऑटोमोबाइल और ऑटो कॉम्पोनेंट्स, फार्मास्यूटिकल ड्रग्स, टेलीकॉम एंड नेटवर्किंग प्रोडक्ट, टेक्सटाइल उत्पादन, फूड प्रोडक्ट्स, सोलर पीवी माड्यूल, व्हाइट गुड्स, स्पेशलिटी स्टील के क्षेत्रों में कॅरियर के मौके विभिन्न विशेषज्ञता के साथ दिखाई दे रहे हैं। इनके अलावा इन सेक्टरों की विभिन्न परियोजनाओं पर विभिन्न कामों में अकाउंटिंग, कॉमर्स, मार्केटिंग व प्रबंध से संबंधी पदों के लिए भी कॅरियर के अच्छे मौके हैं।

कॅरियर की जरूरी स्किल्स

मेन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर में कॅरियर बनाने के लिए स्टूडेंट में इंजीनियरिंग अभिरुचि सबसे पहली जरूरत है। किसी वस्तु का आविष्कार करने, उसका डिजाइन बनाने या मशीन टेस्ट करके अलग-अलग प्रयोग करके कुछ नया बनाने की रुचि लाभप्रद होती है। इंजीनियरिंग सेक्टरों में इंजीनियरिंग से संबंधित सेक्टरों में अच्छे कॅरियर के लिए अपने काम में एकाग्रचित्तता, सतत परिश्रम और अंग्रेजी में दक्षता भी लाभप्रद है।

प्रमुख कोर्स एवं संस्थान

मेन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस सेक्टर से संबंधित विभिन्न इंजीनियरिंग के डिग्री कोर्स देश के आईआईटी, एनआईटी तथा देश के विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों में उपलब्ध हैं। इन विभिन्न इंजीनियरिंग ब्रांचों के डिप्लोमा कोर्स देश के विभिन्न पोलिटेक्निक कॉलेजों और आईटीआई में उपलब्ध हैं। जिस इंजीनियरिंग सेक्टर में कॅरियर बनाने का लक्ष्य रखा जाए, उसके अनुरूप उपयुक्त डिग्री और उपयुक्त शैक्षणिक संस्थान का चयन करके कॅरियर की राह पर आगे बढ़ा जा सकता है।

- डॉ. जयंतीलाल भंडारी

(लेखक, कॅरियर मार्गदर्शन के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में प्रतिष्ठित हैं।)

(पिछले पृष्ठ का शेष)

प्र.25 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग अधिनियम के अनुसार निम्नलिखित में से कौन एक इस आयोग का अध्यक्ष बन सकता है?
(अ) उच्चतम न्यायालय का कोई सेवारत न्यायाधीश
(ब) उच्च न्यायालय का कोई सेवानिवृत्त न्यायाधीश
(स) केवल भारत का कोई सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश एवं न्यायाधीश
(द) केवल उच्च न्यायालय का कोई सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश

उत्तर- (स)

प्र.26 मानव अधिकार के उल्लंघन पर यदि उल्लंघन सशस्त्र बलों के सदस्यों द्वारा किया गया है तो राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की अनुशंसाओं पर केन्द्र को कार्यवाई की सूचना भेजनी होगी-
(अ) दो माह के भीतर
(ब) तीन माह के भीतर
(स) 60 दिनों के भीतर
(द) एक माह के भीतर

उत्तर- (ब)

प्र.27 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग मानव अधिकार के उल्लंघन में परिवादों की जांच करते समय भारत सरकार या राज्य सरकार या किसी संगठन से प्रतिवेदन बुलवाता है और निर्धारित समय के भीतर यदि प्राप्त नहीं होता है तो-
(अ) कार्रवाई को स्थगित कर देगा तथा सूचना राष्ट्रपति को भेज देगा
(ब) कार्रवाई को प्रारम्भ कर परिवाद की जांच करेगा
(स) कार्रवाई स्थगित कर देगा
(द) कार्रवाई को उच्चतम न्यायालय को सुपूर्द करेगा

उत्तर- (ब)

प्र.28 आयोग मानव अधिकार के उल्लंघन की शिकायतों की जांच करते समय सरकार या उसके प्राधिकारी या संगठन से सूचना कितने समय के भीतर मंगाएगा?
(अ) 20 दिवस के भीतर
(ब) 60 दिवस के भीतर
(स) एक समय के भीतर जो उसके द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए
(द) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (स)

प्र.29 राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग उल्लंघन की जांच किस धारा के तहत कर सकेगा-
(अ) धारा 16 के तहत
(ब) धारा 18 के तहत
(स) धारा 19 के तहत
(द) धारा 17 के तहत

उत्तर- (द)

प्र.30 राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की अवमानना के संबंध में समझा जाएगा कि-
(अ) राजस्व न्यायालय
(ब) एक सिविल न्यायालय
(स) एक उच्च न्यायालय
(द) एक दाण्डिक प्रकृति का न्यायालय

उत्तर- (ब)

प्र.31 राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का महासचिव कौन होगा -
(अ) भारत सरकार के सचिव पद रैंक का अधिकारी।
(ब) भारत सरकार का कैबिनेट मंत्री
(स) राज्य सरकार का सचिव पद का अधिकारी
(द) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर- (अ)

प्र.32 मानव अधिकार आयोग की शक्तियां एवं कृत्य को उपबंधित किया गया है?
(अ) धारा 15 से 16
(ब) धारा 12 और 13
(स) अध्याय 5 धारा 12 से 18
(द) अध्याय 1 धारा 5 से 8

उत्तर- (ब)

प्र.33 राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग किसी न्यायालय के समक्ष लंबित मानव अधिकार के उल्लंघन के अभिकथन वाली कार्यवाही में हस्तक्षेप कर सकेगा।
(अ) उस न्यायालय की अनुमति के बिना
(ब) राष्ट्रपति की अनुमति से
(स) उच्च न्यायालय की अनुमति से
(द) उच्चतम न्यायालय की अनुमति से

उत्तर- (स)

प्र.34 राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के कौन-कौन से कृत्य हैं?
(अ) मानव अधिकार का उल्लंघन या उनके उपशमन की जांच करना।
(ब) राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन किसी जेल, सुधारगृह में निरुद्ध व्यक्ति की जीवन दशाओं का अध्ययन करना तथा निरीक्षण करना।
(स) मानव अधिकारों के क्षेत्र में अनुसंधान तथा उसे प्रौन्नत करना।
(द) उपरोक्त सभी।

उत्तर- (द)

प्र.35 राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के नियमों को बनाने की शक्ति का प्रावधान किया गया है?
(अ) धारा 40-सी
(ब) धारा 41-ए
(स) धारा 40-डी
(द) धारा 40-ए

उत्तर- (द)

प्र.36 सद्भाव का संरक्षण मानव अधिकार आयोग के सदस्यों को दिया जाएगा -
(अ) धारा 38 के तहत
(ब) धारा 40 के तहत
(स) धारा 41 के तहत
(द) धारा 43 के तहत

उत्तर- (अ)

प्र.37 वर्ल्ड ऑफ ऑल ह्यूमन राइट्स पुस्तक के लेखक हैं?
(अ) चेतन भगत
(ब) विष्णु सहाय
(स) सोली जे. सोराबाजी
(द) अरुण जेटली

उत्तर- (स)

प्र.38 मानव अधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 का उद्देश्य था?
(अ) मानव अधिकार का बेहतर संरक्षण
(ब) मानव अधिकार सुरक्षा आयोग का गठन
(स) राज्य में मानव अधिकारा सुरक्षा आयोग का गठन
(द) उपर्युक्त सभी

उत्तर- (द)

- इमरतलाल खरते

(लेखक, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी वाले विषयों पर लेखन करते हैं।)

मध्यप्रदेश राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा

कैसे करें प्रथम प्रश्न पत्र की तैयारी

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा परीक्षा, मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षा है। इसमें प्रतिवर्ष लाखों अभ्यर्थी सम्मिलित होते हैं। इसलिये प्रतिस्पर्धा भी निश्चित रूप से अधिक होती है। अत: परीक्षा में चयन के लिये कड़ी मेहनत के साथ-साथ व्यवस्थित कार्य योजना बनाकर तैयारी करना भी आवश्यक है। वैसे तो अध्ययन का कोई सर्वमान्य पैटर्न नहीं है। प्रत्येक अभ्यर्थी का पढ़ाई करने का अपना अलग तरीका हो सकता है, जो उसकी मानसिक, बौद्धिक, पारिवारिक, आर्थिक और सामाजिक स्थिति पर भी निर्भर करता है। राज्य सेवा परीक्षा निश्चित ही एक उत्कृष्ट परीक्षा है। यदि अभ्यर्थी परीक्षा की तैयारी करते समय कुछ बातों का ध्यान रखें तो यह उनके लिये लाभकारी हो सकता है। जैसा कि सब जानते हैं, राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा में दो प्रश्न पत्र होते हैं। पहला सामान्य अध्ययन और दूसरा सामान्य अभिरुचि परीक्षण। दूसरा प्रश्न पत्र केवल क्वालीफाइंग होता है। इसलिये प्रथम प्रश्न पत्र के आधार पर ही चयन सूची बनती है। इसलिये प्रथम प्रश्न पत्र ही ज्यादा महत्वपूर्ण है और उसी पर अधिक फोकस करना चाहिए।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के प्रथम प्रश्न पत्र की तैयारी करते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना आवश्यक है :-

1. पाठ्यक्रम को समझें

प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी करने के लिए सबसे पहले आपको परीक्षा का पाठ्यक्रम (सिलेबस) समझना होगा। सिलेबस में सम्मिलित सभी टॉपिक्स की जानकारी आपको अच्छे से होनी चाहिए। टॉपिक्स के अनुसार अच्छी अध्ययन सामग्री आपके पास होना चाहिए, जिससे सारे टॉपिक्स कवर हो सकें। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के पाठ्यक्रम में कई विषयों या टॉपिक्स को सम्मिलित किया गया है। इसमें मध्यप्रदेश से संबंधित सामान्य अध्ययन, भारत से संबंधित सामान्य अध्ययन और अन्य विषय सम्मिलित हैं। अच्छी तैयारी के लिए आपके पास विषय वार अच्छी अध्ययन सामग्री होनी चाहिए।

2. विगत वर्षों के पेपर पैटर्न को समझें

प्रारंभिक परीक्षा की अच्छी तैयारी के लिए आवश्यक है कि विगत वर्षों में परीक्षा में पूछे गये प्रश्नों का अध्ययन किया जाए। इसमें यह समझ में आ जायेगा कि प्रारंभिक परीक्षा के प्रश्नों का पैटर्न, स्तर और उनकी प्रकृति कैसी है। इसमें आपको तैयारी करने में आसानी होगी और परीक्षा की तैयारी का दृष्टिकोण निश्चित हो सकेगा।

3. संपूर्ण पाठ्यक्रम का अध्ययन करें

सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता है। पी.एस.सी. की परीक्षा प्रदेश की सबसे बड़ी परीक्षा है। इसलिए इसके लिए व्यापक अध्ययन किया जाना आवश्यक है। यदि हम सोचें कि खास-खास (आईएमपी) टॉपिक्स पढ़कर परीक्षा पास कर सकते हैं, तो यह संभव नहीं है। विगत वर्षों के प्रश्न पत्रों का अध्ययन करने के बाद कुछ अभ्यर्थी निश्चित रूप से यह सोचते होंगे कि अमुक टॉपिक से अधिक प्रश्न पूछे जाते हैं और अमुक टॉपिक से प्रश्न कम पूछे जाते हैं या पूछे नहीं जाते। इसलिये कुछ विशेष टॉपिक्स का ही अध्ययन किया जाये तथा जिन टॉपिक्स से प्रश्न पूछे नहीं गये हैं। उन्हें छोड़ दिया जाये। किन्तु यह बड़ी भूल है। जो कुछ भी सिलेबस में है वह समान रूप से महत्वपूर्ण है। आयोग कभी भी किसी भी टॉपिक को प्राथमिकता देकर प्रश्न पूछ सकता है। इसलिए जो सिलेबस है उसका विस्तृत अध्ययन करें और कुछ भी न छोड़ें।

4. वस्तुनिष्ठ (Objective) प्रश्नों के स्थान पर विस्तृत अध्ययन को प्राथमिकता दें

वस्तुनिष्ठ प्रश्न सामान्यत: यह समझने के लिए होते हैं, कि परीक्षा में प्रश्नों का पैटर्न, और स्तर कैसा होता है। किन्तु कुछ अभ्यर्थी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों पर ही फोकस करते हैं। लेकिन यह अध्ययन का सही तरीका नहीं है, क्योंकि संपूर्ण पाठ्यक्रम को वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में समाहित नहीं किया जा सकता है। दूसरी बात यह है कि जब हम (Objective) हल करते हैं, तो हम प्रश्न विशेष को तो समझ लेते हैं किन्तु उस प्रश्न के आगे व पीछे विषयगत जानकारी हमें नहीं हो पाती है।

अर्थात् Objective हल करने से विषयगत निरन्तरता नहीं आ पाती है। इसका सबसे बड़ा नुकसान यह होता है, हमारे कॉन्सेप्ट क्लियर नहीं होते हैं और अगर परीक्षा में प्रश्न को थोड़ा भी चेंज कर दिया तो हम कन्फ्यूज हो जाते हैं। इसलिये अभियर्थियों को संपूर्ण सिलेबस का विस्तृत अध्ययन करना चाहिए। इसका सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि पूरा पढ़ने के बाद प्रश्न कहीं से भी आ जाये उसे हल किया जा सकता है। साथ ही संपूर्ण सिलेबस का अध्ययन कर लेने के बाद कनफ्यूजन समाप्त हो जाता है और आत्मविश्वास भी बना रहता है।

5. दो बार रिवीजन करें

संपूर्ण पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद ये न मानें कि वह आपको याद हो गया है। अच्छी तैयारी के लिये आवश्यक है कि कम से कम दो बार सिलेबस का रिवीजन करें। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है कि पहली बार जब पढ़ें तो खास-खास (Important) विषयवस्तु को अंडरलाइन कर लें। इसके बाद पुन: रिवीजन करने पर समय बहुत कम लगेगा और याद भी जल्दी होगा।

6. ईमानदारी से पढ़ें और पर्याप्त समय दें

जीवन के हर क्षेत्र में ईमानदारी जरूरी है। पढ़ाई में ईमानदारी बहुत जरूरी है। ईमानदारी से आशय है कि आप जितना भी और जितने समय भी पढ़ें पूरे मनोयोग से पढ़ें। ऐसा न हो कि किताब तो पढ़ रहे हैं किन्तु आधा दिमाग कहीं और है। ऐसे में आप जो भी पढ़ेंगे वह याद नहीं होगा और आपकी पढ़ाई अनुपयोगी रहेगी। इसलिए पढ़ाई करते समय आपका पूरा फोकस सिर्फ किताब पर होना चाहिए। जीवन में एकाग्रता बहुत जरूरी है। एकाग्रता के साथ किया गया अध्ययन लंबे समय तक याद रहता है।

इसके अलावा परीक्षा की तैयारी के लिए पर्याप्त समय देना आवश्यक है। प्रारंभिक परीक्षा के लिए अब लगभग दो माह ही शेष हैं। ऐसे में आपको लगभग 12 घण्टे स्वाध्याय करना आवश्यक है।

7. समयानुसार पढ़ाई का शेड्यूल बनाएं

अच्छी तैयारी के लिए समय के अनुसार शेड्यूल बनाकर पढ़ना लाभकारी होगा। परीक्षा होने में कितना समय है, सिलेबस कितना है और आप प्रतिदिन कितना पढ़ते हैं, इसके हिसाब से एक शेड्यूल तैयार करें। रूपरेखा इस प्रकार होनी चाहिए कि सिलेबस के सभी टॉपिक कवर हो जायें तथा रिवीजन के लिये भी पर्याप्त समय मिल जाये।

8. मध्यप्रदेश के अध्ययन पर विशेष फोकस करें

चूंकि पी.एस.सी. मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षा है, इसलिए मध्यप्रदेश से संबंधित अधिक से अधिक प्रश्नों को प्रश्न पत्र में शामिल किये जाने को आयोग प्राथमिकता देता है। इसके साथ ही राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र, भूगोल और इतिहास जैसे विषयों के प्रश्नों में भी मध्यप्रदेश का संदर्भ लिया जाता है।

इसलिए अभ्यर्थियों को चाहिए कि वे मध्यप्रदेश से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे मध्यप्रदेश का इतिहास, प्रदेश की अर्थव्यवस्था, प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, कृषि, जलवायु, पर्यटन आदि से संबंधित विषयों का गहराई से अध्ययन करें।

9. संवैधानिक/सांविधिक संस्थाओं से संबंधित चेक लिस्ट बनाएं

प्रारंभिक परीक्षा के पाठ्यक्रम में अंतिम इकाई राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक संवैधानिक/सांविधिक संस्थाओं से संबंधित है। इसकी तैयारी करते समय अभ्यर्थियों को चाहिये कि वे इन संस्थाओं से संबंधित एक चेक लिस्ट तैयार कर लें। जैसे किस संस्था में कितने सदस्य होते हैं। उनकी नियुक्ति कैसे होती है। कार्यकाल कितना होता है। पद से कैसे हटाया जाता है।

संस्था संवैधानिक है या सांविधिक है तथा संस्था के मुख्य कार्य क्या है? इस तरह की शॉर्ट लिस्ट बनाने से स्थिति स्पष्ट हो जायेगी। इस इकाई में सबसे बड़ा कन्फ्यूजन यह होता है कि विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों, कार्यकाल, नियुक्ति प्रक्रिया आदि एक दूसरे के साथ मिल जाते हैं और प्रश्न हल करते समय अभ्यर्थी कन्फ्यूज हो जाते हैं। चेक लिस्ट बना लेने से स्थिति स्पष्ट रहेगी और परीक्षा में कन्फ्यूजन नहीं होगा।

10. समसामयिकी का अध्ययन परीक्षा के एक सप्ताह पूर्व करें

समसामयिकी विषय प्रारंभिक परीक्षा का महत्वपूर्ण भाग होते हैं। अभ्यर्थियों को देश, विदेश तथा प्रदेश की परीक्षा से लगभग 2-3 माह पूर्व तक की समसामयिक घटनाओं का व्यापक अध्ययन करना चाहिए। समसामयिक घटनाओं के बारे में परीक्षा से लगभग एक सप्ताह पूर्व पढ़ना उचित रहता है। क्योंकि समय अंतराल कम होने के कारण परीक्षा तक अच्छे से याद रहते हैं।

11. सकारात्मक रहें

सफलता के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण बहुत आवश्यक है। निश्चित रूप से पी.एस.सी. की परीक्षा एक बड़ी प्रतियोगी परीक्षा है। अभ्यर्थियों के मन में ऐसे विचार आना स्वभाविक हैं कि- बहुत प्रतिस्पर्धा है, सिलेक्शन नहीं हुआ तो, मेरी तैयारी अच्छी नहीं है, मैं जो याद करता हूं सब भूल जाता हूं। मन में ऐसी अनेक भ्रामक स्थितियाँ उत्पन्न होती हैं, किन्तु इनसे डरना और घबराना नहीं है।

अपनी सोच को सकारात्मक रखें और अपने भीतर नकारात्मक विचार न आने दें क्योंकि नकारात्मक विचार आपके मस्तिष्क की चिंतन शक्ति को कम कर देते हैं। हमेशा सोचें कि मैं परीक्षा में सम्मिलित हो रहा हूं तो मेरा सिलेक्शन अवश्य होगा। याद रखें जो लोग सिलेक्ट होते हैं वो भी आपकी तरह ही होते हैं आप में भी उनकी तरह की बौद्धिक क्षमता विद्यमान है। अपने आप पर विश्वास रखें और पूरे मनोयोग से सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ पढ़ाई करें, और इधर उधर की उन बातों पर ध्यान न दें जो आपको डिस्टर्ब कर सकती है।

आप इस सृष्टि के सर्वश्रेष्ठ प्राणी हैं। सर्वाधिक बुद्धिमान और विवेकशील। चाणक्य कहते हैं- 'जन्म लेना हमारे हाथ में नहीं है, लेकिन जन्म के उपरांत जीवन को सर्वश्रेष्ठ बनाना नि:संदेह हमारे हाथ में है' याद रहे आप साधारण व्यक्ति नहीं हैं, आत्म स्वरूप शक्ति पुंज हैं। असीम शक्तियों के स्वामी हैं। महान तेजस्वी और पूर्ण प्रतिभा संपन्न हैं। आप अपने पुरुषार्थ के बल से सृष्टि का सर्वोत्कृष्ट कार्य कर अपने जीवन को सर्वश्रेष्ठ बना सकते हैं।

इसलिए अपने अंदर विद्यमान शक्तियों को जाग्रत करें। पूर्ण आत्मविश्वास, सकारात्मकता और प्रतिबद्धता के साथ समर्पित भाव से अपने लिये नियत पुरुषार्थ करें। अगर आप ऐसा करते हैं तो कोई भी आपको सफल होने से नहीं रोक सकता।

- डॉ. जीवन एस. रजक
(लेखक : 'संयुक्त कलेक्टर' दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान एवं लोक प्रशासन, पुस्तक के लेखक हैं)

मध्यप्रदेश के 10 जिलों में 1550 से अधिक मतदाता संख्या वाले मतदान केंद्रों पर बनाए गए 103 सहायक मतदान केंद्र

भोपाल, मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया कि प्रदेश के 10 जिलों में 1550 से अधिक मतदाता संख्या वाले मतदान केंद्रों पर 103 सहायक मतदान केंद्र बनाए गए हैं। इसमें भोपाल, छतरपुर, देवास, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, कटनी, मुरैना, नरसिंहपुर और उज्जैन जिला शामिल है। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये 1550 से अधिक मतदाताओं वाले 103 मतदान केंद्रों के लिए सहायक मतदान केंद्र बनाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।

इन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बनाए गए हैं सहायक मतदान केंद्र

- भोपाल जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 151-नरेला के 2, 152-भोपाल दक्षिण-पश्चिम के 2, 153-भोपाल मध्य के 2, 154-गोविंदपुरा के 4, 155-हुजूर के 5 मतदान केंद्र।
- छतरपुर जिले के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 51-छतरपुर के 1 सहायक मतदान केंद्र।
- देवास जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-171- देवास के 1 सहायक मतदान केंद्र।
- ग्वालियर जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-14-ग्वालियर ग्रामीण के 1, 15-ग्वालियर के 1, 19-डबरा (अनुसूचित जाति) के 1।
- इंदौर जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 203-देपालपुर के 1, 204-इंदौर-1 के 2, 205-इंदौर-2 के 5, 207-इंदौर-4 के 1, 208-इंदौर-5 के 23, 209-डॉ. अम्बेडकर नगर - महू के 9, 210 राऊ के 27 और 211-सांवेर (अनुसूचित जाति) के 7 मतदान केंद्र।
- जबलपुर जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 97-जबलपुर पूर्व के 1, 99-जबलपुर केन्ट के 1 मतदान केंद्र।
- कटनी जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 93-मुड़वारा के 1 मतदान केंद्र।
- मुरैना जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 04-जौरा के 1 मतदान केंद्र।
- नरसिंहपुर जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक- 121-गाडरवारा के 1 के मतदान केंद्र।
- उज्जैन जिले के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक-212-नागदा खाचरौद के 1, 216-उज्जैन उत्तर एवं 217-उज्जैन दक्षिण के 1-1 मतदान केंद्र को सहायक मतदान केंद्र बनाया गया है।

(स्रोत : समाचार जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान

पद का नाम- जूनियर सिस्टम इंजीनियर, लेखा अधिकारी, सीनियर प्रोडक्शन असिस्टेंट, वैयक्तिक सहायक, मल्टी टास्किंग स्टाफ
पदों की संख्या - 29
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 17 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.nitttrchd.ac.in

सीएसआईआर - केंद्रीय चर्म अनुसंधान संस्थान

पद का नाम- वैज्ञानिक ग्रुप IV (2)
पदों की संख्या - 15
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 13 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.clri.org

पीडीपीएम भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी, अभिकल्पन और विनिर्माण संस्थान, जबलपुर

पद का नाम - सहायक प्रोफेसर ग्रेड-1 और सहायक प्रोफेसर ग्रेड-2 (कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग, यांत्रिक इंजीनियरिंग, स्मार्ट मेन्युफैक्चरिंग, लिबरल आर्ट्स, अभिकल्पन और प्राकृतिक विज्ञान)
पदों की संख्या - उल्लेखित नहीं
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 17 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.iiitdmj.ac.in

एनटीपीसी लिमिटेड कंबाइंड साइकल पॉवर प्लांट - ओएंडएम

पद का नाम - एग्जीक्यूटिव
पदों की संख्या - 50
योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से इलेक्ट्रिकल या मैकेनिकल या इलेक्ट्रॉनिक्स या इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग की डिग्री और सम्बन्धित कार्य का कम से कम 2 वर्ष का अनुभव।
अंतिम तिथि - 10 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.ntpc.co.in

हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड

पद का नाम - सीनियर टेस्ट पायलट, मुख्य प्रबंधक (सिविल), वरिष्ठ प्रबंधक (सिविल), उप प्रबंधक (सिविल), उप प्रबंधक (वित्त), वित्त अधिकारी, उप प्रबंधक (एचआर), उप प्रबंधक (कानूनी), उप प्रबंधक (विपणन), सुरक्षा अधिकारी, फायर ऑफिसर और अन्य
पदों की संख्या - 84
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 30 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.hal-india.co.in/

टेरिटोरियल आर्मी

पद का नाम - ऑफिसर
पदों की संख्या - 19
योग्यता - किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से किसी भी स्ट्रीम में ग्रेजुएशन डिग्री। आयु 18 से 42 वर्ष होनी चाहिए।
अंतिम तिथि - 21 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.jointerritorial-army.gov.in

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

पद का नाम - ट्रेनी सुपरवाइजर (सिविल, मैकेनिकल और एचआर)
पदों की संख्या - 75
योग्यता - पदानुसार
अंतिम तिथि - 25 नवंबर 2023
वेबसाइट - https://careers.bhel.in/bhel/jsp/

एडमिशन अलर्ट

स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चंडीगढ़

पाठ्यक्रम का नाम - पीएच. डी.
योग्यता - योग्यतानुसार
अंतिम तिथि - 17 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.pgimer.edu.in

भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई

पाठ्यक्रम का नाम - एमबीए, एमबीए - ओएससीएम, एमबीए - एसएम
योग्यता - योग्यतानुसार
अंतिम तिथि- वर्ष 2024 के लिए प्रवेश खुला है
वेबसाइट - www.iimmumbai.ac.in/admissions-2024

इलाहाबाद विश्वविद्यालय

पाठ्यक्रम का नाम - पीएच.डी. और सर्टिफिकेशन प्रोग्राम्स
योग्यता - इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने पीएच.डी. प्रोग्राम में प्रवेश के लिये कंबाइंड रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट 2023 देना होगा। पोस्ट ग्रेजुएशन परीक्षा में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक आवश्यक।
अंतिम तिथि - 15 नवंबर 2023
वेबसाइट - https://alluniv.ac.in/

तेजपुर यूनिवर्सिटी

पाठ्यक्रम का नाम - पीएच.डी. के स्प्रिंग सेमेस्टर के लिये प्रवेश प्रक्रिया शुरू
योग्यता - पोस्ट ग्रेजुएशन 55 प्रतिशत अंकों के साथ पास
अंतिम तिथि - 20 नवंबर 2023
वेबसाइट - www.tezu.emet.in

स्कॉलरशिप

एआईसीटीई स्कॉलरशिप फॉर गर्ल्स

किसके लिये - कमजोर वर्ग की मेधावी छात्राओं को वित्तीय मदद पहुंचाने हेतु।
योग्यता - मान्यता प्राप्त एआईसीटीई संस्थाओं में डिप्लोमा या डिग्री प्रोग्राम में प्रथम वर्ष में अध्ययनरत्।
क्या मिलेगा - चयनित अभ्यर्थियों को प्रति वर्ष 50 हजार रुपये तक स्कॉलरशिप दी जाएगी।
अंतिम तारीख - 31 दिसंबर 2023
वेबसाइट - https://tinyurl.com/pragati-scholarship

इंस्पायर स्कॉलरशिप फॉर हायर एजुकेशन

किसके लिये - भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय की पहल पर छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु।
योग्यता - आवेदक की आयु 17 से 22 वर्ष के बीच होनी चाहिए। बीएससी, बीएस, एमएससी और एमएस डिग्री प्राप्त हो।
क्या मिलेगा - प्रति माह 5 हजार रुपये की छात्रवृत्ति, 20 हजार रुपये वार्षिक मेंटरशिप अनुदान।
अंतिम तारीख - 9 नवंबर 2023
वेबसाइट - https://online-inspire.gov.in

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित)

विश्व विज्ञान दिवस - 10 नवम्बर

समाज में शांति और विकास कार्यों में विज्ञान का योगदान

आज समूची दुनिया विज्ञान के इर्द-गिर्द है। विज्ञान विचारों को शोध और प्रयोग कर तथ्यों के साथ प्रस्तुत करता है। प्रमाणों सहित निकाले गए निष्कर्ष ही विज्ञान का आधार है। विज्ञान के अनुसंधान और खोजों से निकले समाधानों ने समूचे विश्व का परिदृश्य बदल दिया है।

यदि विज्ञान का उपयोग समाज हित में किया जाये तो यह समाज उपयोगी होगा और विनाश के लिए किया जाये तो यह विध्वंसकारी हो सकता है। विज्ञान का प्रयोग निर्माण के लिए हो, विनाश के लिए कदापि नहीं। विज्ञान के उपयोग के इसी पक्ष को लेकर विश्व स्तर पर कई प्रश्न उपजे जो चिंतनीय हैं। विज्ञान के शोध और अविष्कारों का प्रयोग समाज हित में किया जाये इस विचार-विमर्श के लिए विश्व शांति एवं विकास हेतु विश्व विज्ञान दिवस मनाने की परंपरा निर्मित हुई।

यह दिवस 10 नवम्बर को पूरी दुनिया में मनाया जाता है। विश्व विज्ञान दिवस के आयोजन की परिकल्पना को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) द्वारा 2001 में प्रस्तुत किया गया। जिसमें यह प्रस्तावित किया गया कि समूची दुनिया वर्षभर में एक दिन विश्व विज्ञान दिवस को अवश्य मनाए। यूनेस्को के प्रस्ताव अनुसार 10 नवम्बर 2002 से विश्व विज्ञान दिवस मनाया जाने लगा। उल्लेखनीय है कि इस दिवस को 1999 में बुडापेस्ट में संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान परिषद और यूनेस्को द्वारा विज्ञान पर विश्व सम्मेलन के फॉलो अप में मनाया गया था। यूनेस्को द्वारा विश्व विज्ञान दिवस की स्थापना का लक्ष्य था विश्वभर में विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़े। समाज में शांति और विकास कार्यों में विज्ञान के योगदान की समझ विकसित हो।

विश्व विज्ञान दिवस के उद्देश्य

- विज्ञान के शोध एवं अनुसंधान की जानकारी समाज तक पहुंचाना।
- विज्ञान के महत्व को समझाना।
- विज्ञान से शांति के लिए किये जा रहे प्रयास को लोगों तक पहुँचाना।
- विश्व स्तर पर विज्ञान के शोध और अनुसंधान को साझा करना ताकि वैश्विक स्तर पर विज्ञान का व्यवहारिक उपयोग हो सके।
- विज्ञान का उपयोग शांति के लिए हो, समाज उपयोगी हो इस चिंतन को विश्वव्यापी बनाना।
- शांतिपूर्ण स्थाई समाज व्यवस्था के लिए विज्ञान की भूमिका के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना।
- समाजहित में विज्ञान के उपयोग के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता को मजबूत करना।
- विज्ञान के सामने आने वाली चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित करना।

10 नवम्बर को आयोजित यह दिवस विश्व की शांति और उन्नति का विज्ञान दिवस भी है। इसमें आयोजन के माध्यम से वैज्ञानिकों द्वारा किये गये शोध, अनुसंधान अविष्कारों से लोगों को परिचित कराया जाता है। इस दिन विश्वभर में विज्ञान विभागों, संस्थाओं और विश्वविद्यालयों द्वारा विज्ञान से जुड़े विविध कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। ताकि अधिक से अधिक लोग विज्ञान के अविष्कारों से परिचित हो सकें। विश्व के अलग-अलग देशों में इस दिवस को समारोह की तरह मनाया जाता है।

भारत में विज्ञान से होने वाले लाभ के प्रति लोगों को जागरूक करने और वैज्ञानिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भी आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 28 फरवरी को आयोजित किया जाता है। 28 फरवरी 1928 को डॉ. सी.वी.रमन ने अपनी खोज सी.वी. रमन प्रभाव की घोषणा की थी। डॉ. रमन ने एशिया में विज्ञान के क्षेत्र में पहला नोबल पुरस्कार प्राप्त किया था। इस महान वैज्ञानिक की स्मृति में ही भारत में 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है।

विश्व विज्ञान दिवस 2023 पर वैश्विक सहभागिता हेतु सुझाव

यूनेस्को द्वारा आयोजित किये जाने वाले विश्व विज्ञान दिवस पर वैश्विक स्तर पर लोगों को सहभागी होने के लिए कहा गया है। इसके लिए यूनेस्को ने एक पोस्टर भी तैयार किया है जिसे अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश में मुद्रित किया जा सकता है। इसका एक रिक्त संस्करण भी है। जो अन्य भाषाओं में पोस्टर के लिए उपयोग किया जा सकता है। यूनेस्को द्वारा विश्व विज्ञान दिवस पर अपने स्वयं के कार्यक्रम तैयार करने तथा विश्व विज्ञान दिवस में योगदान देने के लिए निम्न सुझाव भी दिये गये हैं- यदि आप एक शोधकर्ता हैं तो अपने विश्वविद्यालय या अनुसंधान केन्द्र में आम लोगों के साथ एक कार्यक्रम आयोजित करें जिसमें निम्न गतिविधियां शामिल की जा सकती हैं।

- आम जन, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों को अपनी प्रयोगशाला का दौरा करवाएं, जिससे आम लोगों तथा बच्चों को अपने शोध संस्थान के कार्य और अनुसंधान की जानकारी प्राप्त हो सके।
- आप अपने यहां विज्ञान के शोध और अनुसंधान के व्यवहारिक पक्ष पर व्याख्यान अथवा परिसंवाद का आयोजन कर सकते हैं।
- विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए अपने विज्ञान संग्रहालय अथवा केन्द्र में सतत विकास के लिए विज्ञान की भूमिका को लेकर प्रदर्शनी प्रस्तुत कर सकते हैं।

वर्ष 2023 की थीम विज्ञान में विश्वास बनाना

विश्व विज्ञान दिवस के आयोजन की हर वर्ष एक थीम होती है। वर्ष 2023 की थीम है ''विज्ञान में विश्वास बनाना।''

दुनिया के विकास और निर्माण में विज्ञान की महत्वपूर्ण भूमिका है। विज्ञान की भूमिका तभी सुनिश्चित और प्रभावकारी होगी जब इस पर लोगों का विश्वास हो। यह विज्ञान पर विश्वास का ही परिणाम है कि विज्ञान के आविष्कारों ने संसार को विकास के सर्वोच्च पायदान पर पहुंचा दिया। विज्ञान पर भरोसा करना जरूरी है। यह भरोसा वैज्ञानिकों का आत्मविश्वास बढ़ाता है। इसीलिए इस वर्ष की थीम ''विज्ञान में विश्वास बनाना'' है। यह विषय लोगों को विज्ञान को जानने, समझने और विश्वास करने के लिए प्रभावकारी है। समारोह का लक्ष्य है विज्ञान आधारित नीतिगत निर्णय लेने और विज्ञान के प्रयोग के लिए लोगों का समर्थन मजबूत करना। जिसके परिणाम स्वरूप विज्ञान के वैज्ञानिक पक्ष को बढ़ावा मिलेगा।

वर्ष 2022 में विज्ञान दिवस की थीम थी ''सतत विकास के लिए बुनियादी विज्ञान'' विज्ञान के अविष्कारों की सतत विकास में बड़ी भूमिका है। इस थीम को रखने का उद्देश्य था विश्व शांति और सतत विकास के लिए होने वाली खोजों से लोगों को परिचित कराना और सतत विकास के लक्ष्य के प्रति जागरूक करना।

वर्ष 2022 में आयोजित विश्व विज्ञान दिवस पर यूनेस्को की महानिदेशक सुश्री ऑड्रे अज़ोले ने 10 नवम्बर 2022 को संदेश दिया कि ''सम सामयिक चुनौतियों का जवाब देने के लिए बुनियादी विज्ञान हमारा सबसे अच्छा सहयोगी हो सकता है और होना भी चाहिए। जलवायु व्यवधान के इस निर्णायक समय के दौरान, वैज्ञानिक विकास का समर्थन करना और वैज्ञानिक समझ को बढ़ावा देना अब एक विकल्प नहीं बल्कि यह एक आवश्यकता है।'' विश्व विज्ञान दिवस के माध्यम से समाजहित की इस आवश्यकता को पूर्ण करने की दिशा में लोगों में वैज्ञानिक समझ को विकसित करने का प्रयास किया गया।

2023 यूनेस्को कलिंग पुरस्कार

विज्ञान की लोकप्रियता को बढ़ाने के लिए विज्ञान में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को कलिंग पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस वर्ष कलिंग पुरस्कार का आयोजन यूनेस्को मुख्यालय पेरिस, फ्रांस में किया जायेगा। इस समारोह में पुरस्कार विजेता, विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए किये गये विशेष कार्य को प्रस्तुत करेंगे और पुरस्कार प्राप्त करेंगे। विज्ञान को लोकप्रिय बनाने के लिए दिया जाने वाला यूनेस्को कलिंग पुरस्कार यूनेस्को का पुरातन पुरस्कार है। जिसे 1951 में स्थापित कलिंग फाउंडेशन द्वारा प्रदान किया जाता है।

विश्व विज्ञान दिवस आयोजन को लेकर मूल भाव है कि विश्व स्तर पर विश्व शांति और सतत विकास के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। किसी विषय के सरोकार से जागृति आती है और यही जागृति परिवर्तन का बड़ा कारण बन सकती है। ऐसा ही एक उदाहरण है विश्व को विस्फोटक पदार्थ डायनामाइट से परिचित कराने वाले वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल का। डायनामाइट विनाश का एक बड़ा कारण है और लोग उन्हें मौत का सौदागर कहते हैं यह जानकारी जब अल्फ्रेड नोबेल तक पहुँची तो उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ। उनके व्यक्तित्व में समूचा बदलाव आया, उन्होंने लोगों की मदद के लिए ''द नोबेल फाउंडेशन'' बनाया और इस फाउंडेशन को अपनी सारी संपत्ति दान कर दी। यह संपत्ति उन लोगों के लिए समर्पित की गई जो विश्व प्रगति और शांति के लिए उत्कृष्ट कार्य करेंगे। विश्व शांति और प्रगति के लिये दिये जाने वाले नोबेल पुरस्कार से हम सभी परिचित हैं। इस वर्ष आयोजित होने वाले विश्व विज्ञान दिवस पर हम सभी विज्ञान के प्रति अपने विश्वास को दृढ़ बनायें और अन्य लोगों में भी विज्ञान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयत्न करें।

- देवेन्द्र गोरे
(लेखक : समसामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

कमला शिरीन

इंडोनेशिया में बनीं अमेरिकी राजदूत

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने भारतीय मूल की राजनयिक कमला शिरीन लखधीर को इंडोनेशिया में अमेरिकी राजदूत नियुक्त किया। व्हाइट हाउस के अनुसार लखधीर राज्य विभाग की कार्यकारी सचिव थीं। उन्होंने लगभग 30 साल विदेश विभाग में सेवा की है। लखधीर के पिता नूर 1940 के दशक में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय बर्कले में पढ़ने के लिए मुंबई से अमेरिका आए थे। लखधीर ने 1986 के हार्वर्ड कॉलेज से ग्रेजुएशन करने के बाद दो साल तक चीन में अध्यापन कार्य भी किया।

सिमोना हालेप ने

डोपिंग प्रतिबंध के खिलाफ की अपील

दो बार की ग्रैंडस्लेम चैंपियन सिमोना हालेप ने खेल पंचाट में अपील करके डोपिंग उल्लंघन के कारण उन पर लगे चार साल के प्रतिबंध को हटाने की मांग की है। खेल पंचाट ने कहा कि उसने सितंबर में अंतर्राष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) के फैसले के खिलाफ दुनिया की पूर्व नंबर वन टेनिस खिलाड़ी हालेप की अपील पंजीकृत कर ली है। आईटीआईए ने 2022 में अमेरिकी ओपन के दौरान डोप परीक्षण में विफल रहने और खिलाड़ी जैविक पासपोर्ट में अनियमितताओं के बाद कहा था कि हालेप ने जानबूझकर डोपिंग रोधी नियमों का उल्लंघन किया है।

चीन में

देशभक्ति शिक्षा कानून पारित

चीन देशभक्ति शिक्षा को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए सरकार ने देशभक्ति शिक्षा कानून पारित किया है। इस कानून का उद्देश्य जीवन के सभी पहलुओं में चीन के युवाओं के बीच राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और कम्युनिस्ट पार्टी के प्रति वफादारी पैदा करना है। सरकारी मीडिया के मुताबिक यह कानून स्कूल, कॉलेज में देशभक्ति से जुड़ी बातें पढ़ाने की लीगल गारंटी देता है। यह कानून 1 जनवरी 2024 से लागू होगा। कानून के मुताबिक देशभक्ति शिक्षा अन्य देशों के इतिहास और सांस्कृतिक परंपराओं का सम्मान करती है।

रूस ने

जापान तक जाने वाले समुद्री मार्ग को खोला

रूस ने लंबे अंतराल के बाद जापान को जोड़ने वाला समुद्र यात्री परिवहन फिर से शुरू कर दिया है। स्थानीय मीडिया के अनुसार रूसी शिपिंग कंपनी वोस्तोक ट्रू को इस सप्ताह व्लादिवोस्तोक और इशिकावा प्रान्त में नानाओ के जापानी बंदरगाह के बीच लाइनर जहाज लॉन्च करने की मंजूरी दी गई। कंपनी ने कहा कि लाइनर जहाजों का संचालन सप्ताह में एक बार किया जाएगा।

रूस

सेना ने लड़ाकू विमान तैनात किए

रूस और अमेरिका के बीच फिर तनाव की स्थिति स्पष्ट नजर आ रही है। रूस के रक्षा मंत्रालय के अनुसार रूस की उत्तरी और दक्षिणी सीमाओं के पास पहुंचे दो अमेरिकी बम वर्षकों और ड्रोन रोकने के लिए अपने लड़ाकू विमान तैनात किए हैं। मंत्रालय के अनुसार दो अमेरिकी बम वर्षक बाल्टिक सागर की सीमा के पास पहुंचे और एक ग्लोबल हॉक ड्रोन काला सागर की सीमा के पास पहुंचा था।

रोबोट वर्कर

वेयर हाउस में तैनात किए

अमेरिकी ऑनलाइन शॉपिंग कंपनी अमेजन ने अपने वेयरहाउस में रोबोट से काम लेना बढ़ा दिया है। कंपनी ने डिजिट नाम के बाइपैडल यानी दो पैरों और हाथ वाले रोबोट तैनात किए हैं। इन्हें स्टार्टअप एजिलिटी रोबोटिक्स ने विकसित किया है। यह लंबाई में 175 सेंटीमीटर हैं।

राजकुमार राव

चुनाव आयोग के राष्ट्रीय आइकन बने

केंद्रीय चुनाव आयोग ने मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए मशहूर फिल्म अभिनेता राजकुमार राव को अपना राष्ट्रीय आइकन नियुक्त किया है। चुनाव आयोग ने राजकुमार को मतदाताओं, विशेषकर युवा मतदाताओं को मतदान के लिए प्रोत्साहित करने के लिए चुना है। इसके लिए समझौता पत्र पर बकायदा राजकुमार राव ने हस्ताक्षर किए हैं। उन्होंने फिल्म 'न्यूटन' में चुनाव अधिकारी की भूमिका बखूबी निभाई थी।

कैटरीन जैकब्सडॉटिर

आइसलैंड की प्रधानमंत्री लैंगिक हिंसा के खिलाफ हड़ताल पर

पुरुषों के मुकाबले महिलाओं को कम वेतन मिलने और लिंग आधारित हिंसा खत्म करने के लिए आइसलैंड की प्रधानमंत्री कैटरीन जैकब्सडॉटिर अन्य महिलाकर्मियों के साथ खुद हड़ताल पर चली गई हैं। इस अनोखी हड़ताल से देशभर में स्कूल बंद हो गए, सार्वजनिक परिवहन में देरी हुई। कर्मचारी हड़ताल का आह्वान करने वाली आइसलैंड की ट्रेड यूनियनों ने महिलाओं से कहा कि वे घरेलू कामों सहित भुगतान और अवैतनिक दोनों तरह के काम न करें। प्रधानमंत्री कैटरीन ने उम्मीद जताई कि उनके मंत्रिमंडल की अन्य महिलायें भी ऐसा ही करेंगी।

सुब्रा सुरेश और अशोक गाडगिल

अमेरिका में राष्ट्रीय विज्ञान पदक से सम्मानित

विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों से मानवता की भलाई के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति ने दो भारतवंशी क्रमशः सुब्रा सुरेश और अशोक गाडगिल को राष्ट्रीय पदक से सम्मानित किया। सुरेश को राष्ट्रीय विज्ञान पदक और गाडगिल को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी नवाचार पदक से नवाजा गया। राष्ट्रीय पदक वैज्ञानिकों और इंजीनियरों को दिया जाने वाला सर्वोच्च अमेरिकी सम्मान है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा कि इन वैज्ञानिकों ने अपनी खोज से आने वाली पीढ़ियों को आगे बढ़ते रहने का मार्ग दिखाया है।

ऑस्ट्रेलिया के

गवर्नर-जनरल ने गवर्नमेंट हाउस में मनायी दीपावली

ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर-जनरल डेविड हर्ले और उनकी पत्नी लिंडा हर्ले ने दीपावली से पहले प्री-सेलिब्रेशन गवर्नमेंट हाउस में आयोजित कर समारोह की मेजबानी की। समारोह का आयोजन हिंदू काउंसिल ऑफ ऑस्ट्रेलिया द्वारा किया गया था। इस अवसर पर समुदाय के सदस्यों ने गवर्नर-जनरल की पत्नी को उपहार में साड़ी और मिठाइयां भी दीं।

हेमान बेकेले

स्किन कैंसर का इलाज करने वाला साबुन बनाया

अमेरिका के 14 वर्षीय किशोर हेमान बेकेले ने स्किन कैंसर का इलाज करने वाले साबुन का निर्माण किया है। इसके लिए उन्हें अमेरिका का प्रतिष्ठित अवॉर्ड प्रदान किया गया है। 2023 में 10 यंग साइंटिस्ट चुने गए हैं, हेमान उनमें से एक हैं। इस आविष्कार के लिए उन्हें 20 लाख का इनाम मिला है। ज्ञात रहे कि प्रति वर्ष अमेरिका के मिडिल स्कूल के छात्र अपनी खोज का वीडियो बनाकर भेजते हैं।

स्पेन

राजा ने अपनी बेटी का नाम 157 अक्षर का रखा

स्पेन के राजा और रानी - ड्यूक फर्नांडो फिट्ज - जेम्स स्टुअर्ट और डचेस सोफिया पलाजुएलो ने बेटी का 157 अक्षरों का नाम रखा है। बेटी का नाम 'सोफियो फर्नांडो डोलोरेस केयेटाना टेरेसा एंजेला डे ला क्रूज मिकाएला डेल सैंटिसिमो सैक्रामेंटो डेल पेरेपेटुओ सोकोरो डे ला सैंटिसिमा त्रिनिदाद वाई डे टोडोस लॉस सैंटोस' है। अब ड्यूक से कहा गया है कि वह बेटी का नाम कानूनी रूप से रजिस्टर्ड कराना चाहते हैं, तो इसे 25 शब्दों तक सीमित करना होगा।

माइक जॉनसन

अमेरिका के स्पीकर बने

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पार्टी के कट्टरपंथी सांसदों के विरोध के बीच टॉम एमर के प्रतिनिधि सभा के स्पीकर पद के दावेदार के तौर पर नाम वापस लेने के बाद सांसदों ने माइक जॉनसन को इस पद के लिए नामित किया। लुइसियाना की चौथी कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले जॉन संवैधानिक मामलों में विशेषज्ञता रखने वाले एक वरिष्ठ वकील भी हैं। उन्होंने 2020 में रिपब्लिकन सांसदों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई थी।

साधना एस. नैयर

वायुसेना में दूसरी महिला एयर मार्शल बनीं

साधना एस. नैयर भारतीय वायुसेना की चिकित्सा शाखा से एयर मार्शल के पद पर पदोन्नत होने वाली दूसरी महिला अधिकारी बन गई हैं। उन्होंने एयर मार्शल रैंक के साथ सशस्त्र सेना अस्पताल सेवाओं की महानिदेशक का पदभार ग्रहण किया। वायुसेना में चिकित्सा शाखा से एयर मार्शल बनने वाली पहली महिला अधिकारी पद्मा बंदोपाध्याय थीं। एयर मार्शल साधना की सॉफ्टवेयर डेवलपर के रूप में भी अच्छी पकड़ है। उन्होंने दक्षिणी वायुकमान की मेडिकल वेबसाइट को डिजाइन और डेवलप किया है।

इंद्रमणि पांडे

बिम्सटेक के अगले महासचिव होंगे

इंद्रमणि पांडे को बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कॉपरेशन के महासचिव के रूप में नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर उन्होंने कहा कि मुझे बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड वाले बंगाल की खाड़ी के प्रमुख क्षेत्रीय संगठन बिम्सटेक के महासचिव बनने पर गर्व की अनुभूति हो रही है। इसका मुख्यालय ढाका में है और पहली बार किसी भारतीय को यह जिम्मेदारी दी गई है।

रुचिरा कंबोज

यूएन सुरक्षा परिषद में सुधारों की आवश्यकताओं को दोहराया

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओपन डिबेट में भारत की स्थाई प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने दमदारी दिखाई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र कोई भी विवाद शांतिपूर्ण सुलझा नहीं पा रहा है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की आवश्यकताओं को दोहराया साथ ही पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे अनर्गल प्रलापों पर रोक लगाने की मांग की। इस क्रम में संवाद के द्वारा शांति कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसमें विवादों की रोकथाम और शांतिपूर्ण समाधान के लिए क्षेत्रीय, उप-क्षेत्रीय और द्विपक्षीय व्यवस्थाओं के योगदान पर भी चर्चा की गई।

ग्रेटा थनबर्ग ने

फिलिस्तीन का समर्थन किया

इजरायल-हमास में जारी युद्ध के बीच मशहूर पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग ने गाजा का समर्थन किया है। ग्रेटा ने गाजा में इजरायली हमले में हो रही लोगों की मौत पर दुःख जताया है। उन्होंने लोगों से युद्ध रोकने के लिए अपील करने के लिए भी कहा है। इजरायल के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल से ग्रेटा को संबोधित करते हुए लिखा गया है कि हमास ने अपने रॉकेट्स के लिए पर्यावरण के लिहाज से बेहतर चीजों का इस्तेमाल नहीं किया है।

स्मृति शेष

ब्रिटेन के फुटबॉलर सर बॉबी चार्लटन का निधन

इंग्लैंड के पूर्व दिग्गज फुटबॉलर बॉबी चार्लटन का 86 साल की उम्र में निधन हो गया। सर चार्लटन 1966 में फीफा विश्वकप जीतने वाली इंग्लैंड टीम के सदस्य थे। उन्होंने 1958 से 1970 के बीच इंग्लैंड के लिए 106 मैच खेले और 49 गोल किए। 1956 से 1973 तक उन्होंने मैनचेस्टर यूनाइटेड क्लब के लिए 606 मुकाबले खेले और 109 गोल किए।

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली कियांग का निधन

चीन के पूर्व प्रधानमंत्री ली कियांग का हृदयघात के कारण 68 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। ली कियांग ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के पहले दो पांच वर्षीय कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया था। वे इसी वर्ष मार्च में अपने पद से हटे थे।

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

विश्व धरोहर स्मारक समूह

माण्डू, जिला-धार

माण्डू को पहले माडव दुर्ग के नाम से जाना जाता था। यहां बाज बहादुर एवं रानी रूपमति की प्रेम गाथाएं प्रसिद्ध हैं। प्राप्त प्रमाणों के आधार पर हम इसे परमार शासकों द्वारा बनाई राजधानी के रूप में जानते हैं। समुद्र तल से दो हजार फुट की ऊंचाई पर विंध्य पर्वतमालाओं में बसा माण्डू प्रकृति के विविध सुरम्य रूपों को अपनी वादी में समेटे हुए है। इसकी सुरक्षा विशेषताओं के कारण यह मालवा के परमार राजाओं की दुर्ग राजधानी बनी। बाद में 13वीं सदी के अंत में यह मालवा के सुल्तान राजाओं की प्रभाव सीमा में आ चुकी थी। इनमें से पहले ही राजा ने इसे शादियाबाद (आनंद का नगर) के रूप में विख्यात किया। सचमुच ही माण्डू का समूचा परिवेश आनंद और उल्लास से भरा हुआ है। इसके शासकों ने इसी भावना के अनुरूप यहां सुन्दर राज प्रासादों का निर्माण किया। जहाज महल, हिंडोला महल, सुंदर आकर्षक नहरें, स्नानागार और भव्य मण्डप जो शांति और समृद्धि के इस काल की भव्यता लिए हुए हैं। माण्डू का प्रत्येक स्थापत्य वास्तुकला की दृष्टि से प्रासिद्ध है। इनमें विशाल जामी मस्जिद और होशंगशाह का मकबरा उल्लेखनीय है जिनके निर्माण की भव्यता ने सदियों बाद में ताजमहल जैसी इमारत के महान निर्माताओं को अनुप्रेरित किया था।

मुगल शासन काल में माण्डू आमोद-प्रमोद का स्थल था। जिसके सरोवरों और महलों में आनंद और उत्सव का वातावरण सदा ही बना रहता था। माण्डू की यही कीर्तिगाथा अमर हो गई, जो उसके राज प्रासादों और मस्जिदों में, जनश्रुतियों और गीतों में बाद की पीढ़ियों को विरासत में मिली है।

माण्डू के चारों ओर का परकोटा 45 किलोमीटर लंबी दीवार से घिरा है और इसमें 12 दरवाजे हैं। इनमें सबसे प्रसिद्ध दिल्ली दरवाजा है, जो किलेनुमा शहर का प्रमुख प्रवेश द्वार है और जहाँ पहुंचने के लिए अनेक दरवाजों से गुजरना पड़ता है जिनकी मजबूती के लिए दीवारें और मजबूत बुर्ज बनाए गए हैं। इनमें आलम और भांगी दरवाजा प्रमुख हैं, जिनसे होकर वर्तमान मार्ग गुजरता है। इसके अलावा रामपोल दरवाजा, जहांगीर दरवाजा और तारापुर दरवाजा प्रमुख हैं।

जहाज महल : जहाज की आकृति का 120 मीटर लंबा यह महल दो कृत्रिम तालाबों-मुंज तालाब और कपूर तालाब के बीच दो मंजिलों के रूप में बना हुआ है। संभवतः इसका निर्माण सुल्तान गयासुद्दीन खिलजी ने अपने विशाल हरम के रूप में किया था। इसके खुले मंडप, पानी पर झुकते हुए से छज्जे और खुले बरामदे कल्पनाशील राजसी वैभव और उसके मुक्त उल्हास को प्रकट करते हैं। इसके पड़ोस में बने तवेली महल से निहारने पर चांदनी रातों में इसके

छोटे-छोटे बुर्जों और उनके कंगूरों के सौन्दर्य के साथ उनकी छायाएं आनंदविभोर कर देती हैं।

हिंडोला महल : यहां गयासुद्दीन के शासनकाल का एक सभा भवन है। अपनी ढलानदार दीवारों के कारण यह झूलता हुआ-सा दिखता है। इसी कारण इसे हिंडोला महल कहते हैं। बलुआ पत्थर में निर्मित इसकी सुंदर जालीदार नक्काशी और शानदार ढले हुए स्तंभ दर्शकों को आकर्षित करते हैं। हिंडोला महल के पश्चिम की ओर अनेक अनाम इमारतें अपने पुरातन वैभव और भव्यता की कहानी बयां कर रही हैं। इनके बीच ही खूबसूरत चंपा बावड़ी है, जो जमीन के नीचे बनाए गए मेहराबदार तहखाने से जुड़ी है। जहां कभी ठण्डे और गर्म पानी का प्रबंध रहता होगा। इस बस्ती के आसपास वास्तुकला के रोचक नमूनों में दिलावर खान की मस्जिद, नाहर झरोखा, तवेली महल, उजली और अंधेरी बावड़ी तथा मदाशाह की दुकान और घर भी देखने योग्य हैं।

होशंगशाह का मकबरा : संगमरमर से बनी यह पहली भारतीय इमारत अफगान वास्तुकला के सुंदर नमूनों में से एक है। इसके खूबसूरत डिजाइन वाले आकर्षक गुंबद संगमरमर में तराशी गई बारीक जालियां, ड्योढ़ीदार राजसभा कक्ष तथा आयताकार मकबरे के चारों कोनों पर बनी सुंदर मीनारें बेजोड़ हैं। इसकी रूपाकृति का अध्ययन करने के लिए शाहजहां ने चार जाने-माने वास्तुकार यहां भेजे थे। इनमें वास्तुकार उस्ताद हमीद भी शामिल था, जिसकी देखरेख में ताजमहल निर्मित हुआ।

जामी मस्जिद : इसके निर्माण की प्रेरणा दमिश्क में बनी विशाल मस्जिद से ली गई थी। ऊंचे चबूतरे पर बनी इस मस्जिद के बीचों-बीच एक विशाल गुंबदनुमा इयौदी बनी हुई है और पीछे की ओर भी अनेक गुंबद बनाए हैं। इस विशाल मस्जिद का सहजतम रूप देखकर दर्शक चमत्कृत हो उठते हैं। मस्जिद का विशाल प्रांगण चारों तरफ विशाल स्तंभों से घिरा हुआ है, जिनकी मेहराबें खूबसूरत और सुरुचि के साथ काढ़ी गई हैं। महराबों, स्तंभों, आलों और गुम्बदों का क्रम भी विविधता लिए हुए है।

वर्तमान में माण्डू के एक छप्पन महल में राज्य पुरातत्व विभाग का संग्रहालय है जिसमें स्थानीय संग्रह पुरावशेष प्राचीन प्रतिमाएं एवं डायनासोर के अण्डे प्रदर्शित किए गए हैं। यहां प्रतिवर्ष एक माण्डू उत्सव का आयोजन किया जाता है। पर्यटकों के लिए शाम को हिण्डोला महल परिसर में पर्यटन विकास निगम द्वारा साउण्ड एवं लाइट का कार्यक्रम किया जाता है। इसमें माण्डव के इतिहास के बारे में संक्षेप में बताया जाता है। वन विभाग द्वारा डायनासोर पार्क भी विकसित किया जा रहा है, इसमें डायनासोर के इतिहास एवं अण्डों के बारे में बताने का प्रयास किया जाता है।

उपरोक्त तथ्यों को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड ने माण्डू की विस्तृत डोयजर तैयार करवाकर इसे यूनेस्को की सूची में सम्मिलित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है।

ओरछा, जिला–निवाड़ी

ओरछा, निवाड़ी जिले में राम राजा मंदिर के लिए प्रसिद्ध है साथ ही बुंदेला शासकों (16-17वीं शती ई.) के द्वारा बनाई गई इस नगरी के राज-प्रासाद और मन्दिर अभी भी अपनी पुरातन गरिमा बनाए हुए हैं।

ओरछा राज्य की स्थापना 16वीं सदी में बुन्देला राजपूत प्रमुख रूद्रप्रताप ने की थी। उन्होंने बेतवा नदी के किनारे इस भूमि को अपनी राजधानी के लिए उपयुक्त माना था। उनके परवर्ती शासकों में राजा वीर सिंह जूदेव प्रसिद्ध हुए जिन्होंने सुन्दर जहांगीर महल का निर्माण करवाया था। इस बहुमंजिले राजप्रासाद के शीर्ष भाग में बनाई गई मनोहर छत्रियां इसकी शोभा को और बढ़ाती हैं। यहां से ओरछा के गगनचुम्बी मन्दिरों के कलश और राज-छत्रियों का दृश्य बड़ा ही मनोहारी लगता है।

ओरछा के स्थापत्य बाहर से तो भव्य है ही, उनका अंतरंग भी बुन्देली शैली की चित्रकला से सुसज्जित है। यहां के लक्ष्मीनारायण मन्दिर में अंकित मर्मस्पर्शी भित्ति चित्रों में लोक और परलोक की गाथाओं ने अभिव्यक्ति पाई है। वे आज भी दीवारों और भीतरी छतों को जीवन्त बनाए हुए हैं।

ओरछा के प्रांगण में अनेक छोटे मकबरे और स्मारक हैं। ओरछा का प्रत्येक स्मारक उसके प्राचीन वैभव और गरिमा को अपने आप में संजोए हुए है। राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा यहां के स्मारकों में प्रमुख रूप से निम्न स्मारकों की जानकारी दी जा रही है।

जहांगीर महल : 17वीं सदी में यह महल राजा वीर सिंह जू देव ने महाराजा

जहांगीर की ओरछा यात्रा की स्मृति में बनवाया था। इसकी मजबूत प्राचीरें, सुन्दर छत्रियां और पत्थर में महीन जालियों का काम महल के समूचे स्थापत्य को असाधारण वैभव प्रदान करता है।

राजामहल : इस महल का निर्माण वीर सिंह जूदेव के पूर्ववर्ती राजा मधुकर शाह ने करवाया था। वे अत्यन्त धर्मपरायण व्यक्ति थे। यह महल अपने बहिरंग की सादगी और सुन्दर छत्रियों के आकर्षण से यात्रियों को अपने अंतरंग की ओर खींचता है। जहाँ भित्ति चित्रों में साहसिक रंग योजना के माध्यम से आध्यात्मिक विषयों की मार्मिक अभिव्यक्ति की गई है।

राय प्रवीण महल : कवियित्री और संगीतज्ञ राय प्रवीण, राजा इन्द्रमणि (1672-76) की लावण्यमयी प्रेमिका थी। सम्राट अकबर के आदेश पर उसे दिल्ली भेजा गया था। अकबर उसकी वाक्चातुरी से बहुत प्रभावित हुए। अपनी इसी प्रतिभा के फलस्वरूप राय प्रवीण ने सम्राट अकबर के सामने राजा इन्द्रमणि के प्रति अपने पवित्र प्रेम का इजहार किया और अकबर ने उसे ससम्मान ओरछा वापिस भेजा। राय प्रवीण का महल ईंटों से बनी दो मंजिला इमारत है। यहां का परिवेश आनंद महल के सुन्दर बगीचों के बीच बहुत ही रमणीय है। इसके साथ ही यहां के आठ कोणों वाले पुष्प कुंज और उपयोगी जलप्रदाय प्रणाली आकर्षित करती है।

राम राजा मन्दिर : मन्दिर के रूप में रूपांतरित इस प्रसाद के साथ एक अनोखी जनश्रुति जुड़ी हुई है। कहते हैं कि धर्मपरायण राजा मधुकर शाह, पत्नी रानी कुंवरी के स्वप्न में भगवान राम के दर्शन पाने और उनके निर्देश पर अयोध्या से राम की प्रतिमा अपनी राजधानी ओरछा लाए थे। मन्दिर में इस मूर्ति की प्रतिष्ठा के पहले उसे इस महल के ही एक स्थान में रख दिया गया। प्राण-प्रतिष्ठा के समय जब मूर्ति को यहाँ से हटाना असंभव हो गया तब राजा को भगवान का यह निर्देश याद आया कि वे जिस जगह सबसे पहले विराजमान हो जाएंगे फिर वहां से हटाए नहीं जाएंगे। तब से राम राजा वहीं विराजे हैं। गगनचुम्बी कलश और प्रासादिक वास्तुकला के कारण यह मन्दिर निःसंदेह समूचे भारत में अनूठा है। यह देश का अनोखा ऐसा मन्दिर है जहाँ राम की पूजा राजा की तरह की जाती है।

चतुर्भुज मन्दिर : पत्थरों के एक बड़े चबूतरे पर बने मन्दिर तक सीढ़ियां चढ़ कर पहुंचा जा सकता है। यह मन्दिर अयोध्या से लाए गए राम की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के लिए बनवाया गया था, पर राम इसमें नहीं आए। इस पर बाह्य अलंकरण के रूप में धार्मिक महत्व के कमल प्रतीक और अन्य मांगलिक चिन्ह सुरुचिपूर्वक अंकित किए गए हैं। आंतरिक भाग का मन्दिर गर्भ बिल्कुल सात्विक है, जिसकी अलंकार विहीन मेहराबदार दीवारें गहन पवित्रता से भरी हैं।

लक्ष्मी नारायण मन्दिर : इस मन्दिर तक पहुंचने के लिए राम राजा मन्दिर से

फर्शीदार मार्ग से जाना होता है। इस मन्दिर की वास्तु-संकल्पना अत्यंत रोचक है, जिसमें मन्दिर और दुर्ग शैली का अद्भुत समन्वय है। इसके भीतरी भागों में ओरछा के भित्ति चित्रकला के सबसे सुन्दर नमूने देखने को मिलते हैं। दीवारों पर और खासकर तीन

बड़े कमरों में बने भित्ति चित्रों में अभी भी जीवन स्पन्दित प्रतीत होता है। इन चित्रों में सर्वधर्म समभाव और आध्यात्मिक अनुभूतियों को अभिव्यक्तियां मिलती हैं। उचित संरक्षण के कारण इनके रंगों ने अपनी कांति अभी तक नहीं खोई है।

ओरछा के स्मारक समूह, भित्तिचित्र एवं छतरियों आदि की स्थापत्य कला की महत्ता को देखते हुए मध्यप्रदेश पर्यटन भोपाल द्वारा एक प्रस्ताव तैयार कर इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के माध्यम से यूनेस्को को प्रेषित किया गया। जिसके आधार पर वास्तुकला की अनूठी विशेषता के आधार पर सांस्कृतिक श्रेणी में इसे टेंटेटिव लिस्ट में रखा गया इसका विस्तृत डोयजर भी बनवाकर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को प्रस्तुत किया जा चुका है।

सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व एवं भेड़ाघाट - नर्मदा घाटी

मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के प्रयास से नेचुरल हेरिटेज केटेगरी में डब्लू.आई.आई. के द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव को युनेस्को द्वारा मंजूरी प्रदान कर सतपुड़ा एवं भेड़ाघाट को टेंटेटिव लिस्ट में विगत वर्ष जोड़ा गया है। इस प्रकार सांची, खजुराहो, भीम बैठका, ओरछा, माण्डू जो कल्चरल श्रेणी के हैं, इसके अतिरिक्त दो नये प्रस्ताव सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व एवं नर्मदा घाटी की भेड़ाघाट एवं लमेटाघाट को नेचुरल हेरिटेज श्रेणी में सम्मिलित किया गया है।

प्रथमतया यह कार्य वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट देहरादून के विशेषज्ञों द्वारा मध्यप्रदेश के विभिन्न वन अंचलों का गहन अध्ययन किया गया और इनकी टीम द्वारा जगह-जगह वर्कशप आयोजित कर इस क्षेत्रों की विशेषता का मानदंड तैयार किया गया। पचमढ़ी, जबलपुर, भोपाल, ऋषिकेश, ओरछा आदि जगहों पर वर्कशाप बुलाकर विद्वानों से अतिरिक्त जानकारी प्राप्त की गई। उसके बाद प्रस्ताव तैयार कर टेंटेटिव लिस्ट के लिए भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के माध्यम से यूनेस्को के वर्ल्ड हेरिजेट शाखा को आग्रेषित किया गया और वहां से वर्ष 2019 में इनको टैंटेटिव लिस्ट में सम्मिलित किया गया।

अब मध्यप्रदेश पर्यटन बोड के माध्यम से डब्लू.आई.आई. द्वारा विस्तृत प्रस्ताव तैयार किया जाकर डोयजर प्रस्तुत कर इसे सूची में सम्मिलित किये जाने का प्रयास किया जा रह है।

सतपुड़ा टाइगर रिज़र्व : इसे युनेस्को की श्रेणी सात, नौ एवं दस के लिए प्रस्तावित किया गया। सतपुड़ा का संस्कृत शब्दार्थ है कि सात पहाड़ों की श्रेणी का पहाड़ । यह होशंगाबद जिले के अंतर्गत आता है, यहां के जंगल विभिन्न प्रजातियों के वन, पेड़-पौधे एवं जंगली जानवरों का समूह, पक्षी आदि के लिए प्रसिद्ध हैं डब्लू.आई.आई. द्वारा किए गये अध्ययन में जिसमें बांधवगढ़ टाइगर रिज़र्व, कान्हा टाइगर रिज़र्व कान्हा अचानकमार-अमरकंटक एवं राष्ट्रीय चम्बल सेंचूरी में से केवल प्रमुख प्रस्तावों का टेंटेटिव लिस्ट तैयार मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के माध्यम से प्रस्ताव भेजा गया जिसकी स्वीकृति प्राप्त हो गई और अब मध्यप्रदेश से दो नेचुरल केटेगरी के विश्व धरोहर की श्रेणी में सम्मिलित हो गए अब इनकी संख्या चार हो गई है।

नर्मदा घाटी के लमेटा एवं भेड़ाघाट : भेड़ाघाट जबलपुर से 20 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है यहां की संगमरमर की चट्टानें एवं धुआंधार जल प्रपात पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। काफी संख्या में नर्मदा घाटी से डायनासोर फासील्स प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार की पर्वत घाटी नर्मदा घाटी की महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। यूनेस्को की केटेगरी सात एवं आठ में प्रस्तावित किया गया है।

वर्तमान में डब्लू.आई.आई., देहरादून द्वारा इसका विस्तृत डोयजर तैयार किया जा रहा है।

- ओ.पी. मिश्रा
(लेखक : मध्यप्रदेश पुरातत्व, पर्यटन बोर्ड, भोपाल में सलाहकार हैं।)

जैविक खेती : वर्तमान और भविष्य का निर्माण

''रोज़गार और निर्माण'' के पिछले अंक में जैविक खेती पर केन्द्रित आलेख प्रकाशित किया था। जिसमें जैविक खेती क्या है, क्यों आवश्यक है तथा जैविक खेती के लिए कुछ जैविक खाद बनाने की विधियों के बारे में जानकारी शामिल की गयी थी। ''रोज़गार और निर्माण'' के इस अंक में प्रस्तुत है जैविक खाद तथा कीट नियंत्रक निर्माण की अन्य विधियों की विस्तृत जानकारी।

वर्मी कम्पोस्ट

केंचुआ को कृषकों का मित्र एवं भूमि की आंत कहा जाता है। यह सेन्द्रिय पदार्थ ह्यूमस व मिट्टी को एक समान करके जमीन के अंदर अन्य परतों में फैलाता है। इससे जमीन पोली होती है और हवा का आवागमन बढ़ जाता है तथा जलधारण क्षमता में बढ़ोतरी होती है। केंचुओं के पेट में जो रसायनिक क्रिया तथा सूक्ष्म जीवाणुओं की क्रिया होती है, उससे भूमि में पाये जाने वाले नत्रजन, स्फुर एवं पोटाश तथा अन्य सूक्ष्म तत्वों की उपलब्धता बढ़ती है। वर्मी कम्पोस्ट में बदबू नहीं होती है और मक्खी एवं मच्छर नहीं बढ़ते हैं और न ही वातावरण प्रदूषित होता है। तापमान नियंत्रित रहने से जीवाणु क्रियाशील तथा सक्रिय रहते हैं। वर्मी कम्पोस्ट डेढ़ से दो माह के अंदर तैयार हो जाता है। इसमें 2.5 से 3 प्रतिशत नत्रजन, 1.5 से 2 प्रतिशत स्फुर तथा 1.5 से 2 प्रतिशत पोटाश पाया जाता है।

तैयार करने की विधि

इसमें कचरे से खाद तैयार किया जाता है। सबसे पहले इस कचरे में से कांच-पत्थर, धातु के टुकड़े अच्छी तरह अलग कर लेते हैं। इसके पश्चात वर्मी कम्पोस्ट तैयार करने के लिये 10x4 फीट का प्लेटफार्म जमीन से 6 से 12 इंच तक ऊंचा तैयार किया जाता है। इस प्लेटफार्म के ऊपर 2 रद्दे ईट के जोड़े जाते हैं तथा प्लेटफार्म के ऊपर छाया के लिए झोपड़ी बनाई जाती है। प्लेटफार्म के ऊपर सूखा चारा, 3 से 4 क्विंटल, गोबर की खाद तथा 7 से 8 क्विंटल कूड़ा-करकट (गार्बेज) बिछाकर झोपड़ीनुमा आकार देकर अधपका खाद तैयार हो जाता है जिसकी 10 से 15 दिन तक झारे से सिंचाई करते हैं जिससे कि अधपके खाद का तापमान कम हो जाए। इसके पश्चात 100 वर्ग फीट में 10 हजार केंचुए के हिसाब से छोड़े जाते हैं। केंचुए छोड़ने के पश्चात् टांके को जूट के बोरे से ढंक दिया जाता है और 4 दिन तक झारे से सिंचाई करते रहते हैं ताकि 45 से 50 प्रतिशत नमी बनी रहें। पानी सीमित मात्रा में डालें क्योंकि अधिक गीलापन रहने से हवा अवरुद्ध हो जावेगी और सूक्ष्म जीवाणु तथा केंचुए मर जावेंगे या फिर कार्य नहीं कर पायेंगे।

45 दिन के पश्चात सिंचाई करना बंद कर दिया जाता है और जूट के बोरों को हटा दिया जाता है। बोरों को हटाने के बाद ऊपर का खाद सूख जाता है तथा केंचुए नीचे नमी में चले जाते हैं। तब ऊपर की सूखी हुई वर्मी कम्पोस्ट को अलग कर लेते हैं। इसके 4 से 5 दिन पश्चात पुन: टांके की ऊपरी खाद सूख जाती है और सूखी हुई खाद को ऊपर से अलग कर लेते हैं। इस तरह 3-4 बार में पूरी खाद टांके से अलग हो जाती है और अंत में केंचुए बच जाते हैं जिनकी संख्या 2 माह में टांके में, डाले गये केंचुओं की संख्या से, दोगुनी हो जाती हैं ध्यान रखें कि खाद हाथ से ही निकालें गैंती, कुदाल या खुरपी का प्रयोग न करें। टांके से निकाले गये खाद को छाया में सुखाकर तथा छानकर छायादार स्थान में भण्डारित किया जाता है। वर्मी कम्पोस्ट की मात्रा गमलों में 100 ग्राम, एक वर्ष के पौधों में एक किलोग्राम तथा फसल में 6-8 क्विंटल प्रति एकड़ की आवश्यकता होती है। वर्मी खाद का उपयोग करते हुए प्लेटफार्म पर दो निकास नालियां बना देना अच्छा होगा ताकि वर्मी खाद को एकत्रित किया जा सके।

केंचुए खाद के गुण

इसमें नत्रजन, स्फुर, पोटाश के साथ अति आवश्यक सूक्ष्म कैल्श्यिम, मैग्नीशियम, तांबा, लोहा, जस्ता और मोलिबड्नम तथा बहुत अधिक मात्रा में जैविक कार्बन पाया जाता है। केंचुए के खाद का उपयोग भूमि, पर्यावरण और अधिक उत्पादन की दृष्टि से लाभदायी है।

हरी खाद

मिट्टी की उर्वरा शक्ति जीवाणुओं की मात्रा एवं क्रियाशीलता पर निर्भर करती है, क्योंकि बहुत सी रासायनिक क्रियाओं के लिए सूक्ष्म जीवाणुओं की आवश्यकता रहती है। जीवित व सक्रिय मिट्टी वही कहलाती है जिसमें अधिक से अधिक जीवांश हो। जीवाणुओं का भोजन प्राय: कार्बनिक पदार्थ ही होते हैं और इनकी अधिकता से मिट्टी की उर्वरा शक्ति पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। अर्थात केवल जीवाणुओं से मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाया जा सकता है। मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने की क्रियाओं में हरी खाद प्रमुख है। इस क्रिया में वानस्पतिक सामग्री को अधिकांशत: हरे दलहनी पौधों को उसी खेत में उगाकर जुताई कर मिट्टी में मिला देते हैं। हरी खाद हेतु मुख्य रूप से सन, ढैंचा, लाबिया, उड़द, मूंग इत्यादि फसलों का उपयोग किया जाता है।

अमृत पानी

अमृत पानी तैयार करने के लिए 10 किलोग्राम गाय का ताजा गोबर, 250 ग्राम नौनी घी, 500 ग्राम शहद और 200 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। सर्वप्रथम 200 लीटर के ड्रम में 10 किलोग्राम गाय का ताजा गोबर डालें, उसमें 250 ग्राम नौनी घी, 500 ग्राम शहद को डालकर अच्छी तरह मिलाएं इसके पश्चात ड्रम को पानी से पूरा भर लें तथा एक लकड़ी की सहायता से घोल तैयार करें इस घोल को जब फसल 15 से 20 दिन की हो जाये तब कतार के बीच में 3 से 4 बार डालें। इसके प्रयोग के समय मिट्टी में नमी का होना अति आवश्यक है।

अमृत संजीवनी

एक एकड़ हेतु अमृत संजीवनी तैयार करने के लिये सामग्री में 3 किलोग्राम यूरिया, 3 किलोग्राम सुपर फास्फेट एवं 1 किलोग्राम पोटाश तथा 2 किलोग्राम मूंगफली की खली, 80 किलोग्राम गोबर और 200 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। इसे तैयार करने के लिए सभी सामग्री को एक ड्रम में डालकर अच्छी तरह मिला लें और ड्रम के ढक्कन को बंद कर 48 घंटे के लिए छोड़ दें। प्रयोग के समय ड्रम को पूरा पानी से भर दें। जब खेत में पर्याप्त नमी हो तब बोनी के पूर्व इसे समान रूप से एक एकड़ में छिड़क दें। खड़ी फसल में जब फसल 15 से 20 दिन की हो जावे तब कतार के बीच में 3 से 4 बार 15 दिन के अंतर पर छिड़के यथा संभव पत्तों को घोल के संपर्क से बचाएं।

अग्निहोत्र भस्म

अग्निहोत्र मंत्र उच्चारण पर्यावरण की शुद्धि की वैदिक पद्धति है। खेत में, गांव में, घर में तथा शहर में पर्यावरण में स्वच्छता बनाये रखने के लिए सूर्योदय और सूर्यास्त के समय मिट्टी तथा तांबे के पात्र में गाय के गोबर के कंडे में अग्नि प्रज्ज्वलित की जाती है। इसमें अखंड अक्षत (बिना टूटे चावल) के 8 से 10 दानों को गाय के घी में मिलाकर हाथ के अंगूठे, मध्य अनामिका व छोटी अंगुली से अग्निहोत्री मंत्र उच्चारण और स्वाहा: शब्द के साथ आहुति दी जाती है।

अग्निहोत्र मंत्र

सूर्योदय के समय-सूर्याय स्वाहा, सूर्याय इदम् न मम् (प्रथम आहूति के समय)

प्रजापतये स्वाहा,प्रजापतये इदम् न मम् (द्वितीय आहूति के समय)

सूर्यास्त के समय-अग्नेय स्वाहा, अग्नेय इदम् न मम् (प्रथम आहूति के समय)

प्रजापतये स्वाहा, प्रजापतये इदम् न मम्(द्वितीय आहूति के समय)

खेतों पर अग्निहोत्र मंत्र, पौधों में कीट-व्याधि दूर करने के साथ भूमि में उपलब्ध पोषक तत्व, जैव कार्बन-ऊर्जा का उपयोग कर अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित करते हैं।

जैविक पद्धति द्वारा जैविक कीट नियंत्रण के अन्य प्रचलन

गौ-मूत्र

गौ-मूत्र को कांच की शीशी में भरकर धूप में रख सकते हैं। जितना पुराना गौमूत्र होगा उतना अधिक असरकारी होगा। 12 से 15 मिली लीटर गौ-मूत्र प्रति लीटर पानी में मिलाकर स्प्रेयर पंप से फसलों में बुआई के 15 दिन बाद, प्रत्येक 10 दिवस में छिड़काव करने से फसलों में रोग एवं कीटों के प्रति प्रतिरोधी क्षमता विकसित होती है जिससे प्रकोप की संभावना कम रहती है।

नीम के उत्पाद

नीम भारतीय मूल का पौधा है, जिसे वैद्य के रूप में मान्यता प्राप्त है। इससे कई उपयोगी औषधियां तैयार की जाती हैं। इसके उत्पाद फसल संरक्षण के लिये अत्यन्त उपयोगी होते हैं।

नीम पत्ती का घोल

नीम की 10 से 12 किलो पत्तियां, 200 लीटर पानी में 4 दिन तक भिगो दें। पानी हरा-पीला होने पर इसे छानकर, एक एकड़ की फसल पर छिड़काव करने से इल्ली की रोकथाम होती है। इस औषधि की तीव्रता को बढ़ाने के लिए बेशरम, धतूरा, तम्बाकू आदि के पत्तों को मिलाकर काढ़ा बनाने से औषधि की तीव्रता बढ़ जाती है। यह कई प्रकार के कीटों को नष्ट करने में उपयोगी सिद्ध हुई है।

नीम की निंबोली

2 किलों नीम की निंबोली लेकर महीन पीस लें। इसमें 2 लीटर ताजा गौ मूत्र मिला लें और 10 किलो छांछ मिलाकर 4 दिन रखें। इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर खेतों में फसल पर छिड़काव करें।

नीम की खली

नीम की खली का उपयोग जमीन में दीमक तथा व्हाइट ग्रब एवं अन्य कीटों की इल्लियां तथा प्यूपा को नष्ट करने तथा भूमि जनित रोग आदि के रोकथाम के लिये किया जा सकता है। 6 से 8 क्विंटल प्रति एकड़ की दर से अंतिम बखरनी करते समय बारीक कूटकर खेत में मिलावें।

आइपोमिया (बेशरम) पत्ती घोल

आइपोमिया की 10 से 12 किलो पत्तियां, 200 लीटर पानी में 4 दिन तक भिगाएं। पत्तियों का अर्क उतरने पर इसे छान लें और फिर एक एकड़ की फसल पर छिड़काव करें, इससे कीटों का नियंत्रण होता है।

मट्ठा

मट्ठा, छाछ, मही आदि नाम से जाना जाता है। यह कई प्रकार से गुणकारी है। इसका उपयोग फसलों मे कीट व्याधि उपचार के लिये लाभकारी है। मिर्ची, टमाटर व अन्य जिन फसलों में चुर्रामुर्रा या कुकड़ा रोग आता है, उसके रोकथाम के लिए उपयोगी है। एक मटके में छाँछ डालकर उसका मुंह पोलीथिन से बांध दे, इसे 30 से 45 दिन तक मिट्टी में गाड़ दें। इसके पश्चात् बाहर निकालें और फिर इसका छिड़काव करने से कीट एवं रोगों से बचाव होता है। 100 से 150 मिली लीटर छांछ 15 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से कीट-व्याधि का नियंत्रण होता है। यह उपचार सस्ता, सुलभ, लाभकारी होने से कृषकों में लोकप्रिय है।

मिर्च तथा लहसुन

आधा किलो हरी मिर्च, आधा किलो लहसुन पीसकर चटनी बनाकर पानी में घोलकर छान लें। इस घोल को 100 लीटर पानी में मिला लें और फिर फसल पर छिड़काव करें। इसमें 100 ग्राम साबुन पावडर भी मिलावें, ताकि पौधों पर घोल चिपक सके। इसका छिड़काव करने से कीटों का नियंत्रण होता है।

लकड़ी की राख

1 किलो राख में 10 मिली लीटर मिट्टी का तेल डालकर इसका छिड़काव 25 किलो प्रति हेक्टर की दर से करने पर एफिड्स एवं पंपकिन बीटल पर नियंत्रण हो जाता है।

ट्राईकोडर्मा

ट्राईकोडर्मा एक ऐसा जैविक फफूंद नाशक है जो पौधों में मृदा एवं बीज जनित बीमारियों को नियंत्रित करता है। बीजोपचार में 5 से 6 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपयोग किया जाता है। मृदा उपचार में 1 किलोग्राम ट्राईकोडर्मा को 100 किलोग्राम अच्छी सड़ी हुई खाद में मिलाकर अंतिम बखरनी के समय प्रयोग करें। कटिंग व जड़ उपचार में 200 ग्राम ट्राईकोडर्मा को 15 से 20 लीटर पानी में मिलाएं और इस घोल से 10 मिनिट तक रोपण करने वाले पौधों की जड़ों एवं कटिंग को उपचारित करें। 3 ग्राम ट्राईकोडर्मा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर 10 से 15 दिन के अंतर पर खड़ी फसल पर 3 से 4 बार छिड़काव करने से वायुजनित रोग का नियंत्रण होता है।

अन्य उपाय

इल्ली नियंत्रण

- 5 लीटर देशी गाय के मट्ठे में 5 किलो नीम के पत्ते डालकर 10 दिन तक सड़ाएं, बाद में नीम की पत्तियों को निचोड़ लें। इस नीमयुक्त मिश्रण को छानकर 150 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ के मान से समान रूप से फसल पर छिड़काव करें। इससे इल्ली व माहू का प्रभाव नियंत्रित होता है।
- 5 लीटर मट्ठे में, 1 किलो नीम के पत्ते व धतूरे के पत्ते डालकर, 10 दिन सड़ने दें। इसके बाद मिश्रण को छानकर इल्लियों पर नियंत्रण करें।
- 5 किलो नीम के पत्ते 3 लीटर पानी में डालकर उबालें जब आधा रह जावे तब उसे छानकर 150 लीटर पानी में घोल तैयार करें। इस मिश्रण में 2 लीटर गौ-मूत्र मिलाएं। अब यह मिश्रण एक एकड़ के मान से फसल पर छिड़कें।
- आधा किलो हरी मिर्च व लहसुन पीसकर 150 लीटर पानी में डालकर छान ले तथा एक एकड़ में इस घोल का छिड़काव करें।
- मारूदाना, तुलसी (श्यामा) तथा गेंदे के पौधे फसल के बीच में लगाने से इल्ली का नियंत्रण होता हैं।
- टिन की बनी चकरी खेतों में लगाने से भी इल्लियां गिर जाती हैं।

दीमक नियंत्रण

- मक्का के भुट्टे से दाना निकलने के बाद, जो गिण्डीयां बचती हैं, उन्हें एक मिट्टी के घड़े में इकट्ठा करके घड़े को खेत में इस प्रकार गाड़ें कि घड़े का मुंह जमीन से कुछ बाहर निकला हो। घड़े के ऊपर कपड़ा बांध दें तथा उसमें पानी भर दें। कुछ दिनों में ही आप देखेंगे कि घड़े में दीमक भर गई है। इसके उपरांत घड़े को बाहर निकालकर गरम कर लें ताकि दीमक समाप्त हो जावे। इस घड़े को खेत में 100-100 मीटर की दूरी पर गाडें तथा करीब 5 बार गिण्डीयां बदलकर यह क्रिया दोहराएं। खेत में दीमक समाप्त हो जावेगी।
- सुपारी के आकार की हींग एक कपड़े में लपेटकर तथा पत्थर में बांधकर खेत की ओर बहने वाले पानी की नाली में रख दें। उससे दीमक तथा उगरा रोग नष्ट हो जावेगा।

उगरा नियंत्रण

- एक लीटर मट्ठे में चने के आकार के 3 हींग के टुकड़े मिलाकर उससे बीजोपचार करें तत्पश्चात बोनी करें। सोयाबीन, उड़द, मूंग एवं मसूर के बीजों को अधिक गीला न करें।
- 400 ग्राम नीम के तेल में 100 ग्राम कपड़े धोने वाला पाउडर डालकर खूब फेंटे, फिर इस मिश्रण में 150 लीटर पानी डालकर घोल बनाएं। यह एक एकड़ के लिए पर्याप्त है।

जैविक खेती और भविष्य

वर्तमान समय में जहां बढ़ती जनसंख्या, पर्यावरण प्रदूषण, स्वास्थ्य के खतरे और भूमि की उर्वरा शक्ति के संरक्षण के लिए जैविक खेती एक सुनहरा विकल्प है वहीं यह किसान, समाज, पर्यावरण प्रकृति सभी के लिए हितकारी है। मनुष्य का सर्वांगीण विकास तभी संभव है जब उसे पौष्टिक आहार मिले, प्रदूषण रहित पर्यावरण हो और स्वस्थ जीवन जीयें, यह सभी जैविक खेती से संभव है। जो युवा ग्रामीण क्षेत्र में निवासरत हैं तथा कृषि कार्य में रुचि रखते हैं, वे जैविक खेती कर सकते हैं। जैविक खाद के उत्पादन का कार्य भी किया जा सकता है, चूंकि जैविक खेती का क्षेत्र दिनों-दिन बढ़ता जा रहा है यदि हम मध्यप्रदेश की बात करें तो जैविक खेती के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। ऐसी स्थिति में युवा जैविक खाद बनाने का अपना कारोबार शुरू कर स्वरोज़गार का बड़ा प्रकल्प खड़ा कर सकते हैं। इससे उन्हें रोज़गार तो मिलेगा ही साथ में अपने आसपास के कई युवाओं को रोज़गार से जोड़ सकते हैं। इससे आप वर्तमान के निर्माण और अपने सुनहरे भविष्य के साथ प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण और समृद्धि में बड़ा योगदान दे सकते हैं।

- शशांक मणि पाण्डे

(लेखक - सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं)

राष्ट्रीय कानूनी सेवा दिवस - 9 नवम्बर

न्याय को बढ़ावा और सुनिश्चित कानून व्यवस्था

9 नवम्बर को देशभर में कानूनी सेवा दिवस मनाया जाता है। इस दिन न्यायिक सेवाओं के प्रसार को बढ़ावा देने और लोगों को समाज के हर वर्ग को न्याय पहुंचाने के लिए जागरूक करने का प्रयास किया जाता है। भारत के सभी नागरिकों के लिए एक समान न्याय प्रक्रिया और प्रणाली है। देश की न्यायपालिका के लिए सभी व्यक्ति समान हैं, उनके साथ किसी भी तरह का भेदभाव नहीं किया जाता है। कहा भी जाता है कि 'सौ अपराधी भले ही छूट जायें, लेकिन एक निर्दोष को सजा नहीं मिलनी चाहिए।' समाज में बड़ा तबका ऐसे लोगों का है, जिन्हें अपने कानूनी अधिकारों के बारे में कोई जानकारी नहीं है अथवा आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण उनके लिए न्याय पाना लगभग असंभव सा हो जाता है। ऐसे ही कमजोर, उपेक्षित और वंचित व्यक्तियों को नि:शुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने के लिए इस दिन की शुरुआत की गई थी।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 39ए और इसकी समिति द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की स्थापना 1995 में की गई थी। इसका उदेश्य देश के कमजोर व निर्धन वर्ग को नि:शुल्क कानूनी सेवा उपलब्ध करवाना था। इसका उद्देश्य महिलाओं, दिव्यांगजन, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा मानव तस्करी के शिकार इत्यादि विभिन्न वर्गों को नि:शुल्क कानूनी सहायता प्रदान करना है। विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 को अधिनियमित किया गया था। इस अधिनियम को 1994 के संशोधन अधिनियम के बाद 9 नवंबर, 1995 में लागू किया गया। इसके बाद से मुख्य अधिनियम के लिए कई संशोधन पेश किए गए। इस अधिनियम के माध्यम से पिछड़े वर्ग, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, विकलांग व्यक्तियों को मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने का अधिकार दिया गया है। अधिनियम के कारण किसी भी प्रकार से किसी नि:शक्त या आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्ति को न्याय से वंचित नहीं रखा जा सकता है। न्याय प्राप्त करने का अधिकार अमीर, सामान्य, निर्धन सभी को समान रूप से है। न्याय प्राप्त करने के लिए किसी भी प्रकार का भेद-भाव नहीं है, सभी को समान अवसर दिया जाना इस अधिनियम के अंतर्गत शामिल किया गया है।

संवैधानिक प्रावधान

देश के सभी नागरिकों को सस्ती, सुगम और सरल न्याय व्यवस्था उपलब्ध करना सरकार का दायित्व है, जिसके लिए संविधान में प्रावधान किये गए हैं। अनुच्छेद 39ए कहता है, राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि विधिक तंत्र इस प्रकार काम करे, जिससे समान अवसर के आधार पर न्याय सुलभ हो और विशिष्टतया यह सुनिश्चित करने के लिये कि आर्थिक या किसी अन्य कारण से कोई नागरिक न्याय प्राप्त करने के अवसर से वंचित न रह जाए। नि:शुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था की जायेगी। अनुच्छेद 14 और 22 (1) भी राज्य के लिये कानून के समक्ष समानता और सभी के लिये समान अवसर के आधार पर न्याय को बढ़ावा देने वाली कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित करना अनिवार्य बनाते हैं।

मानव तस्करी और बलात् श्रम पर प्रतिबंध

भारत में पुराने समय में जमींदार, सूदखोर और अन्य धनी लोग बंधुआ मज़दूरी करवाते थे। देश में अभी भी खासतौर से भट्ठे के काम में बंधुआ मज़दूरी करवाई जाती है लेकिन अब इसे अपराध घोषित कर दिया गया है और कानून द्वारा दंडनीय है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 23 मानव तस्करी, बेगार (बलात् श्रम) और इसी प्रकार के अन्य बलात् श्रम के प्रकारों पर प्रतिबंध लगाता है, जिससे देश के लाखों अल्प-सुविधा प्राप्त और वंचित लोगों की रक्षा की जा सके। सतत विकास लक्ष्य-16 का उद्देश्य भी नालसा और उसके नेटवर्क द्वारा निभाई गई भूमिका के अनुरूप 'स्थायी विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समाज को बढ़ावा देना, सभी के लिए न्याय तक पहुंच प्रदान करना और सभी स्तरों पर प्रभावी, जवाबदेह और समावेशी संस्थानों का निर्माण करना है।'

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण को शॉर्ट में एनएएलएसए भी कहा जाता है। इस अथॉरिटी की स्थापना में न्यायमूर्ति आर.एन. मिश्रा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसकी स्थापना विधिक सेवा प्राधिकरण 1987 के तहत की गई थी। एनएएलएसए या नालसा भारत में अदालतों के बैकलॉग को कम करने के लिए और इसके साथ जरूरतमंदों को न्याय दिलाने का एक प्रयास है। इस प्राधिकरण में आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों आदि को मुफ्त कानूनी सहायता, सलाह के साथ-साथ मध्यस्थता और मामलों का सौहार्द्रपूर्ण निपटारन आदि गतिविधियों को अंजाम देना शामिल है। राष्ट्रीय कानूनी सेवा दिवस का इतिहास और महत्व विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39ए और सिफारिशों पर केंद्र सरकार द्वारा 11 अक्टूबर, 1987 में अधिनियमित किया गया था। ये अधिनियम 9 नवंबर, 1995 में प्रभाव में लाया गया है।

कानूनी सेवा प्राधिकरणों के उद्देश्य

मुफ्त कानूनी सहायता और सलाह प्रदान करना, कानूनी जागरूकता फैलाना, लोक अदालतों का आयोजन करना, वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र के माध्यम से विवादों के निपटारे को बढ़ावा देना। विभिन्न प्रकार के ADR तंत्र हैं- मध्यस्थता, सुलह, न्यायिक समझौता जिसमें लोक अदालत के माध्यम से निपटान या मध्यस्थता शामिल है, अपराध पीड़ितों को मुआवजा प्रदान करना।

मुफ्त कानूनी सेवाएं प्रदान करने के लिये कानूनी सेवा संस्थान

नि:शुल्क कानूनी सेवा प्रदान करने के लिए सरकार ने हर स्तर पर सेवा का प्रावधान किया है।

राष्ट्रीय स्तर : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) - इसका गठन कानूनी सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 के तहत किया गया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश इसके मुख्य संरक्षक हैं।

राज्य स्तर : राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण- इसकी अध्यक्षता राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं, जो इसके मुख्य संरक्षक होते हैं।

जिला स्तर : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण - जिले का जिला न्यायाधीश इसका पदेन अध्यक्ष होता है।

तालुका/उप-मंडल स्तर : तालुका/उप-मंडल विधिक सेवा समिति - इसकी अध्यक्षता एक वरिष्ठ सिविल जज करते हैं।

उच्च न्यायालय : उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति

सर्वोच्च न्यायालय : सर्वोच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति।

नि:शुल्क कानूनी सेवाएं प्राप्त करने के लिये पात्र व्यक्ति

महिलाएं और बच्चे, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्य,औद्योगिक कामगार, सामूहिक आपदा, हिंसा, बाढ़, सूखा, भूकंप, औद्योगिक आपदा के शिकार, दिव्यांग व्यक्तियों, हिरासत में उपस्थित व्यक्ति, मानव तस्करी के शिकार या बेगार में संलग्न लोग, वे व्यक्ति जिनकी वार्षिक आय संबंधित राज्य सरकार द्वारा निर्धारित राशि से कम है।

कानून के क्षेत्र में कॅरियर

कानून के क्षेत्र में कॅरियर की अपार सम्भवनाएं हैं। बारहवीं कक्षा के बाद पांच साल की लॉ की प्रोफेशनल डिग्री ली जा सकती है। इस डिग्री में ग्रेजुएशन की डिग्री बीए अथवा बीबीए भी शामिल होती है। ग्रेजुएट करने के बाद भी तीन साल की एलएलबी की डिग्री प्राप्त की जा सकती है। बारहवीं के बाद क्लैट परीक्षा के माध्यम से देशभर के नेशनल लॉ स्कूल में दाखिला मिल जाता है, इसके साथ ही कई निजी और सरकारी विश्वविद्यालय भी इसके पाठ्यक्रम संचालित करते हैं। कानून की पढ़ाई कर सरकारी और निजी क्षेत्र में अपार सम्भवनाएं हैं। विभिन्न न्यायिक परीक्षा देकर सरकारी क्षेत्र में कॅरियर बनाया जा सकता है। आजकल सभी बड़ी-बड़ी कंपनियां लीगल विशेषज्ञों को अपने यहां नौकरियां देती हैं। इसके साथ ही न्यायालयों में वकालत करके भी कॅरियर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है।

वास्तव में देश में राष्ट्रीय कानूनी सेवा दिवस जैसे आयोजनों से लोगों में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता आती है। देश के वंचित कमजोर, निर्धन और जरूरतमन्द लोगों के लिए नि:शुल्क कानूनी सेवा जैसी सुविधाएं अत्यंत प्रभावकारी हैं। लोक अदालतें लगाकर भी न सिर्फ ऐसे लोगों के लिए न्याय सुगम और आसान बन रहा है, बल्कि बड़ी संख्या में लंबित प्रकरणों का निपटारा भी तत्काल हो जाता है। ऐसे कार्यक्रम तभी प्रभावी हो सकते हैं, जब उन लोगों तक इनका लाभ और जानकारी पहुंचाई जाये जिनके लिए ये बनाये गए हैं।

- वीणा सबलोक पाठक

(लेखिका : सम-सामयिक विषयों पर लेखन करती हैं।)

विश्व रेडियोग्राफी दिवस - 8 नवम्बर

रोगों के निदान और उपचार में मददगार बनी रेडियोग्राफी तकनीक

रेडियोग्राफी का नाम सुनते ही सभी के मन में एक्स-रे का ध्यान आता है। स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी अंदरूनी समस्या का पता लगाने के लिए पहले एक्स-रे ही किया जाता था, लेकिन चिकित्सा पद्धति में होने वाले विकास और बदलाव के चलते अब सीआर, एमआरआई, एंजियोग्राफी जैसी रेडियोग्राफी तकनीक का प्रयोग किया जाने लगा है। इससे जहां डॉक्टरों को बीमारी समझने में मदद मिलती है, वहीं मरीजों को भी विस्तार में बीमारी की जानकारी प्राप्त हो जाती है। रेडियोग्राफी क्षेत्र में होने वाले विकास और महत्व से लोगों को परिचित कराने के लिए हर वर्ष 8 नवंबर को अंतर्राष्ट्रीय रेडियोग्राफी दिवस मनाया जाता है। इसमें दुनियाभर के रेडियोलॉजिस्ट, रेडियोग्राफर और रेडियोलॉजिकल टेक्नोलॉजिस्ट द्वारा स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में रेडियोलॉजी से जुड़े लोगों द्वारा किये गये कार्यों तथा महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में बताया जाता है। रोगी की सुरक्षित देखभाल में रेडियोलॉजी कैसे योगदान देती है, इसके प्रचार-प्रसार के लिये विश्व रेडियोग्राफी दिवस का आयोजन किया जाता है।

रेडियोलॉजी के बारे में

रेडियोलॉजी चिकित्सा में शरीर के भीतर रोगों की जानकारी और उपचार के लिए चिकित्सा इमेजिंग का उपयोग किया जाता है। एक्स-रे, रेडियोग्राफी, अल्ट्रासाउंड, कंप्यूटेड टोमोग्राफी, पॉजिट्रॉन एमिशन टोमोग्राफी, फ्लोरोस्कोपी और इमेजिंग सहित विभिन्न प्रकार की तकनीकों का उपयोग रोगों के इलाज के लिए किया जाता है।

विश्व रेडियोग्राफी दिवस का उद्देश्य

पूरे विश्व में इस दिन को जागरूकता अभियान की तरह मनाया जाता है। विश्व रेडियोग्राफी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को रेडियोग्राफी से होने वाले लाभ के विषय में जानकारी देना है, ताकि बीमारियों का समय रहते इलाज किया जा सके। अभी भी कई छोटे कस्बों और गांवों में रेडियोग्राफी तकनीक का उपयोग नहीं हो पाता जिससे ग्रामीणों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पाता। विश्व रेडियोग्राफी दिवस पर कई एसोसिएशन और संस्थाओं द्वारा जिन क्षेत्रों में यह तकनीक नहीं पहुंच पाती वहां तथा अन्य स्थानों पर लोगों का मुफ्त एक्स-रे और जांच की जाती है। जिससे लाखों की संख्या में लोगों को इसका लाभ मिलता है।

रेडियोग्राफी दिवस का अंतर्राष्ट्रीय इतिहास

रेडियोग्राफी आधुनिक चिकित्सा का एक महत्वपूर्ण तत्व है इसने इमेजिंग के विभिन्न तरीकों के विकास को जन्म दिया

है। 8 नवंबर, 1895 को जर्मनी वारबर्ग यूनिवर्सिटी के फिजिक्स के प्रोफेसर विल्हेम कॉनराड रॉन्टगन ने एक्स-रे की खोज की। इसके लिये 1901 उन्हें नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया। यही कारण है कि 8 नवंबर को विश्व रेडियोग्राफी दिवस मनाया जाता है। इस दिन लोगों को रेडियोग्राफी तकनीक के प्रति जागरूक किया जाता है तथा रेडियोग्राफी के महत्व को बताया जाता है।

पहला रेडियोग्राफी दिवस

अंतर्राष्ट्रीय रेडियोग्राफी दिवस पहली बार 2012 में यूरोपियन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी (ईएसआर), रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएसएनए) और अमेरिकन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी (एसीआर) की संयुक्त पहल से आयोजित किया गया। इससे पहले रॉन्टगन जी की पुण्य तिथि पर 10 फरवरी, 2011 को यूरोपीय रेडियोलॉजी दिवस (ईडीओआर) मनाया गया था। यह ईडीओआर का पहला और एकमात्र उत्सव था और इसकी लोकप्रियता के कारण, अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस की स्थापना की गई। कालांतर में विल्हेम कॉनराड रॉन्टगन की पुण्यतिथि पर आयोजित किये जाने वाले इस उत्सव को उनके द्वारा किये गये एक्स-रे की खोज के दिवस पर मनाया जाने लगा। 28 नवंबर, 2011 को शिकागो में वार्षिक बैठक के दौरान, 8 नवंबर को यूरोपियन सोसाइटी ऑफ रेडियोलॉजी (ईएसआर), रेडियोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ नॉर्थ अमेरिका (आरएसएनए) और अमेरिकन कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजी (एसीआर) द्वारा आधिकारिक तौर पर अंतर्राष्ट्रीय रेडियोलॉजी दिवस के रूप में पुष्टि की गई थी।

अंतर्राष्ट्रीय रेडियोग्राफी दिवस का महत्व

रेडियोग्राफी तकनीक बीमारियों का पता लगाने और इनके उपचार के लिये बहुत महत्वपूर्ण है। यह एक ऐसी आधारभूत तकनीक है जिसके द्वारा बीमारी की जानकारी प्राप्त होती है। पूर्व में रेडियोग्राफी तकनीक का उपयोग सिर्फ एक्स-रे के लिये किया जाता था। निरंतर वैज्ञानिक खोजों ने समय के साथ तकनीक को परिष्कृत किया और नई जांचों को शामिल किया। वर्तमान में एक्स-रे, मैम्मेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) स्कैन, अल्ट्रासाउंड, मैमोग्राफी, कम्प्यूटेड टोमोग्राफी (सीटी) स्कैन और एंजियोग्राफी विभिन्न प्रकार की रेडियोग्राफी तकनीकें हैं। चूंकि चिकित्सा इमेजिंग तकनीकों के बारे में लोग जानते तो हैं लेकिन इसे विस्तार से समझ नहीं पाते। अंतर्राष्ट्रीय रेडियोग्राफी दिवस मनाने का उद्देश्य है कि रेडियोग्राफी के क्षेत्र के लोग मेडिकल इमेजिंग की चिकित्सा, वैज्ञानिक और कलात्मक संभावनाओं को लेकर एक साथ मिलकर बात करें तथा लोगों को इसके लाभ के बारे में स्पष्ट करें। इस दिन रेडियोग्राफी से जुड़े लोगों को मेडिकल इमेजिंग के क्षेत्र में काम करने के लिए समझ विकसित करने और व्यावसायिक मानकों के बारे में भी जानकारी दी जाती है। अंतर्राष्ट्रीय रेडियोग्राफी दिवस इंटरवेंशनल रेडियोग्राफी और रोगियों के इलाज में इसकी आवश्यक भूमिका से परिचित कराता है। यूरोपियन सोसाइटी ऑफ रेडियोग्राफी का मानना है कि चिकित्सा में मेडिकल इमेजिंग की महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकार करना जरूरी है।

- हितेश शर्मा

(लेखक : सम-सामयिक विषयों पर लेखन करते हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिये

सामान्य ज्ञान - मध्यप्रदेश

1. कौन-सा प्रदेश, देश का हृदय प्रदेश कहा जाता है?
A. मध्यप्रदेश B. उत्तरप्रदेश
C. आंध्रप्रदेश D. अरुणाचल प्रदेश
उत्तर- A. मध्यप्रदेश

2. मध्यप्रदेश को लेकर इसमें से कौन सा तथ्य सही है?
A. प्रदेश की कोई तट रेखा नहीं है
B. प्रदेश की कोई अंतर्राष्ट्रीय सीमा नहीं है
C. यह प्रदेश, देश के केंद्र में स्थित है
D. उपरोक्त सभी
उत्तर- D. उपरोक्त सभी

3. मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना किस वर्ष की गई थी?
A. 1955 B. 1956
C. 1958 D. 1954
उत्तर- B. 1956

4. मध्यप्रदेश की राजधानी है?
A. इंदौर B. भोपाल
C. जबलपुर D. उज्जैन
उत्तर- B. भोपाल

5. 01 नवंबर, 2000 को मध्यप्रदेश से अलग कर कौन सा राज्य गठित किया गया था?
A. छत्तीसगढ़ B. उत्तराखंड
C. तेलंगाना D. झारखंड
उत्तर- A. छत्तीसगढ़

6. मध्यप्रदेश के बारे में इनमें से कौन सा तथ्य सही है?
A. राजकीय पुष्प - सफेद लिली
B. राजकीय खेल - मलखंब
C. राजकीय मछली - महाशीर
D. उपरोक्त सभी
उत्तर- D. उपरोक्त सभी

7. मध्यप्रदेश में जिलों को वर्तमान में कुल कितने संभागों के अंतर्गत विभाजित किया गया है?
A. 10 B. 11
C. 12 D. 15
उत्तर- A. 10

8. मध्यप्रदेश में कुल कितने विधानसभा क्षेत्र हैं?
A. 200 B. 230
C. 250 D. 280
उत्तर- B. 230

9. यूनेस्को की विश्व धरोहर में शामिल प्रसिद्ध बौद्ध स्तूप मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थित है?
A. जबलपुर B. विदिशा
C. उज्जैन D. रायसेन
उत्तर- D. रायसेन

10. मध्यप्रदेश का नवगठित 53वां जिला कौन-सा है?
A. नागदा B. आगर मालवा
C. मऊगंज D. मैहर
उत्तर- C. मऊगंज

11. देवी अहिल्याबाई होल्कर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा मध्यप्रदेश के किस शहर में स्थित है?
A. इंदौर B. भोपाल
C. महेश्वर D. खजुराहो
उत्तर- A. इंदौर

12. मध्यप्रदेश में कुल कितने लोकसभा क्षेत्र हैं?
A. 30 B. 29
C. 28 D. 25
उत्तर- B. 29

13. मध्यप्रदेश की सीमा किस राज्य को स्पर्श नहीं करती है?
A. गुजरात B. राजस्थान
C. पश्चिम बंगाल D. उत्तरप्रदेश
उत्तर- C. पश्चिम बंगाल

14. मध्यप्रदेश का राजकीय पक्षी कौन है?
A. गौरिया B. दूधराज
C. बाज D. नीलकंठ
उत्तर- B. दूधराज

15. मध्यप्रदेश के एक मात्र हिल स्टेशन का क्या नाम है?
A . सतपुड़ा B. जानापाव
C. अमरकंटक D. पचमढ़ी
उत्तर- D. पचमढ़ी

16. मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध तानसेन समारोह किस जिले में आयोजित किया जाता है?
A. इंदौर B. ग्वालियर
C. भोपाल D. जबलपुर
उत्तर- B. ग्वालियर

17. मध्यप्रदेश का प्रमुख रेलवे जंक्शन इटारसी किस जिले में स्थित है?
A . नर्मदापुरम B. भोपाल
C. जबलपुर D. कटनी
उत्तर- A . नर्मदापुरम

18. प्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो में स्थित मंदिरों का निर्माण किस वंश के शासकों ने कराया था?
A. चोल B. चालुक्य
C. चंदेल D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- C. चंदेल

19. हीरा उत्खनन खदान मध्यप्रदेश के किस जिले में स्थित है?
A . बालाघाट B. पन्ना
C. डिंडोरी D. मंडला
उत्तर- B. पन्ना

20. मध्यप्रदेश के किस शहर का प्राचीन नाम अवंतिका था?
A . इंदौर B. विदिशा
C. महेश्वर D. उज्जैन
उत्तर- D. उज्जैन

21. मध्यप्रदेश में यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय किस शहर में है?
A . ग्वालियर B. जबलपुर
C. बुरहानपुर D. भिंड
उत्तर- C. बुरहानपुर

22. मध्यप्रदेश में विद्युत उत्पादन प्रारंभ होने के बारे में कौन-सा तथ्य सही है?
A. सन् 1905 - ग्वालियर
B. सन् 1900 - जबलपुर
C. सन् 1920 - इंदौर
D. सन् 1901 - सीहोर
उत्तर- A. सन् 1905 - ग्वालियर

23. मध्यप्रदेश के लिए राज्य सभा में कितनी सीटें निर्धारित की गई हैं?
A. 10 B. 11
C. 12 D. 15
उत्तर- B. 11

24. मध्यप्रदेश का बुरहानपुर जिला पूर्व में किसका हिस्सा था?
A. रीवा B. जबलपुर
C. पूर्व निमाड़ D. उज्जैन
उत्तर- C. पूर्व निमाड़

25. मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों के बारे में इनमें से कौन सा तथ्य सही नहीं है?
A. जहाजमहल - इंदौर
B. भेड़ाघाट - जबलपुर
C. कान्हा राष्ट्रीय उद्यान - मंडला
D. भीमबैठका - रायसेन
उत्तर- A. जहाजमहल - इंदौर

26. प्रथम स्वाधीनता संग्राम के एक प्रमुख सेनानायक तात्या टोपे को मप्र के किस नगर में फांसी दी गई थी?
A. मंदसौर B. शिवपुरी
C. श्योपुर D. ग्वालियर
उत्तर- B. शिवपुरी

27. मध्यप्रदेश के दक्षिण में कौन-सा राज्य स्थित है?
A. महाराष्ट्र B. राजस्थान
C. छत्तीसगढ़ D. उत्तरप्रदेश
उत्तर- A. महाराष्ट्र

28. हेलियोडोरस (गरुड़ ध्वज) के नाम से प्रसिद्ध अति प्राचीन पाषाण स्तंभ किस जिले में स्थित है?
A. रायसेन B. सागर
C. भोपाल D. विदिशा
उत्तर- D. विदिशा

29. मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध 'रामायण कला संग्रहालय' कहां स्थित है?
A. उज्जैन B. ओरछा
C. टीकमगढ़ D. ओंकारेश्वर
उत्तर- B. ओरछा

30. मध्यप्रदेश में आकाशवाणी की शुरुआत सर्वप्रथम किस शहर में हुई थी?
A. भोपाल B. खंडवा
C. जबलपुर D. इंदौर
उत्तर- D. इंदौर

31. किस नदी को मध्यप्रदेश की जीवन रेखा कहा जाता है?
A. शिप्रा B. सोन
C. नर्मदा D. चंबल
उत्तर- C. नर्मदा

32. राष्ट्रीय बैंक नोट प्रेस मध्यप्रदेश के किस शहर में स्थित है?
A. भोपाल B. देवास
C. इंदौर D. होशंगाबाद
उत्तर- B. देवास

33. कर्क रेखा मध्यप्रदेश के कितने जिलों से होकर गुजरती है?
A. 14 B. 18
C. 12 D. 10
उत्तर- A.14

34. मध्यप्रदेश का वह एकमात्र जिला कौन सा है जहां से भारतीय मानक समय (I.S.T.) रेखा गुजरती है?
A. जबलपुर B. इंदौर
C. सतना D. सिंगरौली
उत्तर- D. सिंगरौली

35. मध्यप्रदेश का पहला मेडिकल कॉलेज किस शहर में स्थापित किया गया था?
A. इंदौर B. ग्वालियर
C. भोपाल D. जबलपुर
उत्तर- B. ग्वालियर

36. मध्यप्रदेश की नहर परियोजनाओं के बारे में इनमें से कौन-सा तथ्य सही नहीं है?
A. माही नहर - माही नदी
B. तवा नहर - नर्मदा नदी
C. देजला देवड़ा नहर - कुंदा नदी
D. चंबल नहर - चंबल नदी
उत्तर- B. तवा नहर - नर्मदा नदी

37. मध्यप्रदेश में हाईकोर्ट किस शहर में है?
A . इंदौर B. जबलपुर
C. रीवा D. ग्वालियर
उत्तर- D. जबलपुर

38. मध्यप्रदेश में कौन सा विश्व धरोहर स्थल अंतर्राष्ट्रीय नृत्य महोत्सव के लिए भी प्रसिद्ध है?
A. खजुराहो B. सांची
C. भीमबैठका D. ग्वालियर
उत्तर- A. खजुराहो

39. क्षेत्रफल के आधार पर मध्यप्रदेश देश में किस स्थान पर है?
A. पहले B. दूसरे
C. तीसरे D. चौथे
उत्तर- B. दूसरे

40. मध्यप्रदेश की प्रमुख बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना 'बाणसागर बांध' किस नदी पर स्थित है?
A. बेतवा B. नर्मदा
C. सोन D. तवा
उत्तर- C. सोन

41. मध्यप्रदेश का राजकीय फल क्या है?
A. आम B. पपीता
C. संतरा D. अमरूद
उत्तर- A. आम

42. मध्यप्रदेश की किस जनजाति में 'दूध लोटवा विवाह' प्रचलित है?
A. भील B. गोंड
C. सहरिया D. भारिया
उत्तर- B. गोंड

43. मध्यप्रदेश में कौन सी मिट्टी सर्वाधिक पाई जाती है?
A. लाल मिट्टी B. पीली मिट्टी
C. चिकनी मिट्टी D. काली मिट्टी
उत्तर- D. काली मिट्टी

44. मध्यप्रदेश का प्रमुख अफीम उत्पादक जिला कौन सा है??
A. धार B. मंदसौर
C. खंडवा D. जबलपुर
उत्तर- B. मंदसौर

45. मध्यप्रदेश के किस किले को 'भारत का जिब्राल्टर' कहा जाता है??
A. ग्वालियर B. मांडू
C. मंडला D. जबलपुर
उत्तर- A. ग्वालियर

46. मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाले इन प्रमुख संगीत आयोजनों के बारे में कौन सी जोड़ी सही नहीं है?
A. तानसेन संगीत समारोह - ग्वालियर
B. ध्रुपद संगीत समारोह - भोपाल
C. अलाउद्दीन खां संगीत समारोह - मैहर
D. कालिदास संगीत समारोह- देवास
उत्तर- D. कालिदास संगीत समारोह- देवास

47. मध्यप्रदेश का कौन सा जिला संगमरमर के लिए प्रसिद्ध है?
A. आगर मालवा B. जबलपुर
C. शहडोल D. उमरिया
उत्तर- B. जबलपुर

48. मध्यप्रदेश की ताप्ती नदी का उद्गम स्थल है?
A. अमरकंटक B. भेड़ाघाट
C. मुलताई D. जानापाव
उत्तर- C. मुलताई

49. मध्यप्रदेश का पहला राष्ट्रीय उद्यान कौन-सा है?
A. बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान
B. माधव राष्ट्रीय उद्यान
C. पेंच राष्ट्रीय उद्यान
D. कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान
उत्तर- D. कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान

50. मध्यप्रदेश का कौन सा संभाग क्षेत्रफल में सबसे बड़ा है?
A. इंदौर B. भोपाल
C. चंबल D. जबलपुर
उत्तर- D जबलपुर

51. चचाई जल प्रपात मध्यप्रदेश के किस जिले में है?
A. शहडोल B. रीवा
C. खरगोन D. सतना
उत्तर- B. रीवा

52. मध्यप्रदेश के किस शहर में आईआईटी और आईआईएम दोनों हैं?
A. इंदौर B. भोपाल
C. जबलपुर D. ग्वालियर
उत्तर- A. इंदौर

53. मध्यप्रदेश की किस नदी को चर्मावती (प्राचीन नाम 'चर्मण्यवती') के नाम से भी जाना जाता है ?
A. बेतवा B. नर्मदा
C. चंबल D. सोन
उत्तर- C. चंबल

54. 'पगल्या' मध्यप्रदेश के किस अंचल की लोक चित्रकला है ?
A. बुंदेलखंड B. मालवा
C. निमाड़ D. बघेलखंड
उत्तर- B. मालवा

55. मध्यप्रदेश का एस्बेस्टस उत्पादक प्रमुख क्षेत्र कौन-सा है?
A. भिंड B. धार
C. झाबुआ D. बैतूल
उत्तर- C. झाबुआ

56. मध्यप्रदेश का श्योपुर जिला किस संभाग के अंतर्गत आता है?
A. जबलपुर B. ग्वालियर
C. रीवा D. चंबल
उत्तर- D. चंबल

57. 'भूरसिंह द बारहसिंगा' मध्यप्रदेश के किस राष्ट्रीय उद्यान का अधिकारिक शुभंकर है?
A. बांधवगढ़ B. पेंच
C. कान्हा-किसली D. संजय डुबरी
उत्तर- C. कान्हा किसली

58. मध्यप्रदेश में कपास अनुसंधान केंद्र कहां स्थित है?
A. रतलाम B. खरगोन
C. इंदौर D. धार
उत्तर- B. खरगोन

59. कैप्टन रूपसिंह स्टेडियम मध्यप्रदेश के किस शहर में स्थित है?
A. ग्वालियर B. जबलपुर
C. इंदौर D. भोपाल
उत्तर- A. ग्वालियर

60. आबादी के मान से मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी जनजाति कौन-सी है?
A. सहरिया B. भारिया
C. भील D. गोंड
उत्तर- C. भील

61. मध्यप्रदेश में 'कुमार गन्धर्व सम्मान' किस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है?
A. साहित्य B. खेल
C. संगीत D. संस्कृति
उत्तर- C. संगीत

62. मध्यप्रदेश का मलाजखंड क्षेत्र किस खनिज के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध है?
A. चूना पत्थर B. बाक्साइट
C. तांबा D. इनमें से कोई नहीं
उत्तर- C. तांबा

- रीता मोदी
(लेखिका : प्रतियोगी परीक्षा वाले विषयों पर लेखन करती हैं।)

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण प्रश्न

सामान्य ज्ञान

1. प्रागैतिहासिक काल के अंतर्गत किन संस्कृतियों को रखा जाता है?
A. कांस्य
B. ताम्र
C. पाषाण
D. लौह

2. सिन्धु सभ्यता में विशाल अन्नागार कहां से प्राप्त हुआ है?
A. हड़प्पा
B. मोहनजोदड़ो
C. राखीगढ़ी
D. सुरकोवड़ा

3. उत्तरवैदिक काल में इन्द्र का स्थान किस देवता को मिला?
A. वरूण
B. प्रजापति
C. विष्णु
D. महेश

4. सिकन्दर के समय मगध पर किसका शासन था?
A. महापद्मनन्द
B. धनानन्द
C. चन्द्रगुप्त मौर्य
D. पोरस

5. अशोक के किस शिलालेख में उसकी कलिंग विजय का उल्लेख मिलता है?
A. नौवें
B. दसवें
C. ग्यारहवें
D. तेरहवें

6. 'कुतुबमीनार' का निर्माण किसने पूर्ण करवाया?
A. कुतुबुद्दीन ऐबक
B. इल्तुतमिश
C. सिकन्दर लोधी
D. फिरोजशाह तुगलक

7. जलियांवाला बाग हत्याकांड के बाद किस भारतीय ने अपनी 'सर' की उपाधि वापस कर दी?
A. शंकरन नायर
B. हैदर अली
C. रविन्द्रनाथ टैगोर
D. महात्मा गांधी

8. विश्व का सर्वाधिक ऊंचा सक्रिय ज्वालामुखी है?
A. किलिमंजारो
B. कोटोपैक्सी
C. चिम्बोरोजो
D. कैस्कड

9. भूकम्प की तीव्रता की माप किस यन्त्र के द्वारा की जाती है?
A. स्टेथोस्कोप
B. सिस्मोग्राफ
C. कैलिपर्स
D. उपरोक्त कोई नहीं

10. लाल सागर, भूमध्य सागर से किस नहर के द्वारा जुड़ा हुआ है?
A. पनामा
B. कील
C. स्वेज
D. ईरी

11. 'बैरन' तथा 'नारकोण्डम' ज्वालामुखी द्वीप अवस्थित है?
A. लक्षद्वीप में
B. अंडमान निकोबार में
C. बंगाल की खाड़ी
D. उपरोक्त कोई नहीं

12. संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया गया था?
A. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
B. डॉ. भीमराव अम्बेडकर
C. डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा
D. डॉ. बी.एन.राव

13. भारतीय संविधान के किस भाग को उसकी 'आत्मा' की संज्ञा दी गई है?
A. प्रस्तावना
B. मूलअधिकार
C. संशोधन प्रक्रिया
D. संवैधानिक उपचार

14. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है?
A. राष्ट्रपति
B. प्रधानमंत्री
C. राज्यपाल
D. सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश

15. मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी है?
A. राष्ट्रपति
B. लोकसभा
C. राज्यसभा
D. लोकसभाध्यक्ष

16. दल-बदल से संबंधित कानून का उल्लेख किस अनुसूची में है?
A. आठवीं
B. नौवीं
C. दसवीं
D. ग्यारहवीं

17. भारत में पहली पंचवर्षीय योजना कब शुरू की गई?
A. 1 अप्रैल, 1950
B. 1 अप्रैल, 1951
C. 1 अप्रैल, 1952
D. 1 अप्रैल, 1953

18. 'बोकारो इस्पात संयंत्र' की स्थापना किस योजना के दौरान की गयी?
A. द्वितीय
B. तृतीय
C. चतुर्थ
D. पंचम

19. वैट (VAT) किस प्रकार का कर है?
A. अप्रत्यक्ष
B. प्रत्यक्ष
C. उपरोक्त दोनों
D. उपरोक्त कोई नहीं

20. देश का सबसे बड़ा वाणिज्यिक बैंक कौन सा है?
A. ICICI
B. HDFC
C. भारतीय रिज़र्व बैंक
D. भारतीय स्टेट बैंक

21. दाब बढ़ाने पर बर्फ का गलनांक-
A. बढ़ता है
B. घटता है
C. अपरिवर्तित रहता है
D. उपरोक्त सभी

22. सूर्य से प्राप्त रंगों में किस रंग का विक्षेपण सर्वाधिक होता है?
A. लाल
B. पीला
C. बैंगनी
D. नारंगी

23. नाभिकीय रिएक्टर में मंदक के रूप में प्रयोग किया जाता है?
A. भारी जल B. सी.एफ.सी.
C. हाइड्रोजन D. नाइट्रोजन

24. जीवाश्म की आयु का पता किस विधि से लगाया जाता है?
A. यूरेनियम डेटिंग
B. कार्बन डेटिंग
C. परम्यूटिट विधि
D. उपरोक्त सभी

25. निम्न में से मनुष्यों में होने वाले आनुवांशिक रोग कौन से हैं?
A. वर्णान्धता
B. हीमोफीलिया
C. टर्नर सिण्ड्रोम
D. उपरोक्त सभी

26. 'चेतना ऊतक' किस प्रकार के ऊतक को कहा जाता है?
A. उपकला
B. तंत्रिका
C. वेशीय
D. उपरोक्त सभी

27. भोजन में उपस्थित शर्करा को माल्टोस में बदलता है?
A. टॉयलिन
B. रेनिन
C. पेप्सिन
D. लाइपेस

28. पर्वतीय भागों में किस प्रकार की खेती सर्वोत्तम मानी जाती है?
A. झूम खेती
B. सोपान खेती
C. कन्टूर खेती
D. इनमें से कोई नहीं

29. कितने डेसीबल से अधिक की ध्वनि प्रदूषक मानी जाती है?
A. 45
B. 60
C. 65
D. 75

30. धान में 'खैरा' रोग किस खनिज की कमी से होता है?
A. सोडियम
B. अमोनिया
C. मॉलिब्डेनम
D. जिंक

31. 'हरित क्रांति' का जनक किसे माना जाता है?
A. नार्मन बोरलॉग
B. लुई पाश्चर
C. रॉबर्ट कोच
D. उपरोक्त कोई नहीं

32. निम्न में से कौन एक कम्प्यूटर की भाषा नहीं है?
A. C
B. BASIC
C. FORTRAN
D. FAST

33. भारत में निर्मित प्रथम कम्प्यूटर है?
A. सिद्धार्थ
B. परम
C. मेघा
D. साइबर

34. भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की लंबाई, चौड़ाई का अनुपात है?
A. 2:3 B. 3:2
C. 3:4 D. 4:3

35. अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस है?
A. 8 मार्च
B. 12 मार्च
C. 5 जून
D. 10 दिसंबर

36. 'गीत गोविन्द' के रचयिता हैं?
A. भर्तृहरि
B. जयदेव
C. विशाखदत्त
D. भाष

37. नोबल पुरस्कार प्राप्त करने वाला प्रथम भारतीय है?
A. सी.वी. रमन
B. मदर टेरेसा
C. रविन्द्र नाथ टैगोर
D. हरगोविन्द खुराना

38. 'राजघाट' किसका समाधि स्थल है?
A. महात्मा गांधी
B. विवेकानंद
C. इंदिरा गांधी
D. राजेन्द्र प्रसाद

39. भारत का सरकारी दस्तावेज, जो तथ्यों सहित प्रकाशित किया जाता है?
A. ग्रीन बुक
B. व्हाईट पेपर
C. व्हाईट बुक
D. ऑरेंज पेपर

40. संगीत नाटक अकादमी की स्थापना किस वर्ष में की गई थी?
A. 1952
B. 1953
C. 1954
D. 1955

41. मानव खाद्य पदार्थों का उत्पादक एवं उपभोक्ता कब बना?
A. मध्यपाषाण काल
B. ताम्रपाषाण काल
C. नवपाषाण काल
D. उपरोक्त कोई नहीं

42. मानव ने सर्वप्रथम किस धातु का प्रयोग किया?
A. लोहा
B. पीतल
C. तांबा
D. चांदी

43. निम्न में से किसके शासनकाल में बौद्ध धर्म दो भागों (हीनयान तथा महायान) में बंट गया?
A. अजातशत्रु
B. अशोक
C- कालाशोक
D. कनिष्क

44. मोहम्मद गोरी ने 1192 में हुए तराईन के द्वितीय युद्ध में किस शासक को पराजित किया?
A. दाहिर
B. जयचन्द
C. लक्ष्मण सेन
D. पृथ्वीराज चौहान

45. निम्न में से किस शासक ने 'लौह एवं रक्त' की नीति का पालन किया?
A. राजिया सुल्तान
B. बलवन
C. मुहम्मद बिन तुगलक
D. अलाउद्दीन खिलजी

46. कौनसा विदेशी आक्रमणकारी भारत से 'कोहिनूर हीरा' तथा 'मयूर सिंहासन' ले गया था?
A. नादिरशाह
B. जमानशाह
C. तैमूर लंग
D. अहमदशाह अब्दाली

47. 'वहाबी आंदोलन' के प्रवर्तक थे?
A. दादू मिया
B. सैयद अहमद
C. मौलवी अहमदुल्लाह
D. उपरोक्त कोई नहीं

48. साइमन कमीशन के विरुद्ध प्रदर्शन के दौरान किये गये लाठी चार्ज में किस राजनेता की मृत्यु हो गई?
A. अरविंद घोष
B. चितरंजन दास
C. लाला लाजपत राय
D. उपरोक्त कोई नहीं

49. विश्व का सबसे ऊंचा पर्वत शिखर है?
A. एकांकागुआ
B. किलिमंजारो
C. माउंट एवरेस्ट
D. मोनालोआ

50. पृथ्वी के कितने प्रतिशत भाग पर जल मण्डल का विस्तार है?
A. 29 प्रतिशत
B. 65 प्रतिशत
C. 71 प्रतिशत
D. 74 प्रतिशत

51. निम्न में से किस शहर को 'इटरनल सिटी' कहा जाता है?
A. रोम
B. सीतामढ़ी
C. पेरिस
D. जेरूसलेम

52. निम्न में से कौनसी मिट्टी कपास की खेती के लिये उपयुक्त होती है?
A. जलोढ़ B. काली
C. पठारी D. लैटेराइट

53. उत्तरी ध्रुव पर सर्वप्रथम पहुंचने वाला व्यक्ति था?
A. एमण्ड सेन B. कैप्टन कुक
C. कोपरनिकस D. रॉबर्ट पियरी

54. सम्पत्ति के अधिकार को किस संविधान संशोधन के द्वारा हटा दिया गया है?
A. 44वें B. 46वें
C. 48वें D. 52वें

55. भारतीय संघ की शक्ति किसमें निर्हित हैं?
A. संसद
B. राष्ट्रपति
C. प्रधानमंत्री
D. मंत्रीमण्डल

उत्तरमाला

(1) C (2) B (3) B (4) B
(5) D (6) B (7) C (8) B
(9) B (10) C (11) B (12) C
(13) A (14) A (15) B (16) C
(17) B (18) B (19) A (20) D
(21) B (22) C (23) A (24) B
(25) D (26) B (27) A (28) C
(29) A (30) D (31) A (32) D
(33) A (34) B (35) A (36) B
(37) C (38) A (39) B (40) B
(41) C (42) C (43) D (44) D
(45) B (46) A (47) B (48) C
(49) C (50) C (51) A (52) B
(53) D (54) A (55) B

- सविता रघुवंशी
(लेखिका, प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर लेखन करती हैं)

अमोल बने भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच

मुंबई, भारत के दिग्गज घरेलू क्रिकेटर अमोल मजूमदार को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने महिला टीम के मुख्य कोच पद के लिए उम्मीदवारों के साक्षात्कार लिए थे। बीसीसीआई ने कहा कि सीएसी ने सर्वसम्मति से मजूमदार का चयन किया है। भारतीय महिला टीम में मुख्य कोच का पद काफी समय से खाली था। ऋषिकेश कानिटकर अस्थाई रूप से मुख्य कोच का दायित्व संभाल रहे थे। अमोल मजूमदार ने अपने कॅरियर में एक भी अंतर्राष्ट्रीय मैच नहीं खेला लेकिन उनके पास घरेलू क्रिकेट का वृहद अनुभव है। उन्होंने 171 प्रथम श्रेणी और 113 लिस्ट ए मैच खेले हैं।

आईसीसी क्रिकेट विश्वकप-2023

भारत ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

मुंबई, भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी वन-डे विश्वकप में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने ग्रुप चरण में श्रीलंका को 302 रनों से हराया। भारतीय टीम आईसीसी वन-डे विश्वकप में बेहतरीन लय में नजर आ रही है। भारतीय टीम की इस विश्वकप में ये लगातार सातवीं जीत है।

मैच में श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। श्रीलंका के दिलशान मदुशंका ने पारी की दूसरी गेंद पर भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आउट कर टीम इंडिया को बड़ा झटका दिया। भारत की पारी को शुभमन गिल (92) और विराट कोहली (88) ने संभाला। इन बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 189 रन जोड़े। एक समय ये दोनों बल्लेबाज शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन मदुशंका ने 4 रन के अंतराल में इन दोनों बल्लेबाजों को आउट कर दिया। इसके बाद श्रेयस ने 56 गेंदों में 82 रन बनाकर भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। अंतिम ओवरों में रवींद्र जडेजा ने 35 रनों की तेजतर्रार पारी खेली, जिसकी बदौलत भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में 8 विकेट खोकर 357 रन बनाये।

- **शमी वन-डे विश्वकप में सबसे ज्यादा (45) विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बने, पहले यह रिकॉर्ड जहीर खान (44) के नाम था।**
- **शमी वन-डे विश्वकप में 3 बार 5 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बने।**
- **मैच में श्रेयस अय्यर ने 106 मीटर का छक्का लगाया, जो इस विश्वकप में सबसे लंबा छक्का है।**

लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और मोहम्मद शमी की तिकड़ी ने श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया। बुमराह ने पारी की पहली गेंद पर पथुम निशांका को आउट किया। इसके बाद सिराज ने भी अपने पहले ओवर में दो विकेट झटककर श्रीलंका को दबाव में ला दिया। इस विश्वकप में बेहतरीन लय में नजर आ रहे शमी ने भी घातक गेंदबाजी से श्रीलंकाई बल्लेबाजों को टिकने नहीं दिया। शमी ने 5 ओवर के अपने स्पैल में 18 रन देकर 5 विकेट लिए। वहीं सिराज ने 3 तथा बुमराह और रवींद्र जडेजा ने 1-1 विकेट लिया। श्रीलंकाई टीम महज 19.4 ओवरों में 55 रन बना सकी।

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में खेलेंगी आठ टीमें

दुबई, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि वन-डे विश्वकप-2023 के ग्रुप चरण समाप्त होने के बाद अंक तालिका में शीर्ष सात स्थान पर रहने वाली टीमें वर्ष 2025 में पाकिस्तान में खेले जाने वाली आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए सीधी क्वालिफाई करेंगी। वहीं पाकिस्तान को मेजबान टीम के रूप में टूर्नामेंट में डायरेक्ट एंट्री मिली है। आईसीसी की मुख्य कार्यकारी समिति ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी -2025 में आठ टीमें हिस्सा लेंगी। यह टूर्नामेंट पुराने प्रारूप में खेला जाएगा, जिसमें चार-चार टीमों को दो ग्रुप में बांटा जाएगा।

वर्स्टापेन ने जीती मैक्सिको सिटी ग्रां प्री फॉर्मूला-वन रेस

मैक्सिको सिटी, रेडबुल के स्टार रेसर मैक्स वर्स्टापेन का फॉर्मूला-वन सर्किट पर जीत का सिलसिला जारी है। वर्स्टापेन ने एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए मैक्सिको सिटी ग्रां प्री रेस जीती है। 71 लैप की इस रेस को वर्स्टापेन ने 2 घंटा 2 मिनट और 30 सेकेंड में पूरा कर जीत अपने नाम की। इस रेस में मर्सिडीज के पूर्व विश्व चैम्पियन लुईस हैमिल्टन दूसरे, चार्ल्स लेकलर्क तीसरे, कार्लोस सेंज चौथे और लेंडो नॉरिस पांचवें स्थान पर रहे।

लियोनल मेसी ने आठवीं बार जीता बेलोन डि ओर पुरस्कार

पेरिस, अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के कप्तान लियोनल मेसी ने एक बार फिर विश्व फुटबॉल में अपना जलवा बिखेरते हुए प्रतिष्ठित बेलोन डि ओर पुरस्कार अपने नाम किया है। मेसी को रिकॉर्ड आठवीं बार बेलोन डि ओर पुरस्कार से नवाजा गया है। मेसी ने मैनचेस्टर सिटी के एर्लिंग हॉलैंड और पेरिस सेंट जर्मेन के किलियन एमबाप्पे को पछाड़कर यह पुरस्कार जीता है।

बेलोन डि ओर पुरस्कार विगत सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले फुटबॉलर को दिया जाता है। मेसी की कप्तानी में अर्जेंटीना ने पिछले वर्ष फ्रांस को हराकर फीफा विश्वकप का खिताब जीता था।

- **लियोनल मेसी के नाम सबसे ज्यादा (8) बार बेलोन डि ओर पुरस्कार जीतने का रिकॉर्ड है।**
- **मेसी ने इससे पहले वर्ष 2009, 2010, 2011, 2012, 2015, 2019 और 2021 में भी जीता है यह पुरस्कार।**
- **मेसी के प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पांच बार जीता है बेलोन डि ओर।**

महिला वर्ग में बोनमाटी ने जीता पुरस्कार

महिला वर्ग में बेलोन डि ओर पुरस्कार स्पेन की ऐताना बोनमाटी को मिला। बोनमाटी ने फीफा महिला विश्वकप में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्पेन की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा बोनमाटी ने अपने क्लब बार्सिलोना को महिला चैम्पियंस लीग में जिताया है।

सऊदी अरब को मिल सकती है विश्वकप की मेजबानी

जिनेवा, सऊदी अरब फुटबॉल के सबसे बड़े टूर्नामेंट फीफा विश्वकप की मेजबानी कर सकता है। वर्ष 2034 में आयोजित होने वाले फीफा विश्वकप की मेजबानी की दौड़ में शामिल ऑस्ट्रेलिया ने इस विश्वकप की मेजबानी की नीलामी की प्रक्रिया में शामिल नहीं होने का फैसला किया, जिसके चलते अब सऊदी अरब अकेला दावेदार बचा है। मेजबानी में शामिल होने की डेडलाइन खत्म होने के कुछ घंटे पहले ही फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया ने यह फैसला लिया है। फुटबॉल ऑस्ट्रेलिया की गवर्निंग बॉडी ने कहा कि हमारा ध्यान वर्ष 2026 में आयोजित होने वाले एएफसी महिला एशिया कप और वर्ष 2029 में होने वाले फीफा क्लब विश्वकप की तैयारियों पर है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2026 में अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा संयुक्त रूप से फीफा विश्वकप का आयोजन करेंगे, वहीं वर्ष 2030 में विश्वकप स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को में खेला जाएगा।

जोनाथन ने पहली बार जीता फ्रेंच ओपन बैडमिंटन खिताब

ओडेंस, इंडोनेशिया के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी ने फ्रेंच ओपन में शानदार प्रदर्शन किया और खिताब अपने नाम किया है। टूर्नामेंट में पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में क्रिस्टी ने चीन के ली शिफेंग को रोमांचक मुकाबले में 16-21, 21-15, 21-14 से हराया।

इससे पहले जोनाथन क्रिस्टी ने सेमीफाइनल में लोह कीन येव को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में क्रिस्टी को ली शिफेंग से कड़ी टक्कर मिली। मैच में शिफेंग ने शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले गेम में क्रिस्टी को 21-16 से हराया। इसके बाद क्रिस्टी ने पलटवार किया और दूसरा गेम 21-15 से जीत लिया। तीसरे गेम में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन अंत में शिफेंग पिछड़ गए और क्रिस्टी ने 21-14 से जीत हासिल कर ली।

महिला वर्ग में यूफेई बनीं विजेता

फ्रेंच ओपन में महिला एकल वर्ग का खिताब चीन की दिग्गज खिलाड़ी चेन यूफेई ने जीता। यूफेई ने फाइनल में चीनी ताइपे की ताई जू यिंग को 21-17, 22-20 से हराया। फाइनल मुकाबले में यूफेई के सामने ताई जू यिंग ज्यादा देर तक टिक नहीं पाई और लगातार गेमों में मैच हार गईं। इस वर्ष में ये यूफेई का तीसरा खिताब है। इससे पहले यूफेई डेनमार्क ओपन और इंडोनेशिया ओपन टूर्नामेंट जीत चुकी हैं।

- **जोनाथन क्रिस्टी ने पहली बार जीता है फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट।**
- **जोनाथन क्रिस्टी ने इस वर्ष अब तक तीन बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीते हैं।**

पैरा एशियन गेम्स

भारत ने 111 पदक जीतकर रचा इतिहास

हांगझोऊ, भारतीय पैरा खिलाड़ियों ने चीन में आयोजित पैरा एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया है। भारतीय खिलाड़ियों ने पैरा एशियन गेम्स में अपने अभियान का अंत 111 पदकों के साथ किया है। ये किसी भी अंतर्राष्ट्रीय मल्टी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

भारतीय खिलाड़ियों ने पैरा एशियन गेम्स में 29 स्वर्ण, 31 रजत और 51 कांस्य सहित कुल 111 पदक जीते। खिलाड़ियों के इस बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत भारत पदक तालिका में पांचवें स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में चीन ने सबसे ज्यादा 521 पदक जीते, इनमें 214 स्वर्ण, 167 रजत और 140 कांस्य पदक शामिल हैं।

पैरा एशियन गेम्स-2023 में भारत ने सबसे ज्यादा पदक एथेलेटिक्स खेल में जीते। एथेलेटिक्स में भारत ने 18 स्वर्ण, 17 रजत और 20 कांस्य पदक जीते। इसके अलावा बैडमिंटन में 4 स्वर्ण, 4 रजत और 13 कांस्य सहित 21 पदक जीते, वहीं शतरंज में 8, तीरंदाजी में 7 और निशानेबाजी में 6 पदक जीते। भारत के नीरज यादव ने प्रतियोगिता में दो खेलों में स्वर्ण पदक जीते। नीरज ने पहले पुरुषों की चक्का फेंक एफ-54 स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, इसके बाद उन्होंने भाला फेंक एफ-55 स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता।

- **भारत का मल्टी स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में यह अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।**
- **इससे पहले भारत ने इस वर्ष एशियन गेम्स-2022 में 107 पदक जीते थे।**
- **जकार्ता पैरा एशियन गेम्स-2018 में भारत ने जीते थे 72 पदक।**

पूर्व पैरालिंपियन और भारतीय पैरालिंपिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने भारतीय पैरा खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि हमने इतिहास रच दिया है। हमारे पैरा एथलीटों ने देश को गौरवान्वित किया है। पेरिस पैरालिंपिक में हम टोक्यो पैरालिंपिक से ज्यादा पदक जीतेंगे।

दक्षिण अफ्रीका ने चौथी बार जीता रग्बी विश्वकप

पेरिस, दक्षिण अफ्रीका ने रिकॉर्ड चौथी बार रग्बी विश्वकप अपने नाम किया है। पेरिस में खेले गए रग्बी विश्वकप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 12-11 से हराया। टूर्नामेंट में इंग्लैंड ने अर्जेंटीना को 26-23 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया।

रोमांचक रहा मुकाबला

टूर्नामेंट के फाइनल में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। मैच के दौरान न्यूजीलैंड के कप्तान सैम केन को रेड कार्ड दिखाया गया, जिसकी वजह से न्यूजीलैंड को 15 की जगह 14 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। हालांकि एक खिलाड़ी कम होने के बावजूद न्यूजीलैंड की टीम ने दमदार प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने इस रोमांचक मुकाबले को 12-11 के अंतर से अपने नाम किया।

- **दक्षिण अफ्रीका के नाम सबसे ज्यादा बार रग्बी विश्वकप जीतने का रिकॉर्ड है।**
- **दक्षिण अफ्रीका वर्ष 1995, 2007 और 2019 में भी बना है रग्बी विश्वकप चैम्पियन।**
- **न्यूजीलैंड 3 बार, ऑस्ट्रेलिया 2 बार और इंग्लैंड 1 बार बना है विजेता।**
- **न्यूजीलैंड की टीम दूसरी बार उपविजेता बनी है।**

(स्रोत : संपादकीय टीम द्वारा संकलित, फोटो : गूगल से साभार)

सामयिकी

कश्मीर के भारत में विलय की 76वीं वर्षगांठ

ब्रिटेन की संसद (हाउस ऑफ कॉमन्स) ने 26 अक्टूबर 1947 को तत्कालीन रियासत के भारत में विलय की 76वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या पर जम्मू-कश्मीर दिवस मनाया। कार्यक्रम में सांसद जोनाथन लॉर्ड, एमपी वोकिंग, थेरेसा विलियर्स और चिपिंग बार्नेट शामिल थे। विशेष अतिथियों में जम्मू-कश्मीर के पूर्व शाही परिवार से अजातशत्रु सिंह और रितु सिंह शामिल रहे। सांसद जोनाथन लॉर्ड ने जम्मू-कश्मीर के शाही परिवार और अन्य मेहमानों और दर्शकों का स्वागत किया और कश्मीरी पंडितों की दुर्दशा और उनके पुनर्वास का समर्थन करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के बारे में बात की। सज्जाद राजा ने विभाजन के दौरान हिंदुओं और सिखों पर हुए अत्याचारों के बारे में बात की। सुशील पंडित ने कश्मीरी पंडित समुदाय के साथ न्याय पर चर्चा की।

श्रीलंका में दो दिन शोध करेगा चीन का जासूसी जहाज

हिंद महासागर में चीन का दखल बढ़ता जा रहा है। इससे भारत की चिंता बढ़ रही है। दरअसल चीन का शी यान-6 श्रीलंका में 25 अक्टूबर से डेरा डाले हुए है। श्रीलंकाई नौसेना ने इसे मरीन रिसर्च करने की परमिशन दी है। चीन ने नई दिल्ली में सितंबर में हुई जी-20 बैठक के बाद अपने सर्वे शिप के लिए मंजूरी मांगी थी। उल्लेखनीय है कि पिछले साल चीन का युआन वांग-5 रिसर्च के नाम पर श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पहुंचा था। इसका भारत ने विरोध किया था। बावजूद इसके एक साल बाद चीन ने रिसर्च के नाम पर एक और एडवांस शिप भेजा है।

मस्क ने गाजा में स्टारलिंक इंटरनेट देने का किया ऐलान

इजराइल और हमास के बीच जारी जंग के बाद गाजा पट्टी पर संचार और इंटरनेट की सुविधा पूरी तरह से बंद कर दी गई थी, जिसके बाद एलन मस्क मदद के लिए आगे आए हैं। एलन मस्क ने ऐलान करते हुए कहा कि वो गाजा पट्टी में मानवीय राहत के लिए अपनी स्टारलिंक की इंटरनेट सुविधा मुहैया कराएंगे। वहीं एलन मस्क के इस कदम के बाद इजराइल बौखला गया है। इजरायल ने धमकी देते हुए कहा कि इजराइल इससे लड़ने के लिए सभी साधनों का उपयोग करेगा।

इजराइल-हमास संघर्ष के बीच नेपाल दौरे पर यूएन प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस नेपाल की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे। उन्होंने नेपाल के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान गुटेरेस ने नेपाल की शांति और बहुपक्षवाद की वकालत करने की लंबी परंपरा की प्रशंसा की। गौरतलब है कि 1 जनवरी, 2017 को पदभार ग्रहण करने के बाद संयुक्त राष्ट्र प्रमुख की यह पहली नेपाल यात्रा है। गुटेरेस ने सोशल मीडिया पर लिखा कि नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि है।

(स्रोत: समाचार एवं फोटो जनसंपर्क विभाग, मध्यप्रदेश से साभार)

उपराष्ट्रपति श्री धनखड़ ने वनों पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र फोरम को किया संबोधित

विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन की जरूरत

उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ देहरादून में आयोजित फोरम की बैठक में हुए सम्मिलित

देहरादून में वनों पर आयोजित संयुक्त राष्ट्र फोरम को उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने संबोधित किया। उपराष्ट्रपति ने भारत द्वारा देश के नेतृत्व वाली पहल पर विस्तार से चर्चा की। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ ने कहा कि विकास और संरक्षण के बीच एक नाजुक संतुलन बनाने की आवश्यकता है जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारे नागरिकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हुए हमारे जंगल फलते-फूलते रहें। वन हमारे लाखों नागरिकों, विशेषकर आदिवासी समुदायों की जीवन रेखा हैं, उन्होंने रेखांकित किया कि वनों का संरक्षण, महत्वपूर्ण है इसलिए वन संसाधनों पर निर्भर समुदायों को उनसे अलग नहीं किया जा सकता है।

2.4 बिलियन मीट्रिक टन कार्बन अवशोषित करते हैं वन

वन एक कार्बन सिंक प्रदान करते हैं जो हर साल 2.4 बिलियन मीट्रिक टन कार्बन को अवशोषित करता है। उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि हम सभी को यह महसूस करने की आवश्यकता है कि वन ही जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए एक मात्र समाधान है। उन्होंने कहा, हमारे वन केवल एक संसाधन मात्र नहीं हैं बल्कि देश की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और बौद्धिक विरासत को भी समाहित करते हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक क्षेत्र में ऊर्जा हथियार के रूप में उपयोग करने का एक तरीका बन गया है। श्री धनखड़ ने स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की दिशा में भारत द्वारा उठाए गए विभिन्न कदमों को रेखांकित किया। स्वच्छ ऊर्जा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि 2030 तक हमारी आधी बिजली नवीकरणीय स्रोतों से उत्पन्न होगी। राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन को एक दूरदर्शी पहल बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह उद्यमियों के लिए रोज़गार के अवसर प्रदान करता है और जलवायु परिवर्तन तथा पर्यावरण की चुनौतियों का भी ध्यान रखता है।

आने वाली पीढ़ियों को सौंपना है

उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह पृथ्वी हमारी नहीं है और हमें इसे आने वाली पीढ़ियों को सौंपना होगा। जैव विविधता के पोषण और संरक्षण की आवश्यकता पर कहा कि हम इसके ट्रस्टी हैं और लापरवाह दृष्टिकोण और प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के साथ अपनी भावी पीढ़ियों के साथ समझौता नहीं कर सकते। उन्होंने सतत् विकास और जलवायु परिवर्तन पर काबू और सुरक्षित भविष्य पर जोर देते हुए भावी चुनौतियों के प्रति लोगों को आगाह किया।

सभी को मिलकर खोजना होगा समाधान

उपराष्ट्रपति ने कहा कि हम जिस जलवायु चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह किसी व्यक्ति को नहीं, बल्कि यह पूरी पृथ्वी को प्रभावित करेगी। श्री धनखड़ ने समाधान के लिए सभी संसाधन जुटाने का आह्वान किया। उन्होंने पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान के लिए समन्वित वैश्विक रुख को एकमात्र विकल्प बताते हुए कहा कि एक देश इसका समाधान नहीं ढूंढ़ सकता है बल्कि समाधान खोजने के लिए युद्धस्तर पर सभी देशों को एकजुट होना होगा।

15वीं भारत-सिंगापुर रक्षा नीति वार्ता

विचार-विमर्श तथा द्विपक्षीय युद्ध अभ्यास में सहयोग पर बनी सहमति

15वीं भारत-सिंगापुर रक्षा नीति वार्ता नई दिल्ली में आयोजित की गई। रक्षा सचिव श्री गिरिधर अरमाने और सिंगापुर के स्थायी सचिव (रक्षा) श्री चान हेंग की ने इस सम्मेलन की सह-अध्यक्षता की। बैठक के दौरान, दोनों वार्ताकार पक्षों ने भारत व सिंगापुर के बीच मौजूदा रक्षा सहयोग की समीक्षा की और दोनों देशों की सेनाओं के बीच आपसी विचार-विमर्श तथा द्विपक्षीय युद्ध अभ्यास के लिए सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। दोनों पक्षों ने साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग को और आगे ले जाने के लिए भी अपनी सहमति दी।

रणनीतिक साझेदारी को लागू करने पर पुष्टि

दोनों देशों ने विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा और बहुपक्षीय सहयोग के क्षेत्र में सहभागिता के मौजूदा विन्यास को विस्तार देने के माध्यमों को निर्धारित किया। भारतीय रक्षा सचिव ने मई 2023 में आयोजित पहले आसियान-भारत समुद्री अभ्यास के समन्वय और सह-मेजबानी के लिए सिंगापुर के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने सिंगापुर की आवश्यकता को पूरा करने में क्षमता और कुशलता के साथ घरेलू रक्षा उद्योग सामर्थ्य का उल्लेख किया। दोनों पक्षों ने आपसी विश्वास और समझ, सामान्य हितों एवं लोकतंत्र व कानून के शासन के साथ साझा मूल्यों के आधार पर 'रणनीतिक साझेदारी' को पूरी तरह से लागू करने की अपनी वचनबद्धता की पुष्टि की।

इससे पहले, सिंगापुर के स्थायी सचिव (रक्षा) ने चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ से भेंट की और आपसी हित के सभी मुद्दों पर चर्चा की। सिंगापुर से आए प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय सहित विभिन्न सांस्कृतिक स्थलों का भी दौरा किया।

जी-7 देशों ने आपूर्ति श्रृंखला मजबूत करने का लिया संकल्प

जी-7 सदस्य देशों के व्यापार एवं आर्थिक मामलों के अधिकारियों ने वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद ऊर्जा व खाद्य जैसी जरूरी चीजों की आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने का संकल्प लिया है। संयुक्त बयान में अधिकारियों ने कहा कि सदस्य देशों ने अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने, उसे सुरक्षा प्रदान करने तथा कानूनी नियमों के आधार पर मुक्त व निष्पक्ष व्यापार प्रणाली बनाए रखने का वायदा किया। जापान के पश्चिमी शहर ओसाका में दो दिवसीय सम्मेलन की संयुक्त मेजबानी करने वाली विदेश मंत्री योको कामीकावा ने रूस-यूक्रेन तथा इजराइल-हमास युद्ध को ऊर्जा व खाद्य आपूर्ति के लिए नया खतरा बताया।

खनिज आपूर्ति को लेकर बढ़ रही चिंताएं

विकसित राष्ट्रों के बीच कंप्यूटर चिप के साथ-साथ लिथियम जैसे जरूरी खनिज की आपूर्ति बरकरार रखने को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। इन दिनों विद्युत वाहनों व हरित ऊर्जा के लिए ये चीजें जरूरी हैं। जी-7 देशों में अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान और ब्रिटेन हैं। बैठक में यूरोपीय संघ, ऑस्ट्रेलिया, चिली, भारत, इंडोनेशिया व केन्या को भी आमंत्रित किया गया था।

विश्व व्यापार संगठन में सुधार पर दिया जोर

इससे पहले केंद्रीय वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल ने अमेरिका की व्यापार प्रतिनिधि कैथरीन ताई के साथ बैठक में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने 13वें मंत्री स्तरीय सम्मेलन की महत्ता व अगले द्विपक्षीय व्यापार नीति मंच (टीपीएफ) की बैठक की तारीख तय करने पर चर्चा की।

बांग्लादेश में मुख्य विपक्षी पार्टियों के कार्यकर्ताओं में झड़प

बांग्लादेश में राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल के दौरान मुख्य विपक्षी बीएनपी और सत्तारूढ़ अवामी लीग के समर्थकों के बीच झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई। मौजूदा हालात से जनवरी में होने वाले आम चुनाव से पहले बांग्लादेश में तनाव बढ़ गया है। इस बीच बांग्लादेश पुलिस ने मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी (बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी) के एक वरिष्ठ नेता को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी बीएनपी की रैली में भड़की हिंसा के एक दिन बाद हुई है, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई थी। बांग्लादेश पुलिस ने बीएनपी के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी आलमगीर के ढाका स्थित घर से हुई। हिंसा में 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं, जिनमें सुरक्षाकर्मी शामिल हैं।

मंगल ग्रह पर उड़ेगा 1.8 किलो वजनी हेलीकॉप्टर

भारतीय मूल के वैज्ञानिक ने डिजाइन किया तैयार

अमेरिका की अंतरिक्ष एजेंसी नासा अब एक बार फिर मंगल ग्रह पर विमान उड़ाने वाली है। दूसरे ग्रह पर उड़ने वाले हेलीकॉप्टर का वजन 1.8 किलो है। नासा ने इसका नाम इनजेनिटी रखा है। यह नासा के पेरजर्वेंस रोवर का ही एक हिस्सा है, जिसे 2020 में लॉन्च किया गया था। रोवर अब भी मंगल ग्रह पर सक्रिय है। भारतीय मूल के अमेरिकी वैज्ञानिक डॉ. जे. बॉब बलराम ने इनजेनिटी को डिजाइन किया है। नासा का कहना है कि इनजेनिटी तकनीक का एक चमत्कार है। यह अल्ट्रा-लाइट वजन वाले कार्बन फाइबर से बना है। इनजेनिटी को उड़ाने वाले ब्लेड 2400 और 2900 आरपीएम पर घूमते हैं। यह पृथ्वी पर किसी भी हेलीकॉप्टर से लगभग 10 गुना तेज है।

अब तक 64 उड़ानें भर चुका हेलीकॉप्टर - मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 19 अप्रैल, 2021 को इनजेनिटी ने पहली उड़ान भरी थी। इस दौरान, हेलीकॉप्टर जमीन से लगभग तीन मीटर ऊपर उड़ा और थोड़ी देर हवा में घूम कर एक मोड पूरा कर लिया। मंगल के बेहद पतले वातावरण में नियंत्रित उड़ान हासिल करना एक बड़ा मील का पत्थर था। अब तक, इसने मंगल ग्रह के पतले वातावरण में 64 उड़ानें भरी हैं।

जानिए कौन हैं भारतीय मूल के वैज्ञानिक - डॉ. जे. बॉब बलराम वर्तमान में नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला में कार्यरत हैं। बलराम ने आईआईटी, मद्रास से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। उनका कहना है कि वह नासा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अब वह भारतीय छात्रों की मदद करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि आईआईटी मद्रास में उनके व्यवहारिक प्रशिक्षण ने इनजेनिटी उड़ान की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उनके जैसे सैकड़ों छात्र हैं, जो आगे बढ़ सकते हैं और भारत को गौरवान्वित कर सकते हैं।

मील का पत्थर है उड़ान

इनजेनिटी की उड़ान एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहली बार है कि किसी हेलीकॉप्टर ने किसी अन्य ग्रह पर उड़ान भरी है। यह अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और यह दिखाता है कि हम और भी दूर की यात्रा करने में सक्षम हैं।

स्वामी- मध्यप्रदेश माध्यम, प्रकाशक- मनीष सिंह, मुद्रक- मनीष सिंह द्वारा मेसर्स डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, 10-11, सेक्टर-B, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल से मुद्रित एवं मध्यप्रदेश माध्यम 40, प्रशासनिक क्षेत्र, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011 (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक- रंजना चितले।